ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गणपति जुलूस के दौरान पथराव के बाद दावणगेरे में तनाव की स्थिति @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 21 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-262

तिरुपति मंदिर प्रसाद षडयंत्र : कब जागेगा हिंदू समुदाय?

प्रसाद के नाम पर खा रहे गोमांस..!

तिरुपति मंदिर प्रसाद षडयंत्र का खुलासा होने के बाद यह सवाल पूरी दुनिया में उछल कर सामने आ गया कि हिंदू समुदाय आखिर कब जागेगा? कब तक सनातनी समुदाय तंद्रा में रहेगा? सनातनी समुदाय सहिष्णु है या कायर है? भगवान वेंकटेश्वर के प्रसाद के नाम पर यह समुदाय जाने कितने अर्से से गोमांस भक्षण कर रहा है, फिर भी क्यों जाग नहीं रहा? आंध्र प्रदेश के पिछले मुख्यमंत्री जगन रेड्डी ने तिरुपति मंदिर प्रबंधन का पूरा ईसाईकरण कर दिया था, फिर भी यह समुदाय कायरों की तरह ताकता रहा। अब उन करतूतों का घृणास्पद परिणाम सामने

आ रहा है फिर भी कोई कारगर प्रतिकार नहीं हो रहा। यही काम दूसरे धर्मावलंबियों के साथ होता तो पूरा देश प्रतिकार की गूंज सुनता। लेकिन सनातनी चुप है। उसे जगाने के लिए अब आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता पवन कल्याण को आगे आना पड़ रहा है। इससे भी कहीं हिंदुओं की आत्मचेतना जगे...

तिरुपति बालाजी मंदिर में प्रसाद की शुद्धता से छेड़छाड़ का मामला कोई साधारण मामला नहीं है। सामने आई रिपोर्ट बताती है कि जो प्रसाद भगवान वेंकटेश्वर को चढ़ता था उसमें पिछले कुछ समय से जानवर की चर्बी वाला घी इस्तेमाल होता था। मामला गरमाया तो घी की जांच रिपोर्ट सामने आई और ये पता चला कि घी में ▶10 पर

सनातन धर्म रक्षा बोर्ड का गठन हो, हिंदू साथ आएं : पवन कल्याण

अमरावती, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में प्रसाद की पवित्रता के साथ किए गए घृणित षडयंत्र का मामला अब पूरे देश में चर्चा का कारण है। हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ करने पर हर कोई चाहता है कि मामले में अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई हो। इस क्रम में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण को टैग करके न्याय मांगा जा रहा है। सीएम नायडू ने कल ही इस मामले में बता दिया था कि सरकार के संज्ञान में मामला आने के बाद मंदिर में शुद्ध घी की व्यवस्था की गई है। वहीं डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने इस मामले में ट्वीट पर लिखा, पिछली सरकार के कार्यकाल दौरान, तिरुपति बालाजी प्रसाद में पशु मेद (मछली का तेल, सूअर की चर्बी और बीफ़ वसा) मिलाए जाने की बात के संज्ञान में आने से हम सभी अत्यंत विक्षुब्ध हैं। तत्कालीन वाईसीपी सरकार द्वारा गठित टीटीडी बोर्ड को कई सवालों के जवाब देने होंगे! ▶10 पर

टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल चला रहे हैं कांग्रेस पार्टी

कांग्रेस के अंदर देशभक्ति मर चुकी है : मोदी

विदेश जाकर कर रहे भारतीय संस्कृति और लोगों का अपमान

वर्धा, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की हाल की विदेश यात्रा में उनके विवादास्पद बयानों को लेकर कांग्रेस की तीखी आलोचना की और कहा कि आज की कांग्रेस महात्मा गांधी की कांग्रेस नहीं रह गई है, इस पार्टी में देशभक्ति दम तोड़ चुकी है और इस पर नफरत का भूत सवार हो चुका है।

पीएम मोदी ने राहुल गांधी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन यह साफ-साफ कहा कि आज कांग्रेस के नेता विदेश जा कर देश विरोधी एजेंडा चलाते हैं और भारतीय संस्कृति और भारत के लोगों की आस्था का अपमान करते हैं। पीएम मोदी कारीगरों की सहायता के लिए चल रहे केंद्र सरकार के विश्वकर्मा कार्यक्रम पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। वर्धा आश्रम महात्मा गांधी और आचार्य विनोबा भावे जैसे महापुरुषों की कार्यस्थली और सामाजिक प्रयोगशाला रही है।

प्रधानमंत्री कहा, आज जो कांग्रेस हम देख रहे हैं, यह वो कांग्रेस नहीं है जिससे कभी महात्मा गांधी जैसे महापुरुष जुड़े थे। आज की कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा दम तोड़ चुकी है। आज की कांग्रेस में नफरत का भूत दाखिल हो गया है। उन्होंने राहुल गांधी की हाल की अमेरिका यात्रा में सिखपंथ के लोगों की भारत में स्थिति और अन्य मुद्दों पर उनके विवादास्पद बयानों और भारत विरोधी लोगों के साथ उनकी मुलाकातों की ओर संकेत करते हुए कहा, आप देखिए, आज कांग्रेस के लोगों की भाषा, उनकी बोली, विदेशी धरती पर जाकर उनके देशविरोधी एजेंडे, समाज को तोड़ना, देश को तोड़ने की बात करना, भारतीय संस्कृति और आस्था का अपमान करना, यह क्या बताता है? आज कांग्रेस वह पार्टी है, जिसे टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल चला रहे हैं। ▶10 पर

जगन रेड्डी सरकार पर बिफरे उप मुख्यमंत्री नारा लोकेश

भगवान को अशुद्ध करने का षडयंत्र देश में विनाश लाएगा

अमरावती, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी मिलने का मामला गहराता जा रहा है। देशभर में इस घटना की निंदा हो रही है। इस मामले को लेकर आंध्र प्रदेश के मंत्री और तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी) नेता नारा लोकेश ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि भगवान को अशुद्ध करने का षडयंत्र देश में विनाश लाएगा। नारा लोकेश ने कहा कि पिछली सरकार ने टीटीडी (तिरुमला तिरुपति देवस्थानम) को ईसाईयत का अड्डा बनाने का षडयंत्र किया।

उल्लेखनीय है कि गुजरात में केंद्र सरकार के राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड का पशुधन व खाद्य विश्लेषण स्टडी सेंटर की लैब में जो जांच की गई उसमें पाया गया कि लड्डुओं में जानवरों की चर्बी मिलाई गई थी। इसके बाद इस मामले में बवाल शुरू हो गया है। तिरुपति प्रसाद विवाद पर टीडीपी नेता नारा लोकेश ने कहा, पिछली सरकार ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम को केवल और अपने साथियों के

तिरुपति को ईसाईयत का अड्डा बनाने का षडयंत्र किया गया

कल्याण के लिए बनाए रखा था। हमने कहा था कि अगर भगवान के नाम का दुरुपयोग होगा तो ये विनाश लाएगा। 2019 से 2024 तक हमारे गठबंधन (जनसेना तेलुगु देसम) ने कई बार तब की वाईएसआरसीपी सरकार की निंदा की थी। उन्होंने कहा, हमने लैब रिपोर्टों के आधार पर जानवरों की चर्बी उपयोग करके घटिया तिरुमाला लड्डू बनाए जाने का पर्दाफाश किया है। तेलगु देशम पार्टी के नेता ने कहा, पिछली सरकार ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम की प्रतिष्ठा को अशुद्ध किया है।

हमने पिछली गलतियों को सुधारने के लिए नया ईओ नियुक्त किया है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने प्रसाद की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। हमने राज्य में पहले भी बहुत से सीएम देखे, लेकिन ऐसी सरकार नहीं देखी। पिछली सरकार ने टीटीडी को सिर्फ अपने कल्याण के लिए बनाया था। एनडीए सरकार टीटीडी की प्रतिष्ठा वापस लाने के लिए नए सुधार करेगी।

इससे पहले, टीटीडी बोर्ड सदस्य और भाजपा नेता भानु प्रकाश रेड्डी ने श्री वेंकेटेश्वर मंदिर में तिरुपति प्रसादम में जानवरों की चर्बी मिलाने की निंदा की। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

भारत के खिलाफ अमेरिकी षडयंत्र जारी

आतंकी पन्नू की तरफदारी में एनएसए को भेज दिया समन

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका की कोर्ट ने भारत सरकार को समन जारी किया है। समन में भारत सरकार से 21 दिनों के भीतर जवाब मांगा गया है। वांछित खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित दक्षिणी जिला न्यायालय में एक दीवानी मुकदमा दायर किया था। इसमें पन्नू ने भारत सरकार पर अपनी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। इसे भारत ने अनुचित और निराधार आरोप बताया है।

मुकदमे में भारत सरकार के अलावा भारत सरकार के कई महत्वपूर्ण अधिकारियों एवं लोगों के नाम भी शामिल हैं। इनमें राष्ट्रीय सुरक्षा

सलाहकार अजीत डोभाल, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल, रॉ अधिकारी विक्रम यादव और भारतीय व्यवसायी निखिल गुप्ता का नाम शामिल है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार 19 सितंबर को खालिस्तान समर्थक आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू द्वारा भारत सरकार के खिलाफ हत्या के प्रयास को लेकर दायर मुकदमे को अनुचित और निराधार आरोप बताते हुए खारिज कर दिया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि अब जबकि मामला दर्ज हो चुका है, ऐसी स्थिति में भी भारत के विचार नहीं बदलेंगे।

विदेश सचिव ने पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले गुरुवार 19 सितंबर को कहा, जैसा कि हमने पहले कहा है, ये पूरी तरह से अनुचित और निराधार आरोप हैं। अब चूंकि यह विशेष मामला दर्ज हो गया है, इससे अंतर्निहित स्थिति के बारे में हमारे विचार नहीं बदलेंगे। ▶10 पर

हेमंत सोरेन पर बरसे गृह मंत्री अमित शाह

बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठिए झामुमो-राजद-कांग्रेस के वोटर

साहिबगंज, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने झारखंड के साहिबगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने झारखंड सरकार को सबसे भ्रष्ट सरकार बताया। उन्होंने कहा कि आज झारखंड भाजपा अपनी परिवर्तन यात्रा शुरू कर रही है। यह यात्रा झारखंड के गांव-गांव तक जाएगी और बदलाव का संदेश देगी। हमें इस भ्रष्ट सरकार को हटाना है और भ्रष्टाचार रोकने वाली सरकार लानी है।

राज्य की हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, क्या आप लोगों ने कभी 350 करोड़ रुपए देखे हैं? अगर आप भाजपा की वेबसाइट देखें तो आपको वह घटना दिखाई देगी जब कांग्रेस नेता धीरज साहू के घर से 350 करोड़ रुपए बरामद किए गए थे। ▶10 पर

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव

चुनावी दंगल में 25 पूर्व आतंकी, अलगाववादी और 'बैन' पार्टी

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 20 सितंबर।

जम्मू-कश्मीर में चल रहे विधानसभा चुनावों में 25 से ज्यादा पूर्व आतंकवादी, अलगाववादी और प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के सदस्य भाग ले रहे हैं, जो इस क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।

इन उम्मीदवारों में जफर हबीब डार, जाविद हुब्बी और आगा मुंतजिर जैसे पूर्व अलगाववादी नेता या उनके रिश्तेदार शामिल हैं। इसके अलावा, जेकेएलएफ के पूर्व कमांडर फारूक अहमद डार जैसे पूर्व आतंकवादी और कई जेईआई सदस्य भी विभिन्न विधानसभा सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। जेईआई ने रणनीतिक रूप से लगभग 15 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे हैं। इसमें दक्षिण कश्मीर में पुलवामा, कुलगाम, जैनपोरा और देवसर के साथ-साथ उत्तर में बीरवाह, लंगेट, बांदीपोरा, बारामुल्ला, सोपोर और राफियाबाद शामिल हैं। प्रमुख उम्मीदवारों में तलत मजीद, सयार अहमद और हाफिज मोहम्मद शामिल हैं, जो संगठन पर प्रतिबंध के बावजूद चुनाव लड़ रहे हैं। जफर हबीब डार जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ रहे हैं। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 76,270/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,930/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 21^0

एफएटीएफ ने की एनआईए और ईडी की सराहना

इस्लामिक और वामपंथी उग्रवाद भारत के लिए खतरा

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की रिपोर्ट में भारत सरकार के आतंकवाद विरोधी प्रयासों की सराहना की गई है। एफएटीएफ ने एनआईए और एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) के कामों को शानदार बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने आतंकवादी वित्तपोषण को रोकने और जटिल वित्तीय जांच में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। इस्लामिक आतंकवाद के साथ ही वामपंथी उग्रवाद को भी भारत के लिए गंभीर खतरा बताया गया है। एफएटीएफ ने मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में तेजी लाने और गैर-लाभकारी संगठनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए और कदम उठाने की जरूरत पर जोर दिया है।

एफएटीएफ की रिपोर्ट में इस्लामी आतंकवाद को भारत के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में चिन्हित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत आतंकवाद और आतंकवादी वित्तपोषण से गंभीर रूप से प्रभावित है, खासकर जम्मू-कश्मीर और इसके आसपास सक्रिय इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक और लेवांत (आईसिल) और

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने किया आगाह

अल-कायदा से जुड़े आतंकी संगठनों से सतर्क रहने की जरूरत है। ये संगठन लगातार भारत की सुरक्षा को कमजोर करने की कोशिशों में लगे हुए हैं।

रिपोर्ट में भारत के आतंकवाद से निपटने के प्रयासों की प्रशंसा की गई है, खासकर आतंकवादी नेटवर्क को बाधित करने और रोकने के लिए। भारत ने जटिल वित्तीय जांच को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है, जिससे आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण पर रोक लगाने में मदद मिली है। हालांकि, एफएटीएफ ने यह भी सुझाव दिया है कि भारत को आतंकवादियों के वित्तीय मामलों की सुनवाई और अभियोजन में तेजी लानी चाहिए। आतंकवादी वित्तपोषण के मामलों में दोषसिद्धि और सख्त दंड सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

रिपोर्ट में गैर-लाभकारी संगठनों (एनजीओ) के दुरुपयोग को रोकने के लिए भी ध्यान आकर्षित किया गया है। इस्लामी आतंकवादी समूह अक्सर इन संगठनों के जरिए वित्तपोषण प्राप्त करते हैं। एफएटीएफ ने सुझाव दिया है कि भारत को जोखिम-आधारित दृष्टिकोण अपनाकर इस सेक्टर में जागरूकता बढ़ानी चाहिए ताकि इनका दुरुपयोग रोका जा सके। एफएटीएफ ने कहा है कि भारत के सामने उभरते हुए आतंकवाद के विभिन्न आयामों में से एक प्रमुख खतरा लेफ्ट विंग आतंकवाद (वामपंथी उग्रवाद) है, जो देश की आंतरिक सुरक्षा को कमजोर करने की दिशा में काम कर रहा है। रिपोर्ट में खासतौर पर लेफ्ट विंग समूहों का जिक्र किया गया है। ▶10 पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY

गुरु अमर अमृत वर्ष के तीन दिवसीय आयोजन के पहले दिन

आयंबिल दिवस आराधना एवं गुरु भक्तिगीत प्रतियोगिता आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने आचार्य आत्माराम महाराज का गुणगान करते हुए कहा कि आचार्य आत्माराम महाराज जैन श्रमण संघ के प्रथम आचार्य थे। उनकी ज्ञान साधना सर्व विदित है। जिन्होंने स्व का ही नहीं पर का भी कल्याण किया। एक आदर्श संत थे।

जीवन में अनेक परीसह-उपसर्ग आए, उन्होंने सदा शांत भाव से सहन किए। उनकी अध्यात्म साधना युगों-युगों तक समाज और साधकों को मार्गदर्शन देती रहेगी। उनके ऋण उनके उपकार मुक्त नहीं हो सकते। समाज को अपना सारा जीवन अर्पित किया। जीवन ही नहीं अपनी दोनों आंखे ही दे दी। पूरे शासनकाल में स्वाध्याय, शास्त्र लेखन द्वारा उन्होंने एक ज्ञान का सागर बहाया। उन्होंने अपने जीवन में 18 आगमो का विवेचन किया। 29 वर्ष की आयु में उपाध्याय पद को सुशोभित किया। वें स्वाध्याय और साहित्य प्रेमी थे। शास्त्रों के हर शंका का समाधान उनके पास था। उन्होंने लगभग 60 ग्रंथो की रचना की। जैन संतों में कितना समभाव है यह उन्होंने बता दिया था जब जर्मन के डॉक्टर ने कहा कि मैं इस महापुरुष में ईसामसीह के दर्शन कर रहा हूं। वें एक आदर्श संत थे। जीवन में अनेक परीसह-उपसर्ग आए, उन्होंने सदा शांत भाव से सहन किए। उनकी अध्यात्म साधना युगों-युगों तक समाज और साधकों को मार्गदर्शन देती रहेगी। उनकी सहिष्णुता सहनशीलता गजब की थी। अंतिम समय में कैन्सर जैसी भयानक बीमारी से भी वें विचलित नहीं हुए। शरीर में पीड़ा होने के बावजूद उनके मुख से तेज झलकता था। देह की दृष्टि से भले ही वें चले गए है लेकिन आगम ज्ञान की दृष्टि से वें सदा हमारे साथ है। दोपहर में गुरु अमर भक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमे 15 महिला टीमों ने भाग लिया। इस अवसर पर जैन कांफ्रेंस राष्ट्रीय महिला महामंत्री आरती बुरड, ललिता ढीलीवाल, तुषार जैन, दिलकुश बाफना व त्रिशला महिला मंडल त्रिशला बहु मंडल व अन्य का सहयोग रहा। इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा पुष्पा गोखरू, प्रमुख मार्गदर्शिका रत्नीबाई मेहता, प्रांतीय अध्यक्षा रसीला मरलेचा ने अपने विचार रखे। संघ की ओर से सभी अतिथियों का अभिनंदन किया गया। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। चेन्नई से एकता सोनी, सुनीता मेहता, शिल्पा खीवेंसरा, सुमन कोठारी, जम्मू से रोहित जैन, लुधियाना से नरेश जैन उप-स्थित रहे। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया और संचालन नेमीचंद दलाल ने किया।

जय महावीर डायलिसिस सेंटर में दी सहायता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ, अलसूर ने कर्नाटक जैन रिलीफ फाउंडेशन के तत्व-ावधान में जय महावीर डायलिसिस सेंटर को आवश्यक जनों को डायलिसिस सेवा उपलब्ध कराने हेतु संघ के शुभ खाते से एक मुश्त योगदान राशि प्रदान की। डायलिसिस सेवा केंद्र के कमल गादिया ने बताया कि अलसूर के युविन केयर अस्पताल के परिसर में महावीर डायलिसिस सेंटर 9 मशीनें संचालित करता है और मात्र स्वल्प संचालन शुल्क पर प्रति माह करीब 450 व्यक्ति इस सेवा से लाभान्वित हो रहे हैं। जय महावीर डायलिसिस सेंटर की सेवा की प्रसंशा करते हुए अलसूर जैन श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि मानवता की सेवा अपना पहला कर्तव्य है और जैन समाज इसमें हमेशा अग्रणी रहता है। असहाय जनों की सेवा कर हम अपना सामाजिक कर्तव्य निभा रहे हैं। अलसूर संघ के अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया ने संघ की ओर से यह राशि डायलिसिस सेंटर के संचालकों को प्रदान की। सेंटर की ओर से उपस्थित अजीत लोढ़ा, महावीर बोहरा, कमल गादिया, पदम तातेड़, त्रिलोक धारीवाल ने श्रावक संघ के अनुदान की अनुमोदना कर धन्यवाद दिया। इस अवसर पर श्रावक संघ की ओर से दिलीप गादिया, गौतम चंद छाजेड़, उगम राज मुथा, बभूत राज तालेड़ा, प्रकाश चंद नाहटा, राजेश बोरूंदिया भी उपस्थित थे। पदम तातेड़ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री विनायक युवक मंडली मैसूरु रोड होसा गुड्डदहल्ली में आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद एच. रविंद्र एवं विशिष्ट अतिथि विजयनगर मारुति मेडिकल्स महेंद्र मुणोत ने भगवान श्री गौरी गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ ही अन्न दान कार्यक्रम में सेवा दी। मंडली के अध्यक्ष केबल रमेश ने अतिथियों को सम्मानित किया।

सत्य का साथ छूटना नहीं चाहिए: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में दैनिक प्रवचन में राजेश मुनि जी ने सत्य को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। मुनि ने कहा कि जीवन में उजाला लाने के लिए हमें सत्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि जीत अंत में सत्य की ही होती है। मुनि ने कहा कि आज समाज में संस्कारों का स्थान पैसे ने ले लिया है। संस्कार गौड़ होते जा रहे हैं। यदि सत्य चला गया तो समझिए कि हमारा सब कुछ चला गया। सत्य का साथ छूटने पर हमारी आत्मा भी साथ छोड़ देती है। हमारे संस्कार और धर्म पैसे से बढ़कर हैं। धर्म कभी दगा नहीं दे सकता और सत्य ही धर्म है। आप सत्य से भाग सकते हैं लेकिन सत्य को झुठला नहीं सकते। झूठ के सहारे जीवन नहीं चल सकता। यदि जीवन में शांति चाहिए तो सत्य जरूरी है। इस मौके पर ऋषभ मुनि ने भी विचार व्यक्त किया। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

शरीर नश्वर, आत्मा हमारी अपनी: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्व-ावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी श्री स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि परमात्मा परम तत्व को प्राप्त करने के पश्चात हमें धर्म देशना देते हैं। हम भव भ्रमणा में जी रहे हैं। जो हमें शरीर, परिवार, परिजन, सुख, दुख दिखाई देता है उसकी ओर तो हम ध्यान देते हैं, लेकिन जो हमारी आत्मा हमें दिखाई नहीं देती है, उसकी ओर हम ध्यान ही नहीं देते हैं।

हमें इस भव भ्रमण से निकलने और सही दिशा में जाने के लिए हमारी आत्मा की ओर ध्यान देना होगा। एक सिर्फ आत्मा हमारी है बाकी यह नश्वर शरीर तो नष्ट होने वाला है। हमने अपनी आत्मा को आहार नहीं दिया है। हम सिर्फ अपनी इन्द्रियों का पोषण करने में लगे हुए हैं। हमारे अन्तर्मन के दो मन हैं।

एक मन अच्छा और एक बुरा मन है, जिसमें द्वन्द चलता रहता है। पूज्य साध्वी वर्या के दर्शन वन्दन हेतु चौहटन नगर से संघ के सदस्य पहुंचे। चौहटन नगर में आगामी अप्रैल माह में होने वाली प्रभु आदिनाथ की प्रतिष्ठा और दीक्षा में सान्निध्यता प्रदान करने हेतु गुरुदेव और साध्वी वर्याओं से विनती की गई।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर के बेंगलूरु आगमन पर राजस्थान प्रवासी सैन समाज के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर विष्णु कुमार सैन, ओमप्रकाश सैन, डॉ अबरीश शर्मा, हनुमान सैन, मोंटू सैन, तारकेश सैन, आशुतोष सैन और चंपलाल सैन आदि मौजूद रहे।

मुनिरत्ना के पीछे है बड़ा नेटवर्क, व्यापक जांच होनी चाहिए : डी.के. सुरेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके सुरेश ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा विधायक मुनिरत्ना के पीछे एक बड़ा नेटवर्क और रणनीति थी और इसके खिलाफ एक व्यापक जांच की जानी चाहिए। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुनिरत्ना के खिलाफ बलात्कार के आरोप और एचआईवी पीड़ितों को राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हनीट्रैप के रूप में इस्तेमाल किए जाने की शिकायतें हैं। जाहिर है, यह ज्ञात नहीं है कि इस कृत्य में उनका उपयोग किसने और कैसे किया। यह पता लगाना है कि बीमारी फैलाने के लिए किसका इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसके लिए लंबी जांच होनी चाहिए। इस पृष्ठभूमि में ओक्कालिगा और अनुसूचित जाति समुदाय के नेताओं ने चर्चा की है। मुनिरत्ना द्वारा प्रयुक्त शब्द और उनकी तकनीक पहले कभी नहीं देखी गई। मुनिरत्ना की मनोदशा विक्षिप्त है। ऐसी आशंका है कि मुनिरत्ना के प्रति समर्थन जताने वाले केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, आर अशोक और सीटी रवि उनके पीछे खड़े होकर कांग्रेसियों के खिलाफ कृत्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए। मुनिरत्ना के अपमानजनक शब्दों के खिलाफ दलित और ओक्कालिगा समुदाय के स्वामीजी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अन्यथा सड़क पर निकलने वाले सभी लोग ऐसी चीजों का इस्तेमाल करना शुरू कर देंगे। मुझे नहीं पता कि ये मामला कहां जा रहा है। मैं मुनिरत्ना का ऑडियो पूरा नहीं सुन सका। उन्होंने कहा कि उनकी हरकतें पच नहीं रही हैं। बेंगलूरु के आरटी नगर में केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी की सास के नाम पर ली गई जमीन को भी मृतक के नाम से डीनोटिफाई कर दिया गया है। कई बार कुमारस्वामी इस बात की आलोचना कर चुके हैं कि किसी और का मामला आने पर मृतक के नाम पर डी-नोटिफिकेशन किया गया है। आरटी नगर की जमीन की डी-नोटिफिकेशन की फाइल तब भी जारी रही जब कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे। डी-नोटिफिकेशन से पहले भी जमीन खरीदी और रजिस्ट्री की गई थी। डीके सुरेश ने सवाल किया कि क्या यह सत्ता का दुरुपयोग नहीं है। कुमारस्वामी कह सकते हैं कि ये मामला पुराना और बासी है। किसी और के विचार ताजा हैं। उनके मामलों को कष्टप्रद बताकर खारिज कर दिया जाता है। प्रदेश में कानून व्यवस्था सुरक्षित है। नागमंगला जैसी कुछ जगहों पर कुछ लोग स्थिति का फायदा उठाकर शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार को इस पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

रेलवे स्टेशन पर गिरी महिला यात्री को आरपीएफ की महिला कर्मियों ने बचाया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मियों ने एक त्वरित और वीरतापूर्ण कार्य करते हुए शुक्रवार सुबह उडुपी रेलवे स्टेशन पर मेंगलूरु-मडगांव पैसेंजर ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते समय गिरी एक महिला को बचाया। जैसे ही ट्रेन चलने लगी, महिला ने अपना संतुलन खो दिया, लेकिन अधिकारी अपर्णा के नेतृत्व में आरपीएफ टीम के समय पर हस्तक्षेप ने संभावित त्रासदी को टाल दिया। स्टेशन पर मौजूद दर्शकों और यात्रियों ने कर्मचारियों की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की, जिन्होंने उनकी सतर्कता और पेशेवरता की प्रशंसा की।

गणपति जुलूस के दौरान पथराव के बाद दावणगेरे में तनाव की स्थिति

भारी पुलिस बल तैनात

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान पथराव की घटना के बाद शुक्रवार को कर्नाटक के दावणगेरे शहर में तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

बेतुर रोड पर गुरुवार देर रात हुई पथराव की घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (एसपी) उमा प्रशांत स्थिति पर कड़ी नजर रख रही हैं। घायल पुलिसकर्मियों में सर्किल इंस्पेक्टर गुरुबसवराज और पुलिस कांस्टेबल रघु शामिल हैं। शहर में शांति बहाल करने के लिए कांग्रेस नेताओं और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पुलिस का साथ दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और पुलिस रिकॉर्डिंग के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। एहतियात के तौर पर पुलिस ने दावणगेरे शहर के संवेदनशील इलाकों में दुकानों और प्रतिष्ठानों को बंद रखने को कहा है। एसपी उमा प्रशांत ने कहा गणेश विसर्जन के दौरान पथराव की घटना की सूचना मिली थी, जिसमें एक पुलिस इंस्पेक्टर और एक कांस्टेबल घायल हो गए। स्थिति अब नियंत्रण में है। उपद्रवियों को पकड़ने के लिए कदम उठाए गए हैं। पुलिस विभाग डिप्टी कमिश्नर के साथ निषेधाज्ञा लागू करने पर चर्चा कर रहा है।

उन्होंने कहा घटना के लिए भड़काऊ भाषण जिम्मेदार है। एक समुदाय के नेताओं ने भड़काऊ बयान जारी किया था और दूसरे समुदाय ने इसका विरोध किया। दोनों पक्षों की ओर से शिकायत दर्ज की गई है और कार्रवाई शुरू की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि गणेश प्रतिमा जुलूस के आजाद नगर में प्रवेश करने पर पथराव शुरू हुआ। शहर में तीन जगहों पर पथराव की सूचना मिली। दो दिन पहले, हिंदू नेताओं ने नागमंगला शहर में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान पथराव और दंगा की घटना की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया और ईद मिलाद के जश्न के दौरान फिलिस्तीनी झंडे लहराए। इस पर प्रतिक्रिया में, एक मुस्लिम नेता ने हिंदुओं को बेतुर रोड से जुलूस निकालने की चुनौती दी। गुरुवार रात को हिंदू नेता बेतुर रोड से जुलूस में भाग ले रहे थे, तभी एक समूह ने धार्मिक नारे लगाए और उन पर पथराव किया। हालांकि, पुलिस ने लोगों को शांत करने के लिए मुस्लिम नेताओं के आगे आने के बाद भड़के हुए माहौल को नियंत्रित किया। आगे की जांच जारी है।

हिंसा के मामले में 30 गिरफ्तार

इसी बीच कानून एवं व्यवस्था विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हितेंद्र ने कहा कि दावणगेरे में गणेश मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई घटना के संबंध में अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दावणगेरे का दौरा करने और स्थिति की समीक्षा करने के बाद बातचीत में उन्होंने कहा कि दावणगेरे में फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है। उन्होंने बताया कि मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और एसपी ने मौके पर डेरा डाल दिया है। उन्होंने कहा कि अन्य जिलों से अतिरिक्त पुलिसकर्मियों और केएसआरपी दस्तों को बुलाकर घटनास्थल पर तैनात किया गया है और एहतियात के तौर पर पुलिस गश्त पर है। स्थानीय पुलिस के साथ-साथ हावेरी और शिवमोग्गा जिलों की रिजर्व पुलिस इकाइयों ने घटनास्थल पर डेरा डाल दिया है और गश्त कर रही।

21 अक्टूबर को होगा एमएलसी उपचुनाव

मेंगलूरु, उडुपी में आचार संहिता लागू

मेंगलूरु/उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोटा श्रीनिवास पुजारी के सांसद चुने जाने के बाद खाली हुई एमएलसी सीट के लिए उप-चुनाव 21 अक्टूबर को होगा। दक्षिण कन्नड़ के डिप्टी कमिश्नर और चुनाव अधिकारी मुल्लई मुहिलान के अनुसार, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी में 392 स्थानीय निकायों के कुल 6,037 सदस्य अपने वोट डालेंगे। यहां डीसी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुहिलान ने कहा 26 सितंबर से 3 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकते हैं और 4 अक्टूबर को सत्यापन होगा। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 7 अक्टूबर है। चुनाव 21 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होंगे और मतगणना 24 अक्टूबर को होगी। आदर्श आचार संहिता चुनाव की घोषणा के साथ लागू हुई और यह दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में 28 अक्टूबर तक लागू रहेगी।

इस अवधि के दौरान, किसी भी सरकारी विकास कार्यक्रम की घोषणा नहीं की जा सकती है, शिलान्यास समारोह प्रतिबंधित हैं, और राजनीतिक नेताओं को बधाई देने वाले बैनर नहीं लगाए जा सकते हैं। सरकारी अधिकारियों को सार्वजनिक कार्यक्रमों या बैठकों में भाग लेने से भी रोक दिया गया है। चुनाव आयोग राजनीतिक बैठकों और कार्यक्रमों की निगरानी करेगा, और एमपी और एमएलए चुनावों पर लागू सभी नियम इस एमएलसी चुनाव पर भी लागू होंगे। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी के अतिरिक्त डीसी सहायक चुनाव अधिकारी के रूप में काम करेंगे। चुनाव संबंधी कोई चेक पोस्ट नहीं बनाए जाएंगे, लेकिन फ्लाइंग स्क्वॉड और वीडियो निगरानी दल काम करेंगे। राजनीतिक दलों के बैनर और होर्डिंग तुरंत हटा दिए जाएंगे। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिले दक्षिण कन्नड़ स्थानीय निकाय प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

दक्षिण कन्नड़ में 3,551 मतदाता और 234 मतदान केंद्र हैं, जबकि उडुपी में 2,486 मतदाता और 158 मतदान केंद्र हैं। इस उपचुनाव में ग्राम पंचायतों, नगर निगमों, शहर नगर पालिकाओं, नगर नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों के सदस्य, विधायक, एमएलसी और सांसद मतदान करने के पात्र होंगे। जेडपी सीईओ डॉ. आनंद, अतिरिक्त डीसी डॉ. संतोष कुमार, पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल, एसपी यतीश, एमसीसी आयुक्त आनंद सी एल और सहायक आयुक्त गिरीश नंदन भी मौजूद थे।

महिला ने लगाया आरोप

एमएस रामैया अस्पताल में आग लगने से पति की हुई मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक महिला ने आरोप लगाया है कि उसके पति, जो एम.एस. रामैया अस्पताल के कार्डियक केयर यूनिट (सीसीयू) में थे, जहां गुरुवार दोपहर को आकस्मिक आग लग गई थी, अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण उनकी मौत हो गई। एम.एस. रामैया अस्पताल के अधिकारियों ने दावा किया था कि नर्सों को कुछ मामूली चोटों के अलावा, दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। गुरुवार को अस्पताल में मरने वाले एक मरीज की पत्नी की शिकायत के आधार पर, सदाशिवनगर पुलिस ने अब एम.एस. रामैया अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के कारण मौत का मामला दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है। अपनी शिकायत में रोहिणी जयन नामक महिला ने

कहा कि उनके पति पणिक्कर सुजय सुजाथन को 1 सितंबर को एच1एन1 संक्रमण के इलाज के लिए एम.एस. रामैया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे उनकी हालत में सुधार हो रहा था, अस्पताल के अधिकारियों ने उन्हें मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट (एमआईसीयू) से सीसीयू में स्थानांतरित कर दिया, जहां गुरुवार को आग लग गई। दोपहर करीब एक बजे सीसीयू में आग लगने की खबर सुनने के बाद मैंने अपने पति के स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ की, लेकिन मुझे सिर्फ टालमटोल वाला जवाब मिला। मेरे परिवार के सदस्यों के दबाव डालने पर हमें शाम साढ़े चार बजे सीसीयू के अंदर जाने दिया गया। वहां हमें बताया गया कि मेरे पति की मौत हो गई है। उन्होंने शिकायत में आरोप लगाया कि अस्पताल के अधिकारियों की लापरवाही के कारण उनके पति की मौत हो गई।

बलात्कार और हनी ट्रैप मामले में भाजपा विधायक मुनिरत्ना गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मुनिरत्ना को शुक्रवार को बेंगलूरु में बलात्कार और हनी ट्रैप के आरोप में गिरफ्तार किया गया। कग्गलीपुरा पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी और विधायक को बेंगलूरु केंद्रीय कारागार से बाहर आने के तुरंत बाद हिरासत में ले लिया। अदालत ने गुरुवार को व्यालिकावल पुलिस थाने में दर्ज दो मामलों में उन्हें जमानत दे दी थी, जिसमें उन पर अत्याचार और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि केंद्रीय कारागार में डिप्टी एसपी दिनाकर शेट्टी के नेतृत्व वाली टीम ने उन्हें हिरासत में लिया और गिरफ्तार कर लिया। पुलिस बलात्कार और हनी ट्रैप मामले में विधायक से पूछताछ करेगी और शनिवार को उन्हें

अदालत में पेश कर सकती है। कर्नाटक पुलिस ने जेल में बंद विधायक के खिलाफ बलात्कार, हनी ट्रैप, बलात्कार की घटना का वीडियो बनाने और एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता को धमकाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी।

इससे पहले मुनिरत्ना को एक ठेकेदार को जान से मारने की धमकी देने और जातिवादी गाली देने के आरोप में बेंगलूरु सेंट्रल जेल में रखा गया था। विशेष अदालत ने इन मामलों में गुरुवार को मुनिरत्ना की जमानत याचिका मंजूर कर ली थी।

रामनगर जिले की कग्गलीपुरा पुलिस ने गुरुवार को एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता की शिकायत के बाद मुनिरत्ना के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में कहा कि सार्वजनिक जीवन में मुनिरत्ना से उसका परिचय हुआ था। उसने मोबाइल पर कॉल करके उससे नजदीकी बढ़ाई। वह उसे मुत्यालनगरा में अपने स्वामित्व वाले गोदाम में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। शिकायतकर्ता ने यह भी कहा कि उसने इस कृत्य को रिकॉर्ड किया और उसे धमकी दी कि अगर मामला सामने आया तो उसके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। पीड़िता ने यह भी दावा किया कि उसे अलग-अलग निजी रिसॉर्ट्स में लोगों को हनीट्रैप करने के लिए मजबूर किया गया। सूत्रों के अनुसार पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा भाजपा विधायक ने मुझे हनीट्रैप करने के लिए मजबूर किया। उसने मुझे यह काम करवाने के लिए जान से मारने की धमकी दी थी। कग्गलीपुरा पुलिस ने उसके छह साथियों विजयकुमार, किरण, लोहित, मंजूनाथ, लोकी और दो अन्य के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की है। पीड़िता बुधवार देर रात पुलिस के पास पहुंची और डिप्टी एसपी दिनाकर शेट्टी के सामने अपना बयान दर्ज कराया। पुलिस ने गुरुवार तड़के आईपीसी की धारा 354 (ए), 354 (सी), 308, 406, 384, 120 (बी), 504, 506 और 149 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने राजराजेश्वरी नगर से विधायक पर आईटी एक्ट और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत भी मामला दर्ज किया है। चूंकि घटना पहले हुई थी, इसलिए मामला आईपीसी की धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। गुरुवार को पुलिस स्टेशन से बाहर आते समय पीड़िता ने कहा कि वह तनाव में थी और पुलिस विभाग ने उसे घटना के बारे में बात करने की अनुमति नहीं दी। उसने कहा मैंने बहुत कुछ सहा है।

तथ्यान्वेषी समिति ने सौंपी रिपोर्ट

विजयेंद्र ने दंगा घटनाओं की एनआईए जांच की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने आपत्ति जताते हुए कहा कि गद्दारों के खिलाफ राज्य की कांग्रेस सरकार का नरम रवैया शांति व्यवस्था को बिगाड़ रहा है। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आपके नेतृत्व में नागमंगला, दावणगेरे और अन्य स्थानों पर हुए दंगों की पर्याप्त जांच नहीं की जा सकती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इन घटनाओं की जांच एनआईए से कराने की मांग की। अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति को किनारे रखें। उन्होंने मांग की कि सभी घटनाओं की जांच एनआईए से कराई जाए ताकि सभी समाज के लोग शांति से रह सकें और अल्पसंख्यकों द्वारा की जा रही पक्षपात की राजनीति को दूर किया

जा सके। हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। यह सब कुछ पुलिस के सामने होने के बाद भी वे आंखें मूंदे रहे। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इसका कारण यह था कि उनके पास कोई अधिकार नहीं था। प्रदेश की कांग्रेस सरकार पूरी तरह से अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण कर रही है। राज्य के मुख्यमंत्री इस भ्रम में हैं कि कांग्रेस पार्टी राज्य में अल्पमत से सत्ता में आयी है। उन्होंने आपत्ति जताई कि इसी कारण से राज्य में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा हो रही है। इन सभी मुद्दों को विपक्षी भाजपा ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि वे इस पर चर्चा करने जा रहे हैं कि इसे कैसे आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में अराजकता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है। प्रदेश में एक के बाद एक हादसे हो रहे हैं। नागमंगला में हुई त्रासदी के बाद, पांडवपुर में पुलिस ने अचानक आरएसएस के कार्यालय में घुसकर उनके साथ मारपीट की। अब एक घटना गुरुवार रात दावणगेरे में हुई। हिंदू युवा जब शांतिपूर्ण गणपति जुलूस निकाल रहे थे तो उन पर हमला किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारियों को भी पत्थर लगे। दावणगेरे, नागमंगला समेत राज्य के अलग-अलग हिस्सों में हो रही घटनाओं पर नजर डालें तो ऐसा लगता है कि सरकार किसी काम की नहीं है। राज्य में सिद्धरामैया की कांग्रेस सरकार है और परमेश्वर गृह मंत्री हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि गद्दारों में इतना साहस और विश्वास है कि राज्य सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रहेगी, जैसे कि हिंदुओं पर हमला कोई मामूली घटना हो। हाल ही में नागमंगला में जब हिंदू युवक गणेश विसर्जन के लिए जा रहे थे तो एक जनजाति के लोगों ने जुलूस पर तलवारों और लाठियों से हमला कर दिया और पेट्रोल बम फेंके। उन्होंने आपत्ति जताई कि नागमंगला की यह त्रासदी पुलिस के सामने हुई। घटना के अगले दिन, मैंने, हमारे विपक्षी नेताओं और पार्टी नेताओं ने नागमंगला का दौरा किया। हमने सभी से व्यक्तिगत तौर पर बात की। बाद में भाजपा ने एक तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया। जिसका नेतृत्व भाजपा नेता अश्वथ नारायण ने किया। सभी से मिलकर सच्चाई समझी और हादसे की जानकारी ली। वे इसके पीछे सुनियोजित साजिश को जानते हैं। उन्होंने कहा कि अब उन्होंने मुझे रिपोर्ट सौंप दी है।

नागमंगला हिंसा के मामले में डिप्टी एसपी निलंबित

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। मांड्या जिले के नागमंगला शहर के पुलिस उपाधीक्षक को भगवान गणेश प्रतिमा जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच हुई झड़प के मामले में लापरवाही और कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। 11 सितंबर को हुई झड़पों के मामले में किसी पुलिस अधिकारी को निलंबित करने का यह दूसरा मामला है, जिसके बाद भीड़ ने कई दुकानों और वाहनों को निशाना बनाया और यहां तनाव पैदा हो गया। शहर में स्थिति सामान्य हो गई है और अधिकांश दुकानें खुल गई हैं। हालांकि, पुलिस के अनुसार एहतियात के तौर पर यहां पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। मांड्या के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बलदंडी ने बताया कि नागमंगला के डीएसपी सुमित ए.आर. को लापरवाही और कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में गुरुवार को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा जब घटना हुई, तब वह (सुमीत) न तो मौके पर मौजूद थे और न ही पुलिस मुख्यालय में थे। घटना की संवेदनशील प्रकृति के बावजूद वह घटनास्थल पर देरी से पहुंचे। इससे पहले, हिंसा के सिलसिले में नागमंगला टाउन पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। घटना के सिलसिले में कुल 55 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, 11 सितंबर को बदरीकोप्पलु गांव से भक्तों द्वारा गणेश प्रतिमा जुलूस के एक पूजा स्थल पर पहुंचने पर दो समूहों के बीच बहस शुरू हो गई और कुछ बदमाशों ने पत्थर फेंके, जिससे स्थिति बिगड़ गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया था।

पत्रकार सहकारी समिति के सदस्यों ने की सीएम से मुलाकात

सीएम ने मदद का दिया आश्वासन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पत्रकार सहकारी समिति को वित्तीय सहायता देने का वादा किया। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार केवी प्रभाकर, गिरीशकोटे के सहयोग से पत्रकार सहकारी संघ के अध्यक्ष रमेश पाल्या के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की। सदस्यों ने कहा 1949 में शुरू हुई पत्रकार सहकारी समिति राज्य में पत्रकारों की एकमात्र वित्तीय प्रतिनिधि संस्था है।

इस संगठन में राज्य और राष्ट्रीय स्तर के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार सदस्य हैं। हमारा संगठन ऑडिट वर्गीकरण में ए रेटेड संगठन है। इसने सर्वश्रेष्ठ सहकारी समिति का पुरस्कार भी जीता है। हमारी पत्रकारों की सहकारी समिति सात दशकों से सेवा कर रही है। पत्रकार संघों के सदस्यों की ओर से स्वास्थ्य देखभाल की मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। अतः पत्रकारों के स्वास्थ्य हेतु आर्थिक सहायता की आवश्यकता है। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से चिकित्सा सहायता के लिए राज्य सरकार की ओर से 5 करोड़ रुपए का अनुदान देने की भी अपील की। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एसोसिएशन के विकास के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। कॉर्पोरेट भर्ती में संगठन पर विचार करें। मीडिया से संबंधित कॉर्पोरेट बोर्डों या अकादमियों के लिए भर्ती करते समय, पत्रकार सहकारी समिति पर भी विचार किया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने सीएम सिद्धरामैया से अनुरोध किया कि सरकार को सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों को निदेशक और अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने के लिए उचित कदम उठाना चाहिए। इसी बीच कर्नाटक पत्रकार सहकारी संघ की वार्षिक आम बैठक एवं प्रतिभा पुरस्कार कार्यक्रम रविवार को प्रेस क्लब परिसर में होगा। परिवहन मंत्री रामलिंगारेड्डी, विधायक रिजवान हर्षद और मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार केवी प्रभाकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति एसोसिएशन के सदस्यों के उन बच्चों को सम्मानित करेंगे जो एसएसएलसी, पीयूसी, ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री में सर्वश्रेष्ठ रैंक के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। प्रतिभावान बच्चों को 2500 रुपये नकद, प्रमाणपत्र, बैग, मोमेंटो समेत अन्य सामान देकर सम्मानित किया जायेगा। यह पहली बार है कि एसोसिएशन के किसी सदस्य के बेटे ने भी यूपीएससी परीक्षा पास की है। इसी तरह, सीए परीक्षा और डेंटल परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले प्रतिभाशाली लोगों को शॉर्टलिस्ट किया जा रहा है।

पाकिस्तान से जुड़ी विवादित टिप्पणी करने का मामला

कर्नाटक हाईकोर्ट के जज को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के एक जज को फटकार लगाई है और साथ ही कर्नाटक उच्च न्यायालय से जज की विवादित टिप्पणी पर रिपोर्ट मांगी है। दरअसल कर्नाटक उच्च न्यायालय के जज वेदव्यसचार श्रीशनंदा ने एक मामले पर सुनवाई करते हुए बेंगलूरु के समुदाय विशेष बहुल इलाके को पाकिस्तान बता दिया था। साथ ही सुनवाई के दौरान जज ने महिला वकील पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की पीठ ने संवैधानिक अदालतों के जजों की टिप्पणी के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने की जरूरत बताई।

पीठ में मुख्य न्यायाधीश के अलावा जस्टिस एस खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एच रॉय भी शामिल हैं। पीठ ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि जब अदालती कार्यवाही को मॉनिटर करने में सोशल मीडिया की भूमिका काफी अहम हो गई है तो ऐसे में जरूरत है कि न्यायिक टिप्पणियां अपेक्षित शिष्टाचार के अनुरूप हों। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति द्वारा की गई टिप्पणियों पर मीडिया रिपोर्ट्स ने ध्यान आकर्षित किया है। हम कर्नाटक उच्च न्यायालय से अनुरोध करते हैं कि वह उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से निर्देश प्राप्त करने के बाद एक रिपोर्ट पेश करें। सुप्रीम कोर्ट अब बुधवार को इस मामले पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कर्नाटक हाई कोर्ट के जज द्वारा अदालती कार्यवाही के दौरान एक महिला वकील के खिलाफ कथित तौर पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों पर भी स्वतः संज्ञान लिया। दरअसल अदालती कार्यवाही का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जिसमें जज, महिला वकील को फटकार लगाते दिख रहे हैं और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस दौरान उन्होंने महिला वकील के खिलाफ कथित तौर पर कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां भी कीं। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि जज ने महिला वकील को फटकार लगाते हुए कहा कि 'ऐसा लगता है कि वह विपक्षी पार्टी के बारे में काफी ज्यादा जानती हैं और इतना जानती हैं कि वह शायद उनके अंडरगारमेंट्स के रंग भी बता सकती हैं। वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर मुख्य न्यायाधीश से इस मामले में स्वतः संज्ञान लेने की अपील की थी।

तिरुमाला प्रसादम विवाद

ईश्वरप्पा ने जगन रेड्डी की गिरफ्तारी और सीबीआई जांच की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा ने तिरुमाला मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी के कथित इस्तेमाल को लेकर आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू से इस मामले की सीबीआई जांच का आदेश देने का भी आग्रह किया।

शिवमोग्गा में शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, ईश्वरप्पा ने कहा कि वह गुजरात स्थित प्रयोगशाला के निष्कर्षों को जानकर हैरान हैं, जिसमें पशु चर्बी की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा इस घटनाक्रम ने हिंदुओं के एक बड़े वर्ग को सदमे में डाल दिया है, जो नियमित रूप से मंदिर जाते हैं। लैब की रिपोर्ट ने पशु चर्बी की मौजूदगी की पुष्टि की है। इसकी आगे जांच करने की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि, इसके लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए सीबीआई जांच का आदेश दिया जाना चाहिए। इस साल की शुरुआत में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा छोड़ने वाले पूर्व मंत्री ने प्रसाद में कथित मिलावट को अप्रत्यक्ष रूप से जहर खिलाने जैसा बताया।

उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार को पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी और तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष वाई.वी. सुब्बा रेड्डी को गिरफ्तार करना चाहिए और सीबीआई जांच का आदेश देना चाहिए।

आरोपियों का केस वापस लेना पुलिस की पूर्ण विफलता

राजनीतिक हस्तक्षेप, विभाजनकारी राजनीति और तुष्टिकरण के कारण हुए दंगे: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने शुक्रवार को कहा कि नागमंगला में अद्भुत सौहार्द था। लेकिन समय-समय पर राजनीतिक हस्तक्षेप, विभाजनकारी राजनीति और तुष्टिकरण के कारण दंगे होने लगे। वह मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने भाजपा तथ्यान्वेषी समिति का नेतृत्व किया और अपनी समिति की रिपोर्ट भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र को सौंपी। तथ्यान्वेषी समिति में पूर्व मंत्री के.सी. नारायण गौड़ा, राज्य सचिव लक्ष्मी अश्विन गौड़ा, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी और पार्टी नेता भास्कर राव शामिल थे। उन्होंने कहा कि वोट बैंक के लिए आरोपियों के मुकदमे वापस लिए गए, जो पुलिस की पूरी विफलता को दर्शाती है। पुलिस को कोई कार्रवाई करने की इजाजत नहीं थी। किसी के खिलाफ केस नहीं बनाने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस की हालत यह थी कि किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती थी। मुख्य सड़क पर 25 से 30 लोग मार्च कर रहे थे। फिर दंगा हो जाता है। पिछले साल भी दंगा हुआ था। इसकी जानकारी होने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गयी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विफलता और तुष्टिकरण स्पष्ट है। कोई एहतियाती कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर आरोपी मास्क पहने हुए हों और पेट्रोल बम तैयार हों तो पता चल जाएगा कि यह सोची-समझी हरकत थी। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि उन्होंने विशिष्ट दुकानों को निशाना बनाया और उनमें आग लगा दी। नागमंगला भगोड़ों, असामाजिक ताकतों, देशद्रोहियों, पीएफआई गतिविधियों का घर बन गया है। उन्होंने शिकायत की कि यहां नशीली दवाओं का भंडारण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा गृह मंत्री ने इसमें केरल के लोगों के शामिल होने की बात भी कही। बांग्ला मूल निवासियों की मौजूदगी की जानकारी उन्होंने खुद दी थी। हमारे शासनकाल में कहीं भी गणेशोत्सव के दौरान दंगे नहीं हुए। आज राज्य के 8-10 हिस्सों में दंगे हो रहे हैं। बिना वजह उकसावे की कार्रवाई की गई। वे राज्यपाल के कार्यालय पर धावा बोलने की धमकी दे रहे हैं। प्रदेश में नफरत की राजनीति हो रही है। तमाम तरह की अनैतिक गतिविधियां और कानून का दुरुपयोग आज भी उनके सामने है। पुलिस विभाग के 8 जवानों पर हमला किया गया।

अपने बेटे प्रज्वल रेवन्ना का करेंगे बचाव: एचडी रेवन्ना

धैर्य रखें और तीन साल और इंतजार करें

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। जनता दल (सेक्युलर) के विधायक एच.डी. रेवन्ना ने शुक्रवार को अपने बेटे प्रज्वल रेवन्ना का बचाव किया। प्रज्वल सेक्स वीडियो कांड का मुख्य आरोपी है। उन्होंने कहा कि वे अपने परिवार को हुए नुकसान का बदला लेंगे। हासन जिले के अलुरु में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए रेवन्ना ने कहा मैं, केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा केवल लोगों के आशीर्वाद से ही खुशहाल हैं। बेचारा युवक प्रज्वल कुछ नहीं जानता। वह अच्छा लड़का है। उन्होंने कहा लोगों ने हमारा पैसा लेकर कहीं और निवेश कर दिया। आखिर वे कहां जाएंगे। मैं उन्हें पकड़ लूंगा। धैर्य रखें और तीन साल और इंतजार करें। अगर मैंने उन्हें शाही तरीके से कुछ नहीं लौटाया, तो मैं पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा का बेटा नहीं हूं। रेवन्ना ने कहा कि हासन के लोगों ने

जेडीएस के दिवंगत विधायक एच.एस. प्रकाश की हासन विधानसभा सीट पर चार बार जीत सुनिश्चित की थी। उन्होंने एक भाजपा नेता पर निशाना साधते हुए कहा मैंने उन्हें 2013 में टिकट दिलाया था। लोगों का कहना है कि 2013 में अल्पसंख्यक वोटों के कारण वह चुनाव हार गए थे। हालांकि, 2023 के विधानसभा चुनाव में लोगों ने मुझे चुनौती दी कि वे 50,000 वोटों के अंतर से विजयी होंगे। बाद में दिवंगत पूर्व विधायक प्रकाश के बेटे स्वरूप प्रकाश को उम्मीदवार चुना गया। फिर उन्होंने चुनौती दी कि मुझे हासन से चुनाव लड़ना चाहिए। पूर्व भाजपा विधायक प्रीतम गौड़ा ने 2013 में हासन सीट से चार बार के जेडीएस विधायक प्रकाश को हराया था। उन्होंने दावा किया कि चूंकि हम हासन विधानसभा सीट पर व्यस्त हो गए, इसलिए सकलेशपुर विधानसभा सीट पर पार्टी उम्मीदवार हार गया। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को 30 मई की सुबह बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय गिरफ्तार कर लिया गया, जब वे जर्मनी से लौट रहे थे।

उनके दादा एच.डी. देवेगौड़ा और चाचा एच.डी. कुमारस्वामी, जो केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री भी हैं, ने सार्वजनिक रूप से अपील की थी कि उन्हें वापस लौटना चाहिए और अधिकारियों का सामना करना चाहिए। उनके पिता, जेडी(एस) विधायक रेवन्ना और मां भवानी रेवन्ना को जेल में डाल दिया गया था और वे वर्तमान में सेक्स वीडियो घोटाले से जुड़े अपहरण और बलात्कार मामले में जमानत पर बाहर हैं। उनके छोटे भाई, जेडी(एस) एमएलसी सूरज रेवन्ना, जिन्हें कथित तौर पर पुरुष पार्टी कार्यकर्ताओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में जेल भेजा गया था, भी जमानत पर बाहर हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *हम्पी नगर में क्षेत्र के निवासियों द्वारा आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं विशिष्ट अतिथि जीडीएस नेता बिरादर ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

मुनिरत्ना के खिलाफ मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग

सीएम से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ओक्कालिगा समुदाय के मंत्रियों और विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और भाजपा विधायक मुनिरत्ना के नए और पुराने मामलों की व्यापक जांच के लिए एक एसआईटी बनाने का अनुरोध किया। समुदाय के वरिष्ठ नेताओं और जन प्रतिनिधियों ने एक बैठक की और नवीनतम राजनीतिक और सामाजिक घटनाक्रम पर चर्चा की। बाद में मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा के नेतृत्व में एम.सी. सुधाकर, विधायक सरथ बच्चेगौड़ा, डॉ. रंगनाथ, मंथर गौड़ा, विधान परिषद सदस्य पुट्टन्ना, नेता मारी टिब्बेगौड़ा और अन्य ने शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री से मुलाकात की। सुबह पत्रकारों से बात करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि बैठक में ताजा घटनाक्रम पर चर्चा हुई। फिलहाल हमें विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए। हम इस सोच के साथ काम कर रहे थे कि घोटालों की जांच ही अगली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमने स्थिति बदल दी है कि आगे की जांच पहली प्राथमिकता है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार बैठक में शामिल नहीं हो सके क्योंकि वह दिल्ली में थे। इसके अलावा बैठक में मंत्री-विधायकों समेत 40 से ज्यादा लोग शामिल हुए। बैठक में भाजपा-जेडीएस पार्टियों की ओर से किए जा रहे बेवजह के मुद्दों का भी जिक्र हुआ।

ओक्कालिगा समुदाय के नेताओं को पार्टी और सरकार के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए। सामुदायिक संगठन, विकास और अगले स्थानीय निकायों के चुनाव के मामले में अधिक आक्रामक और सहायक होने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कलानगर में एक एकड़ जमीन को डीनोटिफाई करने का मामला है। कुमारस्वामी ने अपने समय में डिनोटिफाई नहीं किया था, लेकिन जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने डिनोटिफाई किया था।

येदियुरप्पा और कुमारस्वामी दोनों के खिलाफ एफआईआर है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से इन सभी मुद्दों को एसआईटी जांच के तहत रखने का अनुरोध किया गया है। ओक्कालिगा समुदाय की लड़कियों और अनुसूचित जाति के बारे में भाजपा विधायक मुनिरत्ना के शब्द काफी आहत करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मुनिरत्ना के खिलाफ पहले के मामलों के साथ-साथ अन्य पुराने मामलों को भी शामिल करते हुए व्यापक जांच के लिए एसआईटी बनाने की मांग की गई है। इस मुद्दे को ध्यान में रखते हुए राज्यव्यापी संघर्ष करने पर चर्चा हुई है। उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार के बेंगलूरु आने के बाद आदिचुंचनगिरि स्वामीजी से चर्चा की जाएगी और संघर्ष पर निर्णय लिया जाएगा।

बस्तर के नक्सल पीड़ितों ने शाह से की आर्थिक मदद और समर्थन की मांग

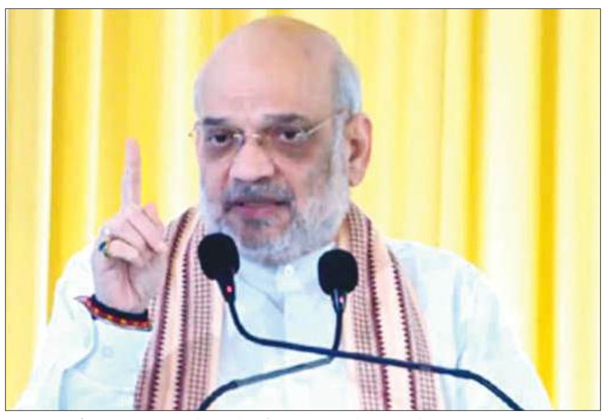

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बस्तर जिले के नक्सली हमलों और धमाकों में अपंग हुए लोगों ने यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान सरकार से अधिक मदद तथा समर्थन की मांग की है।

पीड़ितों ने श्री शाह से शुक्रवार को यहां मुलाकात के दौरान उन्हें बताया कि उनका गांव विकास की कमी और आधारभूत सुविधाओं की अनुपलब्धता से भी लंबे समय तक जूझा है। श्री शाह ने नक्सल पीड़ितों के संघर्ष और साहस की प्रशंसा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार उनकी समस्याओं को हल करने के लिये प्रतिबद्ध है। सरकार नक्सलवाद को समाप्त करने के लिये ठोस कदम उठायेगी।

पीड़ितों ने छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों की सराहना की और कहा कि बस्तर के विकास के लिये कई महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। हाल ही में शुरू की गयी नियद नेल्ला नार योजना ने इस क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास को एक नयी दिशा दी है। इस योजना के माध्यम से बस्तर के दूरदराज के इलाकों में सड़क, पानी, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी मूलभूत सुविधायें पहुंचाने का काम हो रहा है, जिससे लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है। पीड़ितों ने माओवादियों का शिकार हुए पीड़ितों के अतीत को साझा किया, 17 मई 2010 को माओवादियों ने एक यात्री बस पर हमला किया, जिसमें 15 निर्दोष ग्रामीण मारे गये और 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सुकमा जिले के निवासी दुधी महादेव इस हमले में अपने दाहिने पैर से हाथ धो बैठे। अन्य घायलों में ममता गोरला भी शामिल थीं, उनके शरीर पर गहरे घाव आये थे।

नक्सली हिंसा के शिकार में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के अवलम मारा ने 22 फरवरी 2017 को माओवादी प्रेशर बम के विस्फोट में अपना बायां पैर तब गंवा दिया, जब अवलम जंगल में बांस काटने के लिये गया था।

उन्होंने बताया कि जैसे ही उन्होंने जमीन में छिपे बम पर पैर रखा, तेज धमाका हुआ और उनका पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इस हादसे ने उन्हें जीवनभर के लिये बैसाखी के सहारे जीने को मजबूर कर दिया। वह अपने परिवार के लिये आजीविका का मुख्य स्रोत था। ऐसी ही एक अन्य घटना में 18 दिसंबर 2013 को, नारायणपुर जिले की राधा सलाम अपने चचेरे भाई के साथ खेलते हुये एक चमकदार वस्तु उठाने गयी थी, जो दरअसल माओवादियों द्वारा लगाये गये बम का हिस्सा था। बम को उठाते ही धमाका हुआ, जिससे राधा ने अपनी एक आंख खो दी और उसके चेहरे पर गंभीर घाव हो गये। यह हादसा राधा और उसके परिवार के लिये बेहद कठिनाई पूर्ण साबित हुआ, क्योंकि उसकी मां का पहले ही निधन हो चुका था और अब उसके पिता को उसकी देखभाल करनी पड़ रही है। राधा की स्थिति देखकर स्थानीय प्रशासन ने उसे आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया है। इसके अलावा पशुपालन से अपने परिवार का पालन-पोषण करने वाली दंतेवाड़ा की भीमे मरकाम नौ नवंबर 2016 को माओवादी अत्याधुनिक उपकरण के धमाके की शिकार हो गयीं। इस हादसे में उन्होंने अपना बायां पैर खो दिया और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आयीं। स्थानीय प्रशासन ने उन्हें भी सहायता का भरोसा दिया है।

खाद्य सुरक्षा प्रणालियों में निरंतर सुधार की आवश्यकता: नड्डा

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि खाद्य जनित बीमारियों, पौष्टिक औषधीय सुरक्षा, नवीन खाद्य पदार्थों और माइक्रो प्लास्टिक जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए खाद्य नियामकों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

श्री नड्डा ने शुक्रवार को यहां वैश्विक खाद्य नियामक सम्मेलन 2024 के दूसरे संस्करण का उद्घाटन करते हुए कहा कि खाद्य सुरक्षा के लिए निरंतर सहयोग, अथक नवाचार और खाद्य सुरक्षा प्रणालियों में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। इस अवसर पर केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी भी उपस्थित रहे। श्री नड्डा ने प्राचीन भारतीय धर्मग्रंथ की एक पंक्ति का उद्धरण देते हुए कहा, जब भोजन शुद्ध होता है, तो इससे मस्तिष्क शुद्ध होता है। जब मस्तिष्क शुद्ध होता है, तो स्मृति स्थिर होती है। जब स्मृति स्थिर होती है, तो हृदय की सभी गांठें (अज्ञान, संदेह, आसक्ति) खुल जाती हैं और व्यक्ति मुक्ति प्राप्त करता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खाद्य सुरक्षा मानकों को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप बनाने की दिशा में काम जारी है। उन्होंने कहा कि इसमें राष्ट्रीय कार्य योजना विकसित करना और कीटनाशकों के लिए अधिकतम अवशेष सीमा को कोडेक्स मानकों के अनुरूप रखना शामिल करना है। उन्होंने कहा कि भूटान, नेपाल और श्रीलंका जैसे देशों में नियामक क्षमता को मजबूत करने में भारत शामिल है। उन्होंने प्लास्टिक कचरे के बढ़ते खतरे को रोकने के लिए वैकल्पिक उपायों में भारत के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए कदम उठा रहा है तथा जैविक खेती और जैविक कीट नियंत्रण उपायों को अपना रहा है।

तीनों सेनाओं के जल तैराकी अभियान के सदस्यों से मिले राजनाथ

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं के नाम पर अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के 21 द्वीपों के लिए अपनी तरह के पहले खुले जल तैराकी अभियान का शुक्रवार को यहां स्वागत किया।

रक्षा मंत्रालय ने वक्तव्य जारी कर बताया कि नाम बदलने की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए त्रि-सेवा अंडमान और निकोबार कमान ने अभियान परमवीर शुरू किया, जिसमें सेना, नौसेना, वायु सेना और तटरक्षक बल के कर्मियों की एक टीम ने सभी 21 स्थानों पर तैराकी की। इस अवसर पर 21 वीरता पुरस्कार विजेताओं की वीरता और बलिदान को श्रद्धांजलि के रूप में द्वीपों और प्रत्येक द्वीप पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

वक्तव्य में कहा गया है कि 11 सदस्यीय अभियान दल का नेतृत्व ओपन वॉटर तैराक और तेनजिंग नॉर्वे नेशनल एडवेंचर पुरस्कार प्राप्त विंग कमांडर परमवीर सिंह ने किया।

श्री सिंह ने टीम के साहस और क्षमता की सराहना की, जिसने समुद्र में कई चुनौतियों को पार करते हुए अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया और परमवीरों की वीरता और बलिदान की कहानियों को लोगों तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि यह अभियान यह सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार के प्रयासों के अनुरूप था कि राष्ट्र की सेवा में अपना बलिदान देने वाले हमारे सैनिकों के वीरतापूर्ण कार्यों के बारे में लोगों, विशेषकर युवाओं को पता चले और युवा इन बहादुरों से प्रेरणा लें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सशस्त्र बल के जवान देश को गौरव दिलाते रहेंगे और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान टीम द्वारा रक्षा मंत्री को अभियान ध्वज सौंपा गया।

इस अवसर पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, अंडमान और निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ एयर मार्शल साजू बालाकृष्णन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अभियान को औपचारिक रूप से गत 22 मार्च को विश्व जल दिवस के अवसर पर इस कमान द्वारा श्री विजयपुरम से नेताजी सुभाष चंद्र द्वीप में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था।

टीम ने पांच महीने की अवधि में सभी 21 द्वीपों, 300 किलोमीटर से अधिक की यात्रा की। यह अभियान 15 अगस्त को 78वें स्वतंत्रता दिवस पर समाप्त हुआ था।

प. बंगाल की अदालतों पर शत्रुतापूर्ण माहौल संबंधी टिप्पणी को शीर्ष कोर्ट ने बताया अपमानजनक

नाराज सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से पश्चिम बंगाल की सभी अदालतों में शत्रुतापूर्ण माहौल वाली टिप्पणी को अपमानजनक और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए शुक्रवार को उसे फटकार लगाई। इसके बाद सीबीआई ने अपनी याचिका वापस ले ली।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने राज्य में 2021 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद भड़की हिंसा से संबंधित मुकदमे स्थानांतरण करने की याचिका में दी गई दलीलों पर नाराजगी जतायी और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू से पूछा कि सीबीआई यह कैसे कह सकती है कि पश्चिम बंगाल की अदालतों में शत्रुतापूर्ण माहौल है। पीठ ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्रीय एजेंसी ने न्यायपालिका के खिलाफ ऐसी टिप्पणियां कीं। पीठ ने आगे कहा, इस याचिका में किस तरह के आधार लिए गए हैं कि पश्चिम बंगाल की सभी अदालतों में शत्रुतापूर्ण माहौल है। यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अदालतें अवैध रूप से जमानत दे रही हैं। इससे यह आक्षेप लग रहा है कि पूरी न्यायपालिका शत्रुतापूर्ण माहौल में है।

पीठ ने महसूस किया कि अगर अदालत उन मामलों को स्थानांतरित करती है तो इसका मतलब यह प्रमाणित करना होगा कि राज्य की सभी अदालतों में शत्रुतापूर्ण माहौल है और वहां की अदालतें काम नहीं कर रही हैं। पीठ ने सीबीआई का पक्ष रख रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर राजू से कहा, आपके (सीबीआई के) अधिकारी न्यायिक अधिकारी या किसी विशेष राज्य को पसंद नहीं कर सकते हैं, लेकिन यह मत कहिए कि पूरी न्यायपालिका काम नहीं कर रही है। जिला न्यायाधीश, सिविल न्यायाधीश और सत्र न्यायाधीश यहां आकर अपना बचाव नहीं कर सकते। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने विधि अधिकारी को नई याचिका दायर करने की छूट के साथ याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी।

शीर्ष अदालत की एक अलग पीठ ने इस साल फरवरी में सीबीआई की याचिका पर पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया था, जिसमें 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद हुई हिंसा के संबंध में दर्ज कई मामलों को राज्य से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत के समक्ष गुहार लगाते हुए कथित तौर पर न केवल गवाहों, बल्कि वकीलों को भी खुली धमकी और डराने-धमकाने की बात कही गई थी। शीर्ष अदालत ने सीबीआई द्वारा संदर्भित मामलों में कार्यवाही पर रोक लगाने का भी आदेश दिया था। अदालत ने स्थानीय समाचार पत्रों में नोटिस प्रकाशित करने के लिए सीबीआई की ओर से श्री राजू द्वारा किए गए अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। श्री राजू ने तब सीबीआई की ओर से दलील दी थी कि अधिकारियों, शिकायतकर्ताओं, अधिवक्ताओं और गवाहों को खुलेआम धमकाया और डराया जा रहा है, जिससे न्याय के मार्ग में बाधा उत्पन्न हो रही है। उन्होंने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा तैयार की गई 12 जुलाई, 2021 की जांच समिति की रिपोर्ट की सिफारिश का भी हवाला दिया था, जिसमें स्पष्ट रूप से सीबीआई द्वारा की जा रही जांच के सभी मामलों की सुनवाई पश्चिम बंगाल राज्य के बाहर कराने की सिफारिश की गई थी।

डिजिटल भुगतान के वैश्विक नेतृत्वकर्ता के तौर पर उभर रहा है भारत

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारत तेजी से डिजिटल भुगतान में एक वैश्विक नेततवकर्ता के रूप में उभर रहा है और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के वैश्विक विस्तार और डिजिटल लेनदेन में निरंतर वृद्धि के साथ, भारत वित्तीय समावेशन और आम नागरिक के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए नए मानक स्थापित कर रहा है।

वित्त मंत्रालय ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि भारत की डिजिटल भुगतान क्रांति अपनी सीमाओं से आगे बढ़ रही है। यूपीआई और रुपे दोनों ही वैश्विक स्तर पर तेज़ी से विस्तार कर रहे हैं, जिससे विदेश में रहने वाले और यात्रा करने वाले भारतीयों के लिए निर्बाध सीमा-पार लेन-देन संभव हो रहा है। वर्तमान में यूपीआई 7 देशों में उपलब्ध है, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, मॉरीशस जैसे प्रमुख बाजार शामिल हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ता और व्यवसाय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भुगतान कर सकते हैं और प्राप्त कर सकते हैं। यह विस्तार धन प्रेषण प्रवाह को और बढ़ाएगा, वित्तीय समावेशन में सुधार करेगा और वैश्विक वित्तीय परिदृश्य में भारत का कद बढ़ाएगा। एसीआई वर्ल्डवाइड रिपोर्ट 2024 के अनुसार, 2023 में वैश्विक रीयल-टाइम भुगतान लेनदेन का लगभग 49 प्रतिशत भारत में हो रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि उसका वित्तीय सेवा विभाग सुरक्षित, मापनीय और समावेशी डिजिटल भुगतान समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है साथ ही वैश्विक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए नए रास्ते तलाश रहा है।

डीएफएस ने भारत और विदेशों में डिजिटल भुगतान के विस्तार को बढ़ावा दिया। उसने कहा कि यूपीआई जैसी तेज़ भुगतान प्रणाली को अपनाने में तेज़ी लाने के प्रयासों ने वित्तीय लेन-देन के तरीके में क्रांति ला दी है, जिससे लाखों लोगों के लिए रीयल-टाइम, सुरक्षित और निर्बाध भुगतान संभव हो गया है। यह पहल सरकार के कैशलेस और समावेशी अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो प्रत्येक नागरिक को उनके वित्तीय निर्णय में सशक्त बनाती है।

भारत में डिजिटल भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिसमें डिजिटल भुगतान लेनदेन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2017-18 में 2,071 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 44 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 18,737 करोड़ हो गई है। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अंतिम 5 महीनों (अप्रैल-अगस्त) के दौरान, लेनदेन की मात्रा 8,659 करोड़ तक पहुँच गई है। लेनदेन का मूल्य 11 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 1,962 लाख करोड़ से बढ़कर 3,659 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पिछले 5 महीनों (अप्रैल-अगस्त) में कुल लेनदेन मूल्य बढ़कर 1,669 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

जम्मू-कश्मीर: हुर्रियत अध्यक्ष मीरवाइज फिर से घर में नजरबंद

श्रीनगर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। हुर्रियत कांफ्रेंस के अध्यक्ष एवं कश्मीर के मुख्य मौलवी मीरवाइज उमर फारूक ने शुक्रवार दावा किया कि उन्हें लगातार तीसरे शुक्रवार को नजरबंद किया गया है। मीरवाइज ने कहा कि यह अजीब है कि सरकार के मुखिया ने मीडिया में दावा किया कि वह एक स्वतंत्र व्यक्ति हैं, लेकिन उन्हें हिरासत में रखा गया है।

उन्होंने कहा, आजादी और स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकार के उल्लंघन के लिए कोई वजह नहीं बतायी गयी है। इसके बजाय इसे निजी तौर पर लागू किया जाता है और सार्वजनिक रूप से अस्वीकार किया जाता है। किसी भी आगंतुक, विशेष रूप से मीडिया को उनसे मिलने की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और शांति के दावे दिन-रात प्रसारित किए जाते हैं, लेकिन आश्चर्य होता है कि उन्हें घर पर ही नजरबंद क्यों रखा गया है और उन्हें घूमने-फिरने की अनुमति नहीं है। मुख्य मौलवी ने कहा, बार-बार हिरासत में लिए जाने से मीरवाइज के रूप में उनके दायित्वों और उनकी सामाजिक शैक्षणिक पहलों पर बुरा असर पड़ रहा है।

एक सार्वजनिक व्यक्ति होने के नाते यह उन्हें लोगों के साथ सामाजिक रूप से जुड़ने और उनके जीवन में दुख और खुशी में भाग लेने से भी रोकता है। उन्होंने कहा कि वह घर की नजरबंदी से स्थायी रिहाई की मांग करने वाले अपने चल रहे मुकदमे के संबंध में उच्च न्यायालय के समक्ष जवाबी कार्रवाई दायर करेंगे। हुर्रियत अध्यक्ष ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में सफल होने वाले कश्मीर के पहले मुस्लिम मोहम्मद शफी पंडित की मृत्यु पर भी शोक व्यक्त किया।

छल-कपट की राजनीति है कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा: शर्मा

भोपाल, 20 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता चौबीसों घंटे झूठ बोलते हैं। छल-कपट की राजनीति करते हैं। कांग्रेस किसानों के साथ वादा-खिलाफी करती रही है और उसकी किसान न्याय यात्रा भी झूठ, छल-कपट की राजनीति ही है।

श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को तो किसान न्याय यात्रा की बजाय किसानों से क्षमा याचना के लिए क्षमा यात्रा निकालना चाहिए। कांग्रेस के लोग लगातार झूठ बोलते हैं।

मध्यप्रदेश का अन्नदाता भली भांति जानता है कि कांग्रेस की श्री कमलनाथ के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में जो सरकार बनी थी, वह भी झूठ बोलकर ही आई थी। बाद में 15 महीने कांग्रेस की यह सरकार रही, लेकिन उस सरकार ने किसानों के साथ वादा-खिलाफी की और किसी किसान का कर्ज माफ नहीं किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह वही कांग्रेस पार्टी है, जिसकी दिग्विजयसिंह सरकार ने मुलताई में धरना-प्रदर्शन कर रहे किसानों पर गोलियां चलवा दी थी। यह वहीं कांग्रेस है, जिसने कई सालों तक न्यूनतम समर्थन मूल्य के बारे में स्वामीनाथन कमेटी की अनुशंसाओं को लागू नहीं किया। किसान विरोधी कांग्रेस पार्टी ने दशकों के अपने शासन में देश के अन्नदाताओं को मजबूर बनाए रखा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की इस यात्रा को न तो किसानों का समर्थन मिल रहा है और न ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं का। इसलिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ट्रैक्टर रोकने जैसे बहाने बनाकर अपनी असफलता को छिपा रहे हैं।

श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस किसानों के नाम पर सिर्फ नौटंकी करती है, उनकी चिंता सिर्फ भाजपा की सरकार ही करती है। प्रदेश के किसान जानते हैं कि जब कांग्रेस की वादा-खिलाफी ने उन्हें कर्ज के बोझ से डिफाल्टर बना दिया था, तो उन्हें कर्ज से राहत देने का काम तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने किया था। यही, नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा किसानों को जो सम्मान निधि दी जा रही है, उसके साथ ही मध्यप्रदेश सरकार भी अपनी तरफ से भी किसानों को सम्मान निधि दे रही है। भाजपा की डबल इंजन सरकार द्वारा किसानों के हित में जो योजनाएं लाई गई हैं, जो कदम उठाए हैं, उनके परिणामस्वरूप देश-प्रदेश के किसानों के जीवन में बदलाव आ रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने किसानों के हित में मध्यप्रदेश में पहली बार समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की खरीदी का निर्णय लिया है। सोयाबीन खरीदी का यह काम 25 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक किया जाएगा। इसके लिए ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर 25 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक किसानों का पंजीयन किया जाएगा। वहीं, समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन 19 सितम्बर से प्रारंभ हो चुका है।

कट्टरपंथियों ने तिरंगे के बीच से चक्र हटाकर लिख दिया कलमा

राष्ट्रद्रोही मोहम्मद फजील और उसका पिता मोहम्मद कदीर गिरफ्तार

बरेली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में कट्टरपंथी मोहम्मद फजील और उसके पिता मोहम्मद कदीर ने तिरंगे अपमान किया। तिरंगे के बीच से चक्र हटाकर उसकी जगह कलमा लिखा कपड़ा सिलकर फहरा दिया। हिंदू संगठनों की शिकायत पर पुलिस ने झंडा उतरवाया। मामले में फजील-कदीर के खिलाफ केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, बरेली के कस्बा बहेड़ी में तिरंगे के अपमान का मामला सामने आया है। एएनएम बारात घर के सामने मोहम्मद फजील और उसका पिता कदीर ने तिरंगे के साथ जानबूझकर छेड़छाड़ की। तिरंगे के बीच से चक्र गायब कर दिया था और उसकी जगह कलमा लिखकर झंडा अपने मकान की छत पर फहरा दिया। तिरंगे का अपमान देखकर बहेड़ी में हिंदू जागरण मंच कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त हो गया। पूरे मामले से संगठन को अवगत कराया गया। जिसके बाद हिंजाम नेता हिमांशु पटेल ने शासन-प्रशासन को प्रकरण की सूचना देकर कार्रवाई की मांग की।

मामला संज्ञान में आते ही थाना बहेड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और मुस्लिम व्यक्ति के यहां अपमानजनक तरीके से लगाया गया ध्वज उतरवाकर कब्जे में ले लिया। इंस्पेक्टर बहेड़ी संजय तोमर ने मीडिया को बताया कि कस्बे में तिरंगे से छेड़छाड़ की सूचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ध्वज उतरवाकर मोहम्मद-फजील और उसके पिता कदीर को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने जानबूझकर तिरंगे से छेड़छाड़ की बात कबूली है। उनके खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

2025 तक यूपी को टीबी मुक्त बनाने की मुहिम

125 टीबी मरीजों को गोद लेगी यूपी सरकार

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सीएम योगी के प्रदेश को साल 2025 तक टीबी मुक्त करने के अभियान से अब सरकारी अधिकारी भी जुड़ने लगे हैं। इसी के तहत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी 125 ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) मरीजों को गोद लेने जा रहे हैं। वह एसजीपीजीआई में शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम में टीबी मरीजों को गोद लेने के साथ सभी मरीजों को नि:क्षय पोटली वितरित करेंगे।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि सामुदायिक सहभागिता, जागरूकता में वृद्धि और टीबी कार्यक्रम को जनांदोलन बनाने की प्राथमिकता के साथ प्रदेश को टीबी मुक्त करने के लिए सूबे की सरकार के प्रयास जारी हैं। सरकार और अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों और प्रयासों के फलस्वरूप, टीबी मुक्त प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अन्य महत्व-पूर्ण योजनाएं जैसे नि:क्षय मित्र के साथ-साथ नि:क्षय पोषण योजना सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं। निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत, टीबी मरीजों को हर माह पोषण सहायता राशि के रूप में 500 रुपए सीधे उनके खाते में भेजे जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश में 39,151 निक्षय मित्रों के माध्यम से लगभग 3,30,985 टीबी रोगियों की मदद की जा रही है।

प्रमुख सचिव ने आमजन से अपील की कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को जनआन्दोलन बनाते हुए सभी को अपने-अपने सम्बद्ध कार्यालयों / संस्थानों के माध्यम से टीबी जैसे गंभीर रोग के बारे में हर स्तर पर जागरूकता फैलाने के संभव प्रयास करने होंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस रोग को हराने के लिए टीबी मरीजों की हर संभव सहायता की जाए। यदि हम सब एक साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करें तो टीबी मुक्त प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

रामपुर में बोले ओमप्रकाश राजभर

आजम खां को असलियत में अखिलेश यादव ने फंसाया

रामपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव को गुलाम नेता चाहिए जो गूंगा-बहरा हो और उनकी बातों में सिर्फ हां में हां मिलाए। उन्होंने कहा कि आजम खां के मामले में समाजवादी पार्टी दोषी है। अखिलेश यादव ने उन्हें किनारे लगाने का काम किया है। राजभर शुक्रवार को रामपुर में विकास कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

प्रदेश सरकार के काबीना मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर आजम खां को लेकर एक बड़ा आरोप लगाया। कहा कि सपा ने आजम खां का इस्तेमाल सिर्फ मुस्लिम वोट पाने के लिए किया। सपा ने आजम खां का इस्तेमाल तो किया और उनकी कौम का वोट भी लिया, लेकिन कभी उन्हें और उनकी कौम को हिस्सेदारी नहीं दी। सपा ने आजम को कभी उपमुख्यमंत्री नहीं बनाया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मुझे आजम से मिलने सीतापुर जेल नहीं जाना दिया। राजभर ने कहा कि हम उन्हें किनारे लगा रहे हैं आप उनको बढ़ाने जा रहे हो, उस समय मैं अखिलेश यादव के साथ था।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जिस मामले में वह जेल में हैं उस मामले में समाजवादी पार्टी ने उन्हें फंसाया है। अगर सपा कानून के दायरे में होकर काम करती को आज वह जेल में नहीं होते।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद

मुस्लिम पक्ष को हिदायत सीधे सुप्रीम कोर्ट न आएं

मथुरा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे मुस्लिम पक्ष के सुप्रीम कोर्ट ने सख्त हिदायत दी है कि वे कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करें और सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुंचने से परहेज करें। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के डिवीजन में सिंगल बेंच के आदेश को चुनौती दी है?

मुस्लिम पक्ष को फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर मुस्लिम पक्ष को हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के आदेश पर कोई दिक्कत थी तो उसने डिवीजन बेंच में चुनौती देने के बजाय सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख क्यों किया? सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम याचिकाकर्ताओं को पहले यही तय करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने इस बात के भी संकेत दिए हैं कि वो याचिकाकर्ताओं के निर्णय के परिणाम आने तक 4 नवंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में मामले पर सुनवाई करेगा।

हालांकि, इस दरम्यान इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान मथुरा के कथित शाही मस्जिद का प्रबंधन करने वाली शाही ईदगाह इंतेजामिया कमेटी ने एक बार फिर से 1991 के पूजा स्थल अधिनियम का रोना रोया है।

उसने सुप्रीम कोर्ट में तर्क दिया कि पूजा स्थल अधिनियम को मस्जिद की कानूनी स्थिति में बदलाव से बचाने की जरूरत है। वर्ष 1991 में कांग्रेस सरकार के दौरान मुस्लिमों के अवैध कब्जों को संरक्षित करने के इरादे से लाया गया ये कानून पूजा स्थलों की धार्मिक स्थिति को उसी तरह बनाए रखता है, जैसा कि वे 15 अगस्त, 1947 को भारत की स्वतंत्रता की तिथि पर थे।

इस्लामिक जुलूस में सिर तन से जुदा के नारे लगे, तोड़े गए हिंदू मंदिर

मुरादाबाद/बरेली/आगरा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। इस्लामिक जुलूसों के दौरान पश्चिमी यूपी के जिलों में दहशत, उपद्रव, अपमान की कड़वी सच्चाई सामने आई है। मुरादाबाद में ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के दौरान माइक पर सिर तन से जुदा करने के नारे लगाए गए। बरेली में हिंदू आस्था स्थल तोड़ दिया गया। कहीं पाकिस्तान का झंडा फहरा गया तो कहीं लौह पुरुष सरदार पटेल की प्रतिमा का अनादर किया गया। जहां-जहां ऐसे मामले सामने आए, वहां हिंदू संगठनों आक्रोश देखा जा रहा है। पुलिस अपनी तरह से सभी जगहों पर कार्रवाई में भी जुट गई है।

मुरादाबाद के बिलारी कस्बे में ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में आतंक फैलाने वाले नारे लगाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से हड़कंप मच गया। वीडियो 17 सेकंड का है, जिसमें कई लोग जुलूस के दौरान माइक पर सर तन से जुदा करने के नारे लगाते देखे जा रहे हैं। वीडियो में एक युवक नारे की पहली लाइन माइक पर बोल रहा है और पांच-छह युवक उसके आगे-आगे सर तन से जुदा करने की बातें दोहरा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिलारी में अंसारियान मोहल्ले के मदरसे के पास से जुलूस निकला गया था। उसमें शामिल युवकों ने आपत्तिजनक नारेबाजी की।

विहिप और बजरंग दल नेताओं ने वीडियो सामने आते ही पुलिस महानिदेशक, यूपी पुलिस के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ जानकारी भेजी। जिसके बाद पुलिस कार्रवाई में जुट गई। बजरंग दल के प्रांत संयोजक गौरव भटनागर ने इस मामले में लिखित शिकायत कर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि सोशल मीडिया में वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें नारे लगाते कुछ युवक दिख रहे हैं। वीडियो बिलारी का बताया जा रहा है। बिलारी एसएचओ को जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। आगरा में शमसाबाद मार्ग पर राजपुर चुंगी स्थित मुस्लिम के मकान पर पाकिस्तान का झंडा फहराए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस से की गई शिकायत में कहा गया कि जूता कारोबारी अदनान के मकान पर पाकिस्तान का झंडा लगा दिया गया। अदनाम इस्लामिक जुलूस में गया था और वहां से आकर झंडा फहरा दिया। हिंदू संगठनों में आक्रोश बढ़ा तो पुलिस के पहुंचने से पहले ही उसने झंडा हटा दिया। हालांकि तब तक उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका था। बजरंग दल कार्यकर्ता बंटी ठाकुर की शिकायत पर पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसीपी सदर सुकन्या शर्मा ने मीडिया को बताया कि बताया कि शिकायत को गंभीरता से लेकर पुलिस जांच में जुट गई है।

ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के दौरान बरेली में स्टेडियम रोड पर मुस्लिम समुदाय के लड़कों ने हिंदू बहुल इलाके में पहुंचकर आस्थास्थल शनिदेव की मठिया में तोड़फोड़ कर दी। हिंदूवादी नेता गौरव ने पुलिस को बताया कि रात में वह सड़क से गुजर रहे थे तो मुस्लिम समुदाय के 20-25 लड़कों को हुड़दंग करते हुए धर्मस्थल को क्षतिग्रस्त करते देखा। पता होते ही भाजपा महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना तमाम कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंच गए और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। चौकी इंचार्ज वैभव गुप्ता ने सीसीटीवी फुटेज के जरिए खुराफातियों पर कार्रवाई की बात कही है। बरेली के नवाबगंज कस्बे में इस्लामिक जुलूस के दौरान लोग लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर जूते-चप्पल पहनकर चढ़ गए। महापुरुष की प्रतिमा के अनादर का पता होते ही हिंदू संगठन मुखर होकर मैदान में आ गए हैं।

हिंदू जागरण मंच के जिला उपाध्यक्ष हरिपाल सिंह ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है।

मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से लोगों में रोष बढ़ रहा है। वहीं, बरेली में थाना आंवला क्षेत्र के गांव मझौआ में ईद मिलादुन्नबी का जुलूस नये रास्ते से निकालने की कोशिश करने वाले 11 लोगों पर खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

सीएम योगी पर की गई अखिलेश की टिप्पणी से मौर्य नाराज

सार्वजनिक तौर पर माफी मांगे अखिलेश: केशव मौर्य

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सपा और भाजपा नेताओं के बयानों में तल्खी बढ़ गई है। इस बयानबाजी में पार्टी के अन्य नेता भी शामिल हो गए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाषा से पहचानिए असली संत महंत, साधु वेष में घूमते जग में धूर्त अनंत।

इस पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया है। उन्होंने अखिलेश यादव से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने को कहा। केशव मौर्य ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव कांग्रेस का मोहरा और राहुल गांधी के दरबारी बनने के बाद भाषा की मर्यादा भूल गए हैं। उनकी बयानबाजी से संपूर्ण संत समाज का ही नहीं बल्कि प्रदेश की 25 करोड़ जनता का भी अपमान हो रहा है। ऐसे बयान के लिए उन्हें सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगनी चाहिए। मौर्य ने कहा, अखिलेश यादव की भाषा ही सपा को समाप्तवादी पार्टी बना देगी।

अखिलेश के इस बयान के बाद भाजपा के अन्य नेता भी सपा अध्यक्ष पर हमलावर हो रहे हैं। भाजपा नेता नीरज सिंह ने अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा कि समाजवाद का चोला ओढ़े, घूम रहे जयचंद। संस्कार बोल रहे हैं, कौन है संत कौन महंत। भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने सपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि जातिवाद की राजनीति लोकतंत्र के मस्तक पर सबसे बड़ा कलंक है!

इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को अयोध्या के मिल्कीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए सपा और अखिलेश यादव पर तीखे हमले किए थे। उन्होंने अखिलेश यादव को गुंडों को शरण देने वाला और भ्रष्टाचार करने वाला करार दिया था। वहीं, अखिलेश यादव ने कहा था कि मेरी और सीएम योगी की तस्वीर एक साथ रखकर देख लो पता चल जाएगा कि माफिया कौन है? कयास लगाए जा रहे हैं कि उपचुनाव की तारीखों का एलान जल्द ही किया जाएगा।

प्रोजेक्ट आम, ऑस्ट्रेलिया, इज़राइल भारत मिलकर करेंगे काम

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से संबद्ध केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान रहमानखेड़ा में आम पर होने वाली संगोष्ठी (नेशनल डायलॉग ऑन मैंगो इंप्रूवमेंट एंड स्ट्रैटेजिस) में भारत, ऑस्ट्रेलिया और इज़राइल के प्रसिद्ध आम वैज्ञानिक, प्रजनक और जैव प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ आम की उत्पादकता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए भविष्य का रोडमैप तैयार करेंगे।

यह गोष्ठी पूरे देश खासकर उत्तर भारत के आम के बागवानों के लिए उपयोगी होगी, पर आम का सर्वाधिक उत्पादन करने की वजह से उत्तर प्रदेश के लिए सबसे उपयोगी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का इस पर फोकस भी है। यहां मलिहाबाद (लखनऊ) के दशहरी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के आसपास के जिलों में होने वाले चौसा (देर में पकने वाली प्रजाति) की खासी मांग है। गुणवत्ता में सुधार के बाद इनके निर्यात की भी खासी संभावना है। योगी सरकार जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास एक्सपोर्ट हब भी बना रही है। फलों और सब्जियों की खेती करने वाले किसानों के उत्पाद की सुरक्षा के लिए मंडियों में कोल्ड स्टोरेज, रायपेनिंग चैंबर का भी निर्माण करवा रही है।

केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के निदेशक टी दामोदरन ने बताया कि संस्थान इस दिशा में क्लस्टर अप्रोच से काम भी कर रहा है। इस क्रम में उक्त दोनों प्रजातियों के कुछ क्लस्टर बनाकर इनसे करीब 4000 बागवानों को जोड़ा गया है। इनको बताया जा रहा है किस तरह ये अपने 15 साल से पुराने बागों का कैनोपी मैनेजमेंट के जरिए कायाकल्प कर सकते। इससे कालांतर में इनकी उपज भी बढ़ेगी और फलों की गुणवत्ता भी सुधरेगी। संगोष्ठी के आयोजक सचिव आशीष यादव ने बताया कि केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के फ्रूट प्रोटेक्शन और वाटर रेजिस्टेंस टेक्निक का भी बागवानों को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इसमें फलों को कागज के बैग से ढक दिया जाता है। इससे इनमें रोगों और कीड़ों का संक्रमण नहीं होता। दाग धब्बे नहीं आते। साथ ही परिपक्व फलों का रंग भी निखर आता। प्रति बैग मात्र दो रुपए की लागत से ये फल बाजार में दोगुने दाम पर बिक जाते हैं।

आम यूं भी यूपी के लाखों लोगों के रोज-गार का जरिया है। फ्रूट प्रोटेक्शन और वाटर रेजिस्टेंस टेक्निक के चलन में आने पर स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावना और बढ़ेगी। शुरू में ऐसे बैग चीन से आते थे। अब भी अधिकांश बैग कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से आते है। यूपी में मेरठ और कुछ अन्य शहरों से भी आपूर्ति शुरू हुई है। मांग बढ़ने पर ये स्थानीय स्तर पर भी तैयार किए जाने लगेंगे। इस रोजगार भी मिलेगा। आशीष यादव के अनुसार गोष्ठी में डॉ. नटाली डिलन, सीनियर बायोटेक्नोलॉजिस्ट और डॉ. इयान एस.ई. बल्ली, सीनियर बागवानी विशेषज्ञ क्वींसलैंड,(ऑस्ट्रेलिया), डॉ. युवल कोहेन, वोल्केनी इंस्टीट्यूट, एआरओ, इज़राइल के शोधकर्ता, डॉ. वीबी. पटेल भाग लेंगे। आम पर शोध करने वाले वैज्ञानिकों और बागवानों के लिए ये गोष्ठी मार्गदर्शक साबित होगी।

संपादकीय

एक देश, अनेक चुनाव

हालांकि केंद्रीय कैबिनेट ने 'एक देश, एक चुनाव' की अनुशंसा को स्वीकृति दे दी है, लेकिन उसे लागू करने का रास्ता पेचीदा और पथरीला है। यह अनुशंसा पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च अधिकार समिति ने की थी, जिसने अपनी विशालकाय रपट मार्च, 2024 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी थी। यदि देश में एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू हो जाए, तो यकीनन शासन, प्रशासन, सुविधा और आर्थिक खर्च के स्तर पर यह एक ठोस नीति साबित हो सकती है। कोविंद समिति ने कुल 62 राजनीतिक दलों से चर्चा की, लेकिन 33 दल एक साथ चुनाव के पक्ष में हैं, जबकि 15 दल पूरी तरह विरोध में हैं। वे 'इंडिया' गठबंधन के घटक ही हैं। जाहिर है कि संसद में बिल पर बहस के दौरान भी विभाजन की स्थिति बनी रहेगी। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान इस आशय का बिल पेश किया जा सकता है। चूंकि एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू करने के लिए 18 संविधान संशोधन करने पड़ेंगे, लिहाजा सरकार को दो-तिहाई बहुमत, यानी लोकसभा में ही 362 सांसद, की दरकार होगी। संसद के दोनों सदनों में सरकार को सामान्य बहुमत ही हासिल है। तो क्या देश में अनेक चुनावों की ही व्यवस्था जारी रहेगी? विपक्ष उसे ही संघीय ढांचा मानता है। हालांकि चुनाव आयोग ने पूरे देश में लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का दावा किया है, लेकिन यह सवालिया है, क्योंकि चुनाव आयोग एक साथ हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में विधानसभा चुनाव कराने में असमर्थ रहा है। अब नवंबर में उसे दो चुनाव कराने पड़ेंगे और संभवतः जनवरी में दिल्ली के चुनाव कराने पड़ें। लिहाजा जून, 2029 तक 'एक साथ चुनाव' कराने के बंदोबस्त कैसे किए जा सकते हैं? पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी का मानना है कि 'एक साथ चुनाव' कराना संभव है, लेकिन व्यावहारिक नहीं है। हमें तीन गुना ईवीएम और तीन गुना वीवीपैट की जरूरत होगी। उसी अनुपात में सुरक्षा बल और चुनाव कर्मी भी चाहिए। आम चुनाव, 2024 में करीब 70 लाख चुनाव कर्मचारी तैनात किए गए थे। हर 5 साल बाद 15 फीसदी अधिक चुनाव कर्मियों की जरूरत होगी। अभी तो ईवीएम के भंडारण तक की व्यवस्था नहीं है। सरकार को 8-10 हजार करोड़ रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़ेंगे। ये तमाम बंदोबस्त 2029 तक संभव नहीं हैं, क्योंकि ईवीएम का उत्पादन ही सीमित है। बहरहाल संविधान के अनुच्छेदों-83, 85, 172 से 174 और 356-में संशोधनों के लिए राज्यों की सहमति अनिवार्य नहीं है। ये अनुच्छेद राष्ट्रपति, केंद्र सरकार और संसद से जुड़े हैं, लेकिन ध्यान रहे कि अब लोकसभा में 234 सांसदों वाला विपक्ष मौजूद है और वह 'एक साथ चुनाव' के पक्ष में नहीं है। सिर्फ दो-तिहाई बहुमत से ही ये संशोधन पारित किए जा सकते हैं। सरकार कैसे करेगी? यदि 2029 से ही 'एक साथ चुनाव' की व्यवस्था लागू करनी है, तो 22 राज्यों में समय से पहले और 5 राज्यों में कार्यकाल में देरी से चुनाव कराने पड़ेंगे। इसके अलावा, 6 विधानसभाओं-गुजरात, हिमाचल, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, कर्नाटक-के कार्यकाल एक साल एक महीना से लेकर एक साल 7 महीने के ही रह जाएंगे। ऐसा कौनसी निर्वाचित विधानसभा चाहेगी? 'एक देश, एक चुनाव' कोई नई व्यवस्था नहीं है। आजादी के बाद 1952 से 1967 तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ होते रहे। तब तक देश में कांग्रेस की निरंकुश सत्ता थी। 1967 में विपक्ष के गठबंधन बनने लगे, लिहाजा कांग्रेस कई चुनावों में पराजित भी हुई, नतीजतन 1971 का चुनाव ऐसा था कि चुनाव अलग-अलग कराए गए। उसके बाद व्यवस्था ही बदल गई। आज 'एक साथ चुनाव' अजूबा लग रहे हैं। उस दौर में देश की आबादी भी कम थी, लिहाजा मतदाता भी कम थे। अब 95 करोड़ से अधिक मतदाता आम चुनाव में शिरकत करते हैं। अब लगता है मानो हर छह माह के बाद कहीं न कहीं चुनाव हो रहे हैं! सरकार इस अवांछित बोझ से छुटकारा पाना चाहती है। चुनाव कहीं भी हों, लेकिन पूरी व्यवस्था ठप पड़ जाती है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च अधिकार समिति ने की थी, जिसने अपनी विशालकाय रपट मार्च, 2024 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी थी। यदि देश में एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू हो जाए, तो यकीनन शासन, प्रशासन, सुविधा और आर्थिक खर्च के स्तर पर यह एक ठोस नीति साबित हो सकती है। कोविंद समिति ने कुल 62 राजनीतिक दलों से चर्चा की, लेकिन 33 दल एक साथ चुनाव के पक्ष में हैं, जबकि 15 दल पूरी तरह विरोध में हैं। वे 'इंडिया' गठबंधन के घटक ही हैं। जाहिर है कि संसद में बिल पर बहस के दौरान भी विभाजन की स्थिति बनी रहेगी। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान इस आशय का बिल पेश किया जा सकता है। चूंकि एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू करने के लिए 18 संविधान संशोधन करने पड़ेंगे, लिहाजा सरकार को दो-तिहाई बहुमत, यानी लोकसभा में ही 362 सांसद, की दरकार होगी। संसद के दोनों सदनों में सरकार को सामान्य बहुमत ही हासिल है। तो क्या देश में अनेक चुनावों की ही व्यवस्था जारी रहेगी? विपक्ष उसे ही संघीय ढांचा मानता है।

भारत में लाखों मंदिर, अनाथालय, गोशालाएं, पाठशालाएं और गुरुकुल इत्यादि इसी पद्धति से चलते थे और अभी भी चलते हैं

सवालों के घेरे में वक्फ बोर्ड

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

परोक्ष रूप से वक्फ सम्पत्ति अब दान करने वाले की रहती ही नहीं। इसलिए वापस लेने का प्रश्न ही समाप्त हो जाता है। यदि वह वक्फ वापस लेना भी चाहे तो यह सम्भव नहीं है। जो व्यक्ति अपनी सम्पत्ति को वक्फ के लिए देता है, उसे वाकिफ कहते हैं। वक्फ की गई सम्पत्ति को प्रबंध करने के लिए वाकिफ किसी मुतावली (न्यासी) की व्यवस्था करेगा। इस व्यवस्था के लिए मुतावली जो मेहनत करेगा, उसकी एवज में उसी वक्फ की आमदनी का कुछ हिस्सा मिल सकता है। कुल मिला कर वक्फ किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत मामला है।

वक्फ अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ ऐसी सम्पत्ति से है जो परमार्थ के लिए दान कर दी गई हो। परमार्थ कार्यों में मजहबी कार्यक्रम भी शामिल किए जा सकते हैं। लेकिन दान करते समय दान करने वाले को यह भी स्पष्ट करना होगा कि अब वह या उसके वारिस इस सम्पत्ति को वापस नहीं ले सकेंगे। जो सम्पत्ति कुछ निश्चित समय के लिए दान में दी जाए और दान देते समय ही स्पष्ट कर दिया जाए कि पांच साल के लिए इस सम्पत्ति की आय का उपयोग परमार्थ के लिए किया जा सकता है, उसके बाद सम्पत्ति दान करने वाले के पास वापस लौट जाएगी तो वह वक्फ नहीं माना जाएगा। परोक्ष रूप से वक्फ सम्पत्ति अब दान करने वाले की रहती ही नहीं। इसलिए वापस लेने का प्रश्न ही समाप्त हो जाता है। यदि वह वक्फ वापस लेना भी चाहे तो यह सम्भव नहीं है। जो व्यक्ति अपनी सम्पत्ति को वक्फ के लिए देता है, उसे वाकिफ कहते हैं। वक्फ की गई सम्पत्ति को प्रबंध करने के लिए वाकिफ किसी मुतावली (न्यासी) की व्यवस्था करेगा। इस व्यवस्था के लिए मुतावली जो मेहनत करेगा, उसकी एवज में उसी वक्फ की आमदनी का कुछ हिस्सा मिल सकता है। कुल मिला कर वक्फ किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत मामला है। वह अपनी सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए किसी मुतावली अर्थात न्यासी के हवाले कर देता है और उसका प्रयोग केवल परमार्थ के लिए हो सकता है। लेकिन वह अपनी सम्पत्ति किसी ऐसे मुतावली को भी दे सकता है जो पहले ही किसी सम्पत्ति का परमार्थ के लिए प्रबंधन कर रहा हो। यानी पहले से ही बने हुए किसी ट्रस्ट को भी सम्पत्ति दान की जा सकती है, यदि दान का उद्देश्य एक समान हो। यह पद्धति हिंदोस्तान में इस्लाम के पैदा होने से भी पहले से चली आ रही है। भारत में लाखों मंदिर, अनाथालय, गोशालाएं, पाठशालाएं और गुरुकुल इत्यादि इसी पद्धति से चलते थे और अभी भी चलते हैं। अंग्रेजों के आने से पहले भी मस्जिदें, दरगाहें, मदरसे, यतीमखाने वगैरह भी इसी पद्धति से चलते थे। वक्फ, वाकिफ और मुतावली शब्द क्योंकि अरबी भाषा के हैं, इसलिए लगता है कि शायद यह कोई नई योजना है जो इस्लाम के पैदा होने के बाद से ही दुनिया में प्रकट हुई है। लेकिन वक्फ को लेकर असली काला धंधा 1857 के बाद हुआ और यह ब्रिटिश

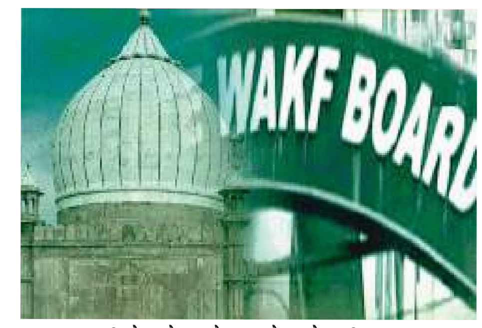

सरकार द्वारा विशेष उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए किया गया। 1857 में आजादी की पहली लड़ाई में सभी भारतीयों ने मिल कर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। इसमें देसी मुसलमान भी शामिल थे। यहां तक एकता थी कि स्वतंत्रता संग्रामियों ने उसी मुगल वंश के बहादुरशाह को हिंद का बादशाह घोषित कर दिया जिस मुगल वंश से देश को आजाद करवाने के लिए शिवाजी मराठा, महाराणा प्रताप, गुरु गोबिंद सिंह, बंदा बहादुर, लचित बडफूकन जैसों ने अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उद्देश्य केवल इतना था कि एकता बनी रहनी चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से इस स्वतंत्रता संग्राम में भारत की हार हुई और भारत पर ब्रिटेन का प्रत्यक्ष कब्जा हो गया। 1885 में कांग्रेस का जन्म हुआ और उसका उत्तर देने के लिए अंग्रेजों ने मेजर आप्रेशन से 1905 में मुस्लिम लीग को पैदा किया। 1857 के संग्राम पर मंथन किया गया। एक बात अंग्रेजों को स्पष्ट होने लगी थी कि भारत में अरब, तुर्क व मुगल (एटीएम) मूल के मुसलमान संख्या में तो आटे में नमक के बराबर हैं, लेकिन भारत में से उनकी सत्ता का अंत हो जाने से उनका कष्ट हजार गुणा बढ़ा हुआ है। वे यह भी समझ चुके हैं कि अब वे अपने बलबूते भारत पर दोबारा कब्जा नहीं कर सकते। अब उनके लिए एक ही रास्ता बचा है कि डूबते जहाज में से जो बच जाए वही गनीमत है।

उनकी अपनी सत्ता का जहाज तो डूब ही चुका था। अब केवल उन्हें तिनकों का सहारा चाहिए था। ये तिनके देने में अंग्रेजों को भला क्या आपत्ति हो सकती थी। पहला तिनका मुस्लिम लीग थी, जो अंग्रेजों ने उनको 1905 में दिया था। मुस्लिम लीग पर कब्जा विदेशी मूल के शेखों और सैयदों का ही था। भारत के देसी मुसलमानों का उससे कुछ लेना-देना नहीं था। लेकिन ब्रिटिश सरकार की योजना देसी मुसलमानों को एटीएम मूल के मुसलमानों के शिकंजे में कसना था। उसके लिए मुस्लिम लीग बना भी ली। लेकिन उसके लिए पैसे का बंदोबस्त भी करना जरूरी था। अंग्रेज सरकार अपनी ओर से पैसा दे सकती थी, लेकिन अंग्रेज यहां का पैसा इंग्लैंड ले जाने के लिए आए थे, न कि यहां के कामों पर खर्च करने के लिए। इसका एक ही तरीका हो सकता था। देश भर में फैले मदरसों, वक्फों, मस्जिदों, दरगाहों, तुर्काक व मुगल शासन काल के दौरान इन विदेशी मूल के बादशाहों द्वारा रखी गई अरबों की सम्पत्तियों का नियंत्रण जनादेश एटीएम मूल के शेखों और सैयदों के हवाले कर दिया जाए। उससे दो लाभ होंगे। ये सैयद और शेख अंतिम दम तक अंग्रेज सरकार का समर्थन करेंगे। दूसरा ये देसी मुसलमानों पर नियंत्रण रखेंगे ताकि वे आजादी के आंदोलन से दूर रहें। तीसरी वक्फ सम्पत्तियों के केन्द्रीयकरण से एटीएम मूल के मुसलमानों के हाथ में अपार ताकत आ जाएगी और भारत में ही मजहब के नाम पर एक पक्ष खड़ा हो जाएगा। चौथा स्थानीय देसी मुसलमानों के हाथ से दरगाहों, मस्जिदों के प्रबंधन में हिस्सेदारी की संभावना सदा के लिए खत्म हो जाएगी और वे कभी भी स्वयं को विदेशी मूल के शेखों और सैयदों के कब्जे से मुक्त होने के बारे में सोचना भी बंद कर देंगे। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अंग्रेज सरकार ने मुस्लिम लीग की स्थापना के सात-आठ साल बाद ही वक्फ बोर्डों की स्थापना के कानून बना दिए। इस बोर्ड में कुल मिला कर गिनती के सदस्य होते हैं। वे मोटे तौर पर एटीएम मूल के सैयद, तुर्क या मुगल ही होते थे। इनके हाथ में देश की करोड़ों की सम्पत्ति का कब्जा दे दिया गया। बाद में जब मुस्लिम लीग, ब्रिटिश सरकार की साजिश और कांग्रेस की जल्दी सत्ता प्राप्ति की भूख से भारत का एक हिस्सा पाकिस्तान के नाम से अलग हो गया तो जो मुसलमान हिंदोस्तान छोड़ कर वहां चले गए, उनकी यहां रह गई सम्पत्ति का प्रश्न पैदा हुआ।

दृष्टि कोण

प्राइमरी स्कूलों में खेलों को बंद क्यों किया

स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की चर्चा तो दूर की बात लग रही है, यहां तो प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय प्राथमिक स्कूलों की खेलों को बंद करने का फरमान यह कहकर सुना चुका है कि खेल गैर-जरूरी, फिजूलखर्ची व समय की बर्बादी है। क्लास रूम पढ़ाई को संपूर्ण शिक्षा समझने वाले शिक्षा के कर्णधारों को कब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के बारे में ज्ञान होगा? खेल बच्चों को फिटनेस की तरफ मोडने का बहुत ही सरल तरीका है और फिटनेस के बगैर जीवन अधूरा है। शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रयोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है, जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं, किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिएं। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है, तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडना बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है, जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना, वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण हैं कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती में बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांवों में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है।

कुछ अलग

मुझे मरने की फुरसत नहीं...

यह मजाक नहीं, अक्षरशः सत्य है कि मुझे मरने की भी फुरसत नहीं है। सुबह पोती को स्कूल छोडने घर से निकल रहा था, तभी यमदूत आ गए, बोले -''चलिए नरकलोक में आपको याद फरमाया जा रहा है।'' मैं बोला 'देखिये, डेढ़-दो घण्टे बाद आना, मैं अपनी पोती को स्कूल छोड़ आऊं।'' बेचारे मान गए, चुपचाप चले गए। स्कूल से छोडक़र आया तो पत्नी ने थैला थमा दिया और बोली - ''जाओ बाजार से सब्जी ले आओ।'' सब्जी लेने के लिए निकलने लगा और यमदूत फिर आ गए। मैंने कहा -''कमाल कर दिया। मैंने डेढ़-दो घण्टे का नाम लिया और आप इसी दरम्यान आ गए। थोड़ी तो लिहाज करो, मुझे तो ले जाना, लेकिन घर के सात सदस्यों की सब्जी तो लाकर दे दूं। अभी आप घण्टे भर और ठहरो।'' वे बोले -''देखो हमारी भी नौकरी है। महाराज यम कहेंगे कि किसी को लाने में इतना वक्त थोड़े ही लगता है। हम तो कोरियर वाले हैं, आत्मा को ले जाना हमारा काम है। चलो घण्टे भर बाद आ जाएंगे। लेकिन अब की बार नहीं चलेगा कोई बहाना।'' मैंने कहा-''मैं कोई बहाना नहीं कर रहा। यह वास्तविकता है।'' वे चले गए और मैं सब्जी लेने बाजार। वापस घर आया, शेव बनाने और नहाने-धोने तथा टिफिन तैयार करने में लग गया। मुझे याद ही नहीं रहा कि यमदूत आएंगे। स्कूटर स्टार्ट कर ही रहा था कि वे आ गए। वे बोले -''लाला, कहां रफूचक्कर हो रहे हैं। अभी घर से निकल जाते तो हम ढूंढते-फिरते। अब चलो।'' मैंने कहा -''अब तो शाम के 6 बजे तक मैं दफ्तर जाने के लिए बुक हूं। वहां लोगों के काम करने हैं और जाऊंगा तो दो पैसे रिश्वत के घर में लेकर आऊंगा, जिससे घर आराम से चलेगा। भाई नौकरी का मामला है, इस समय तो मैं नरक में भी नहीं जा सकता। नरक यहां क्या कम है। यहां भी भोग ही रहा हूं। ऐसा करो, फिलहाल किसी और को ले जाओ। बहुत से ठाले लोग हैं जो गप्पें लगा रहे हैं। यमराज कौनसा रिकॉर्ड देखने बैठेंगे, उसे डाल देंगे नरक में।'' यमदूत बोले - ''नहीं, हम ऐसा नहीं कर सकते। हमारी नौकरी चली जाएगी। यमराज के पास पूरा रिकॉर्ड है। रिकॉर्ड में हेरा-फेरी के आरोप में हम फंस गए तो, इनक्वायरी बैठ जाएगी। इसलिए अब तो आप दफ्तर नहीं, यमराज के पास चलो।'' मैं बोला - ''देखो, मुझे मरने की भी फुरसत नहीं है। गृहस्थी की चक्की में कोल्हू के बैल की तरह जुता हुआ हूं। कृपया मुझे दफ्तर जाने दो। यमदूत दो थे, दोनों ने एक-दूसरे का मुंह देखा, फिर मुझसे बोले -''अच्छा तो शाम का टाइम बता दो, हम उस समय आ जाएंगे।'' मैंने कहा -''साढ़े छह बजे के बाद कभी भी आ जाओ।'' वे अपने धाम चले गए और मैं मेरे दफ्तर में। शाम को दफ्तर में यकायक काम आ गया तो समय पर निकलना नहीं हुआ। बॉस ने कहा – काम पूरा करके जाओ। मैं भी यहीं हूं। मन मारकर दिनभर लगाई गप्प का मजा किरकिरा हो गया। हारकर काम करते रहे। साढ़े सात बजे के करीब वाईफ का घर से फोन आया कि कोई दो डरावने से व्यक्ति घर पर मेरी वेट कर रहे हैं। मुझे यकायक याद आया कि यमदूत आ गए। मैंने सोचा यह मौत भी मेरे हाथ धोकर पीछे पड़ गई है। और मुझे मरने की भी फुरसत नहीं है। मैंने सोचकर पत्नी को फोन लगाया और कहा कि कह दो, उन्हें अभी टाइम नहीं है। आप किसी संडे को आना। वर्किंग-डे के दिन तो वाकई मरने की भी फुरसत नहीं है। यमदूत दफ्तर का पता नहीं जानते थे, अतः चले गए। लेकिन संडे को तो आएंगे न। संडे को पत्नी के साथ बाजार जाना है। देखो क्या होता है, मैं संडे को ही बता पाऊंगा। वास्तव में मुझे फिलहाल तो मरने की फुरसत नहीं है।

देश दुनिया से

सरकार के पास गुंजाइश है तेल की कीमतें घटाने की

तेल बाजारों के कामकाज ने स्पष्ट रूप से इस तथ्य को दर्शा दिया है कि किसी भी सूरत में आपूर्ति बाधित होने की संभावना नहीं है, युद्धरत होने के बावजूद रूस दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना हुआ है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद रूसी तेल का प्रवाह अभी भी प्रमुख खपतकार क्षेत्रों की ओर है बना हुआ है। पोलैंड, फ़िनलैंड, हंगरी और यहां तक कि जर्मनी सहित अनेक यूरोपीय देश रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदना जारी रखे हुए हैं, हालांकि मात्रा में काफ़ी कमी आई है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ भारत की तेल रिफाइनरियों में रूसी तेल से तैयार उत्पाद जैसे कि गैसोलीन और डीजल की खरीद बड़ी मात्रा में कर रहा है। जहां तक पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की बात है, यमन स्थित हूती विद्रोहियों के उत्पात के कारण लाल सागर और स्वेज नहर के माध्यम से होने वाला अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बाधित हुआ है।

तकरीबन एक साल पहले वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने भविष्यवाणी की थी कि 2024 के अंत तक दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल छू जाएंगी। इस पूर्वानुमान ने भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर दिया था, जो कि तेल के बड़े आयातक हैं। परंतु उनकी किस्मत अच्छी रही कि यह पूर्वानुमान गलत साबित हुआ। बल्कि, पिछले एक साल के दौरान तेल की कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है और दाम का मानक 'ब्रेंट क्रूड' वर्तमान में 70-72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। यह बदलाव गंभीर भू-राजनीतिक संकटमयी माहौल के बावजूद है, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राइल-हमास संघर्ष खत्म होने के आसार बहुत कम हैं।

तेल बाजारों के कामकाज ने स्पष्ट रूप से इस तथ्य को दर्शा दिया है कि किसी भी सूरत में आपूर्ति बाधित होने की संभावना नहीं है, युद्धरत होने के बावजूद रूस दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना हुआ है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद रूसी तेल का प्रवाह अभी भी प्रमुख खपतकार क्षेत्रों की ओर है बना हुआ है। पोलैंड, फ़िनलैंड, हंगरी और यहां तक कि जर्मनी सहित अनेक यूरोपीय देश रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदना जारी रखे हुए हैं, हालांकि मात्रा में काफ़ी कमी आई है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ भारत की तेल रिफाइनरियों में रूसी तेल से तैयार उत्पाद जैसे कि गैसोलीन और डीजल की खरीद बड़ी मात्रा में कर रहा है। जहां तक पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की बात है, यमन स्थित हूती विद्रोहियों के उत्पात के कारण लाल सागर और स्वेज नहर के माध्यम से होने वाला अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बाधित हुआ है। व्यापारिक जहाजों के लिए इन समुद्री रास्तों से आना-जाना खतरनाक बना हुआ है, इनमें कई अब केप ऑफ गुड होप से होकर, लंबे और महंगे मार्ग का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन फिर भी इससे उक्त क्षेत्र से होने वाली कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्रभावित नहीं हुई -समुद्री और थलीय- दोनों मार्गों से उपभोक्ताओं तक पहुंचना जारी है।

इसी प्रकार कई अन्य कारक भी रहे, जिनके चलते पिछले वर्ष तेल की कीमतों में मंदी का रुख रहा। सबसे महत्वपूर्ण में एक है वैश्विक मांग में कमी, विशेषकर दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक चीन से। उसकी आर्थिक दिक्कतें जारी हैं क्योंकि विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन लगातार चौथे महीने सिकुड़ा रहा। पिछले एक साल के दौरान उम्मीद जगी थी कि अर्थव्यवस्था में सुधार होगा और रियल एस्टेट क्षेत्र मंदी से बाहर निकलेगा। परंतु ऐसा परिदृश्य अब दूर की कौड़ी लगता है और बहुराष्ट्रीय कंपनियां धीरे-धीरे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पीछे हट रही हैं, ऐसे देश से जिसका उत्पादन शेष दुनिया की खपत क्षमता से अधिक है। चीन ने वर्ष 2023 में 5.2 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर दर्ज की थी, लेकिन विश्व बैंक का अनुमान है कि 2024 में केवल 4.8 फीसदी ही छू पाएगी। धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था का परिणाम है तेल आयात में कटौती।

तेल कीमतों में नर्मी लाने वाला एक और कारक है अमेरिका के उत्पादन में वृद्धि, जो दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक बनकर उभरा है। वास्तव में, अनुमान है कि तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) से इतर तेल उत्पादक मुल्क अपने उत्पादन में वृद्धि कर इस क्षेत्र में अग्रणी बने रहेंगे। इसके चलते, पिछले साल से ओपेक प्लस द्वारा संयुक्त उत्पादन में 2.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन स्वैच्छिक कटौती के असर की काफी हद तक भरपाई हो गई। पिछले सप्ताह इस कटौती को वापस लेने की उम्मीद थी, लेकिन बाजारों में लगातार मंदी के चलते, ओपेक कार्टेल ने कुछ और समय इसे जारी रखने का फैसला लिया। परंतु यह खबर भी कीमत वृद्धि करने में विफल रही, थोड़ी सी बढ़ी जरूर लेकिन फिर गिर गईं, यह बाजार में अतिरिक्त उपलब्धता दर्शाता है।

तेल बाजारों में मंदी भारत के लिए एक वरदान के रूप में आई है, जो अपना 85 प्रतिशत से अधिक ईंधन विदेश से खरीदता है। फरवरी 2022 में यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद से, कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। लेकिन भारत रियायती दरों पर रूसी कच्चा तेल प्राप्त कर पाया, जो उस साल रही ऊंची कीमतों के संकट से निबटने में मददगार रहा। हालिया गिरावट के रुझान का अर्थ है कि कच्चे तेल का जो मूल्य भारत ने अप्रैल में 89 डॉलर प्रति बैरल चुकाया, वह गिरकर वर्तमान में 72 डॉलर हो गया है। इस गिरावट का महत्व इस मोटे अनुमान से मापा जा सकता है कि तेल मूल्य में प्रति 10 डॉलर वृद्धि होने से चालू खाते के घाटे में 0.5 प्रतिशत का इजाफा हो जाता है। इस उत्साहजनक परिदृश्य में, सरकार के पास आम आदमी को कुछ राहत देने की खातिर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में कटौती करने की गुंजाइश बन जाती है।

आप का नजरिया

गणेशोत्सव का उद्घोष

त्योहार के मूड में परिवेश की संगत और बाजार के रुख में आ रहे बदलाव ने, हिमाचल की पहचान बदल दी। ताजातरीन उदाहरण गणेशोत्सव का है जहां न कोई सरकार और न ही कोई ओहदा शिरकत कर रहा है, बल्कि तमाम सांस्कृतिक समारोहों से ऊपर इसका सामाजिक उद्गार हो गया। गणेशोत्सव के मार्फत एक लघु भारत का उदय हिमाचल के शहर से गांव तक सफर करता रहा और जहां महिला मंडल इसकी पृष्ठभूमि में विविध सांस्कृतिक पहलुओं का मंचन करते देखे गए। यह दीगर है कि इस बहाने समाज का संगठित स्वरूप विकसित हुआ, लेकिन गणेश चतुर्थी से विसर्जन तक के सांस्कृतिक सफर में राज्य और प्रशासन की भूमिका में और सक्रियता, तैयारी, हस्तक्षेप तथा जिम्मेदारी की आवश्यकता है। राज्य के कला-संस्कृति विभाग को अपने सांस्कृतिक कैलेंडर में सामुदायिक त्योहारों की सूची बढ़ाते हुए गणेशोत्सव, छठ पूजा व क्रिसमस जैसे उत्सवों के बढ़ते हुए प्रचलन को अंगीकार करना होगा। छठ पूजा का महत्त्व बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आकर बसा जन समुदाय है, जो हिमाचल में आकर अपने आर्थिक सपनों के साथ अपनी संस्कृति का परिचय करवा रहा है। गणेशोत्सव सामुदायिक उल्लास का अनुशासित फलक है, जहां सांस्कृतिक नियमावली महाराष्ट्र से यहां पहुंच कर एक व्यापक संदेश, परिवर्तन व सामाजिक भूमिका का समर्थन कर रही है। यह त्योहार सबसे लंबा तथा विशुद्ध रूप से समाज को सांस्कृतिक उजास दे रहा है, तो इसका मूल्यांकन कई तरह से होना चाहिए। मसलन गणेशोत्सव अपने साथ कला के महत्त्व से बाजार खड़ा कर रहा है। हजारों मूर्तियों का उद्योग, महज कुछ दिनों में यहां की अर्थ व्यवस्था से धन निर्यात कर देता है, क्योंकि मूर्तिकार बाहर से आ रहे हैं। कहने को हमने कुछ कालेजों में आर्ट विषय व म्यूजियम में चित्रकला सीखने के स्कूल खोल दिए, लेकिन गणेशोत्सव की आर्थिकी में स्थानीय मूर्तिकार को तैयार नहीं कर पाए। क्रिसमस जैसे त्योहार ने हिमाचल की बेकरी व गिफ्ट बाजार की रौनक को नया अंदाज सौंप दिया। जाहिर है हर त्योहार के सांस्कृतिक व धार्मिक पक्ष के साथ बाजार का स्वभाव बदल जाता। बहरहाल गणेशोत्सव के दस दिन हिमाचल के बदलते परिदृश्य की कहानी भी हैं, जहां जीवन को अब इस तरह का मनोरंजन भी चाहिए और विसर्जन के हर पहलू को देखें, तो कितने ही मेले खड्डों-नालों और नदियों में डुबकी लगाने का शृंगार कर रहे हैं। क्या प्रशासन को यह खबर होती है कि गणेशोत्सव की टुकडियां कितनी बढ़ गईं और किस खड्ड की ओर बढ़ कर विसर्जन करेंगे। चामुंडा में एक युवा विसर्जन करते बाल-बाल बचा, लेकिन नादौन के दो युवकों का डूबना विसर्जन पद्धति पर सवालिया निशान पैदा करता है। ऐसे में हमें विसर्जन की सुरक्षा में स्थल तय करके ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए जो 'घाट पर्यटन' को सशक्त करे। ब्यास आरती जैसे आयोजनों से मंडी में घाट पर्यटन की संभावना बनारस व हरिद्वार की तरह दिखी थी, लेकिन पिछली सरकार शिवधाम के लिए पर्वत खोदती रह गई।

इमरान खान का आह्वान–अवाम जेल जाने से न डरे, मैं 15 महीने से बंद हूं

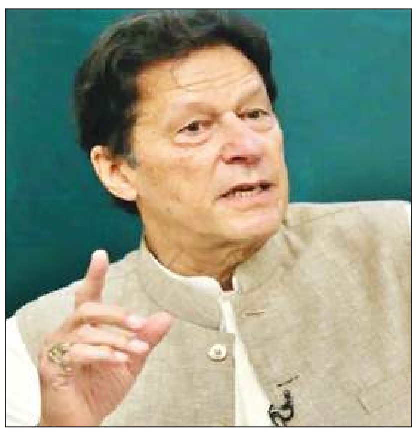

इस्लामाबाद, 20 सितंबर (एजेंसियां)। रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में लंबे समय से बंद पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने मुल्क के लोगों का जेल जाने से न डरने का आह्वान किया है। वह मीनार–ए–पाकिस्तान लाहौर में होने वाली पीटीआई की रैली को बदलाव की किरण के रूप में देख रहे हैं।

इमरान खान का मानना है कि इस समय उनके सामने करो या मरो वाली स्थिति है। इमरान ने कहा कि हुकूमत चाहे जितनी बाधा डाले, पंजाब की राजधानी लाहौर में रैली हर हाल में होगी। पीटीआई संस्थापक खान ने अदियाला जेल में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश का बच्चा–बच्चा हर तरह की स्थिति का सामना कर रैली में भाग लेने के लिए घरों से बाहर आएगा।

उन्होंने कहा, मैं 15 महीने से जेल में हूं और आगे भी जेल में रहने के लिए तैयार हूं। लोगों को जेल जाने से डरना नहीं चाहिए। संविधान हमें एकत्र होने का अधिकार देता है। मैं देशवासियों से 21 सितंबर को लाहौर में अपने भविष्य के लिए सामने आने का आग्रह करता हूं। सुप्रीम कोर्ट आखिरी संस्था है, जिससे लोगों को उम्मीदें हैं। अगर सुप्रीम कोर्ट को भी नष्ट कर दिया गया, तो पाकिस्तान लिजलिजा गणराज्य बन जाएगा।

क्रिकेटर से नेता बने खान ने कहा कि संविधान में प्रस्तावित संशोधनों पर पूरी चर्चा होनी चाहिए थी। रात के अंधेरे में संशोधनों के पीछे की मंशा अब पता चल गई है। सुप्रीम कोर्ट को नष्ट करना लोकतंत्र को नष्ट करना है। लोकतंत्र को नष्ट करना स्वतंत्रता को नष्ट करना है। जब स्वतंत्रता नष्ट हो जाती है, तो लोग गुलाम बन जाते हैं।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का भविष्य निवेश से जुड़ा है। विदेश में रहने वाले पाकिस्तानियों को छोड़कर कोई भी मुल्क में निवेश नहीं करेगा। खान ने कहा कि जरदारी और नवाज शरीफ दो बार बाहर गए और अब वे फिर से बाहर जाएंगे, हर कोई जानता है कि उनका पैसा बाहर पड़ा है।

मीनार-ए-पाकिस्तान लाहौर में पीटीआई की रैली आज

लाहौर। रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में बंद मुल्क के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने लाहौर में रैली करने की घोषणा की है। यह रैली 21 सितंबर को मीनार–ए–पाकिस्तान लाहौर में होगी। महासचिव अवैस यूनिस के हवाले से कहा है कि रैली की सफलता के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। रैली में इमरान खान के प्रति वफादारी का प्रदर्शन किया जाएगा। यूनिस ने कहा है कि मीनार–ए–पाकिस्तान की इस रैली फिर साबित होगा कि लाहौर पीटीआई संस्थापक के साथ खड़ा है। रैली में मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर खैबर पख्तूनख्वा (केपी) से आने वाले काफिलों का नेतृत्व करेंगे। हाल ही में इस्लामाबाद में पार्टी नेताओं की गिरफ्तारी के बाद मीनार–ए–पाकिस्तान लाहौर में होने वाली इस रैली को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।पीटीआई ने मीनार–ए–पाकिस्तान लाहौर रैली से पहले अपने नेताओं की गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए लाहौर हाई कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है। याचिका में अदालत से संरक्षण की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि पुलिस पंजाब में पार्टी के सदस्यों को गिरफ्तार कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में पूर्व योजनामंत्री एमए मन्नान गिरफ्तार

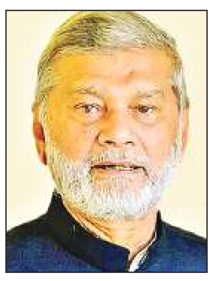

ढाका। बांग्लादेश में पूर्व योजनामंत्री एमए मन्नान को गिरफ्तार कर लिया गया। वह फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पांच अगस्त को देश छोड़ने के बाद से अब तक करीब 32 पूर्व मंत्रियों, सांसदों और अवामी लीग के शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार किया जा चुका है। ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, सुनामगंज के पुलिस अधीक्षक एएफएम अनवर हुसैन खान ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पूर्व योजनामंत्री एमए मन्नान को जिले के शांतिगंज उपजिला में रात करीब 10 : 30 बजे उनके घर से गिरफ्तार किया गया। चार अगस्त को प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए हमले को लेकर दो सितंबर को उनके खिलाफ सुनामगंज सदर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। यह मुकदमा दुआरा बाजार उपजिला निवासी हाफिज अहमद ने दर्ज कराया है। इसमें एमए मन्नान समेत 99 लोगों को आरोपी बनाया गया है ।

इज़राइल ने हमास को दिया शांति का प्रस्ताव, कहा- डील पर चर्चा से निकलेगा रास्ता

येरुशलम। एक साल से इजरायल–हमास के बीच चल रही जंग ने हजारों लोगों की जान ले ली है और हजारों के घर तबाह हुए हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि इजरायल जल्द ही एक बार फिर हमास के सामने शांति के लिए एक बड़ी डील पेश कर सकता है। इजरायली पीएम बेन्जामिन नेतन्याहू के एक सीनियर एडवाइजर ने जो बाइडेन प्रशासन के सामने हमास के साथ युद्धविराम का नया प्रस्ताव पेश किया है। हमास नेता यह्या सिनवार को इसके तहत गाजा से भागने का मौका दिया जाएगा। उधर, हिजबुल्लाह चीफ नसरुल्लाह को ठिकाने लगाने की प्लानिंग भी इजरायल ने कर ली है। इस वक्त गाजा पट्टी में बड़ी संख्या में इजरायली सुरक्षाबल मौजूद हैं। रिपोर्ट में अभी यह स्पष्ट नहीं है कि समझौते के प्रावधानों के तहत क्या गाजा से इजरायली सेनाओं की वापसी भी हो जाएगी या नहीं। गाजा और वेस्ट बैंक को लेकर इजरायल का आगे का रोडमैप क्या होगा। कहा गया कि सिनवार गाजा छोड़ देगा, इस बात से अमेरिकी अधिकारियों इत्तेफाक नहीं रखते। अब देखना दिलचस्प होगा कि इस प्रस्ताव पर हमास के नेताओं में कोई आम सहमति बन पाती है या नहीं। रिपोर्ट में बताया गया कि नेतन्याहू के करीबी गैल हिर्श ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि इजरायल द्वारा पकड़े गए फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया जाएगा। बदले में हमास को सभी इजरायली बंधकों की रिहाई करनी होगी। कहा गया कि अब किश्तों में इजरायली बंधकों को नहीं छोड़ा जाएगा।

अमेरिका में कोर्ट रूम में जिला जज की गोली मारकर हत्या, आरोपित ने किया आत्मसमर्पण

वाशिंगटन। अमेरिका में स्कूलों के बाद अब तो कानून के मंदिर में भी खून बहने लगा है। पूर्वी केंटकी काउंटी के जिला जज की हत्या से लोग सकते और दहशत में हैं। एक ग्रामीण इलाके के शेरिफ ने गुरुवार दोपहर कोर्ट रूम में घुसकर जिला जज की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपित शेरिफ ने आत्मसमर्पण कर दिया। खबर के अनुसार, केंटकी स्टेट पुलिस के ट्रूपर मैट गेहार्ट ने शाम को संवाददाता सम्मेलन में घटना का पूरा विवरण दिया। उन्होंने बताया कि लेचर काउंटी के शेरिफ 43 वर्षीय मिकी स्टाइन्स ने 54 वर्षीय जिला जज केविन मुलिंस को गोली मारने के बाद आत्मसमर्पण कर दिया। यह वारदात दोपहर करीब 2 : 55 बजे दक्षिण–पूर्वी केंटकी के व्हाइट्सबर्ग शहर में लेचर काउंटी कोर्ट रूम के अंदर हुई। ट्रूपर गेहार्ट ने बताया कि हत्यारोपित शेरिफ को स्थानीय जेल ले जाया गया है। पुलिस अधिकारी गेहार्ट ने कहा कि जिला जज मुलिंस को कई गोलियां लगीं और उन्हें घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है। केंटकी के गवर्नर एंडी बेशर ने सोशल मीडिया पर जिला जज की हत्या के बाद लिखा,इस दुनिया में बहुत ज्यादा हिंसा है। मैं प्रार्थना करता हूं कि बेहतर कल के लिए कोई रास्ता हो। पुलिस का कहना है कि जैसे ही इस हत्याकांड की खबर फैली, सबसे पहले स्कूलों के बाहर ताले जड़ दिए गए। इस वारदात ने लेचर काउंटी के निवासियों को चौंका दिया। लेचर काउंटी की आबादी 21,500 है। यह छोटा सा शहर लेक्सिंगटन से लगभग 110 मील दक्षिण–पूर्व में है। अखबार ने चुनाव पर नजर रखने वाले बैलट पीडिया के हवाले से कहा है कि जज मुलिंस को पहली बार 2010 में काउंटी निवासियों ने चुना।

बांग्लादेशी संस्था का दावा : 16 दिनों में बांग्लादेश में 2010 सांप्रदायिक हमले, हजारों हिंदू परिवार प्रभावित

ढाका, 20 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू–बौद्ध–ईसाई एकता परिषद ने आगामी 21 सितंबर को ढाका सहित पूरे देश में विरोध प्रदर्शन और रैली आयोजित करने की घोषणा की है। यह जानकारी परिषद के अध्यक्ष निर्मल रोज़ारियो ने गुरुवार को सिगुनबागिचा स्थित ढाका रिपोर्टर्स यूनिटी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

इसके साथ ही उन्होंने शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद देशभर में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों की घटनाएं और आंकड़े प्रस्तुत किए। निर्मल रोज़ारियो के मुताबिक 04 अगस्त से 20 अगस्त तक बांग्लादेश के 68 जिलों और मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रों में कुल 2010 साम्प्रदायिक हमलों की घटनाएं हुईं। इन हमलों में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1705 परिवारों को सीधा नुकसान पहुंचा। निर्मल रोज़ारियो ने इन 16 दिनों के दौरान हुई साम्प्रदायिक हिंसा की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि 157 परिवारों के घरों पर हमले, लूटपाट, तोड़फोड़ और आगजनी की गई, वहीं उनके व्यवसाय को भी नुकसान पहुंचाया गया। सबसे अधिक हमले बांग्लादेश के खुलना डिवीजन में हुए, जहां चार महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं भी सामने आईं। 1705 प्रभावित परिवारों में से 35 परिवार आदिवासी समुदाय से हैं, जिनके घरों को लूटा गया, तोड़ा गया और आग के हवाले कर दिया गया। इसके अलावा, 69 धार्मिक स्थलों पर भी हमले, तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुईं। निर्मल रोज़ारियो ने संयुक्त राष्ट्र के पर्यवेक्षण में इस हिंसा की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की है।

साथ ही हिंदू–बौद्ध–ईसाई एकता परिषद के महासचिव एडवोकेट राणा

दासगुप्ता और अन्य नेताओं के खिलाफ दायर झूठे मुकदमे वापस लेने और पूरे देश में जारी साम्प्रदायिक हिंसा समाप्त करने की मांग के साथ, निर्मल रोज़ारियो ने 21 सितंबर को शाम चार बजे देशव्यापी विरोध और सभा की घोषणा की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में परिषद के अध्यक्ष डॉ. निम चंद्र भौमिक, कार्यवाहक महासचिव मनींद्र कुमार नाथ, सदस्य रंजन कर्मकार, भिक्षु सुनंद प्रिय और संगठन सचिव एडवोकेट दीपंकर घोष भी उपस्थित थे।

शेख हसीना के खिलाफ 45 दिन में हत्या के 140 मामले दर्ज

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ पांच अगस्त के बाद से 45 दिन में 150 से ज्यादा केस दर्ज किए गए हैं। हसीना को छात्र और जन विद्रोह के कारण देश छोड़ना पड़ा है। इसके बाद अंतरिम सरकार का गठन किया गया। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, पिछले डेढ़ महीने में शेख हसीना के खिलाफ ढाका में 150 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से 140 हत्या और 10 हत्या के प्रयास, धमकी, उत्पीड़न और हमले के आरोप के मामले शामिल हैं। यह सभी मामले ढाका के मजिस्ट्रेट न्यायालयों में दर्ज किए गए हैं। यह मामले 31 थाना क्षेत्रों के हैं। जतराबाड़ी में कुल 42 मामले, मीरपुर में 24, उत्तरा–पूर्व में 14, सावर में 10, बड्डा में नौ, मोहम्मदपुर और कदमतली में पांच–पांच और रामपुरा में चार मामले दर्ज किए गए हैं। तेजगांव, न्यू मार्केट, अदाबोर, सूत्रपुर, खिलगांव और हातिरझील पुलिस स्टेशनों में तीन–तीन मामले दर्ज किए गए। पल्लबी, बंगशाल, शेर–ए–बांग्ला नगर, बनानी, पलटन, मुगदा और भटारा पुलिस स्टेशनों में दो–दो मामले दर्ज किए गए। आशुलिया, काफरुल, मोतीझील, चौकबाजार, लालबाग, गुलशन, एयरपोर्ट, शाहबाग, धानमंडी और कोतवाली पुलिस स्टेशनों में एक–एक मामला दर्ज किया गया। हत्या का पहला मामला 13 अगस्त को पंजीकृत शेख हसीना के खिलाफ पहला हत्या का मामला 13 अगस्त को ढाका की एक अदालत में दर्ज किया गया। इसमें कहा गया है कि शेख हसीना और ओबैदुल कादर समेत सात लोगों ने 19 जुलाई को आरक्षण आंदोलन के दौरान मोहम्मदपुर में पुलिस फायरिंग में सहयोग किया। इसमें किराना दुकानदार अबू सईद की हत्या का आरोप है। इसके बाद छह और हत्या के मामले दर्ज किए गए। इनमें शेख हसीना को मुख्य आरोपी बनाया गया है। यह मामले मामले गुरुवार को ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में दर्ज किए गए।

नसरल्लाह टीवी पर धमकाता रहा इजराइल को, वह दक्षिणी लेबनान में गिराता रहा बम

बेरूत, 20 सितंबर (एजेंसियां)। बंधकों के साथ बर्बरता की सीमा लांघने वाले आतंकी संगठन हमास का समर्थक सबसे खतरनाक आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह इजराइल की लेबनान के खिलाफ अपनाई गई ताजा रणनीति से बौखला गया है। इसी का नतीजा है कि साल 2006 से बंकरों में छिपा 64 वर्षीय हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह गुरुवार को अप्रत्यक्षतौर पर सामने आने को मजबूर हो गया। उसने टेलीविजन पर अपने गुर्गों और समर्थकों को संबोधित कर इजराइल को बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। तभी इजराइल के लड़ाकू विमानों ने लेबनान में बम बरसाकर उसे मुंहतोड़ जवाब दिया। खबर के अनुसार, हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह के बदला लेने की कसम खाने के बाद इजरायल ने लेबनान पर जोरदार बमबारी की। इजराइल के हमलों से दक्षिणी लेबनान हिल गया। नसरल्लाह ने टीवी संबोधन में कहा था कि पेजर और वॉकी–टॉकी विस्फोटों के लिए इजरायल से बदला लिया जाएगा। मंगलवार और बुधवार को हुए विस्फोटों में कम से कम 37 लोग मारे गए और 2,900 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अपने टेलीविजन भाषण में नसरल्लाह ने कहा, वास्तव में, हमने एक गंभीर और क्रूर झटका सहा है। नसरल्लाह ने यह भी चेतावनी दी कि इजराइल को कठोर जवाब दिया जाएगा। लेबनान के तीन वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, इसके कुछ समय बाद इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 70 से अधिक हवाई हमले किए।ताबड़तोड़ बम बरसाए। उल्लेखनीय है कि इजराइल ने न तो विस्फोटों में किसी भूमिका की पुष्टि की है और न ही इससे इनकार किया है। उल्लेखनीय है कि हिजबुल्लाह को ईरान का भी समर्थन प्राप्त है। नसरल्लाह के शिया आंदोलन ने 2006 में इजराइली सैनिकों के खिलाफ विनाशकारी युद्ध लड़ा है। उसके बाद से नसरल्लाह को सार्वजनिक रूप से शायद ही कभी देखा गया हो। नसरल्लाह ने कल के टीवी भाषण में लेबनान में हमलों के लिए इजराइल को दोषी ठहराया है।

डेल्टा के विमान न्यूयॉर्क से 31 दिसंबर तक नहीं जाएंगे तेल अवीव

न्यूयॉर्क, 20 सितंबर (एजेंसियां)। इजराइल और लेबनान सीमा पर उपजे ताजा तनाव का व्यापक असर हवाई यात्री सेवाओं पर पड़ा है। अमेरिका की हवाई सेवा प्रदान करने वाली प्रमुख कंपनी डेल्टा एयरलाइंस ने कहा है कि उसके विमान 31 दिसंबर तक इजराइल नहीं जाएंगे। विमानन कंपनी ने जारी की गई विज्ञप्ति में कहा है कि वह मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष और इजराइल–लेबनान सीमा पर बढ़ते तनाव के कारण न्यूयॉर्क और तेल अवीव के बीच उड़ानों पर प्रतिबंध की अवधि बढ़ा रही है। कंपनी ने 31 जुलाई को जारी समय सीमा को बढ़ाते हुए उसे 31 दिसंबर कर दिया है।

कंपनी की 19 सितंबर की विज्ञप्ति में कहा गया है कि न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से तेल अवीव के बीच डेल्टा की उड़ानें क्षेत्र में चल रहे संघर्ष के कारण 31 दिसंबर तक रोकी जा रही हैं। इससे प्रभावित ग्राहकों को फ्लाई डेल्टा ऐप और उनके टिकट आरक्षण में सूचीबद्ध संपर्क संसाधन के माध्यम से ताजा सूचना दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि डेल्टा छह महाद्वीपों के लिए घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय सेवा प्रदान करती है। डेल्टा और उसकी अन्य सहयोगी इकाइयां प्रतिदिन लगभग पांच हजार उड़ानों का संचालन करती हैं।

इसके अलावा अन्य एयरलाइंस ने भी पश्चिम एशिया में अपनी उड़ानें रद्द की हैं। अल्जीरिया की एयरलाइन एयर अलजीरी ने लेबनान के लिए अपनी सभी उड़ानें अगले आदेश तक रद्द रखने का फैसला किया है। एयर फ्रांस ने तो 17 सितंबर से ही बेरूत और तेल अवीव जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी हैं। केएलएम ने कहा है कि तेल अवीव से 26 अगस्त तक उसका कोई भी विमान उड़ान नहीं भरेगा। ट्रांसविया एयरलाइन ने तो अगले साल 31 मार्च तक तेल अवीव जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। कंपनी ने कहा है कि बेरूत के लिए तीन नवंबर तक सेवा को रोक दिया गया है। भारतीय एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया की अगले आदेश तक तेल अवीव जाने वाली सभी उड़ानें पहले से ही रद्द हैं। हॉन्ग कॉन्ग की एयरलाइन कैथे पैसिफिक ने तेल अवीव जाने वाली अपनी सभी उड़ानें 27 मार्च, 2025 तक रद्द कर दी हैं। ब्रिटेन की बजट एयरलाइन ने अप्रैल में ही तेल अवीव की सभी उड़ानें रद्द कर दीं थी। अब इसकी अवधि बढ़ाकर 30 मार्च, 2025 कर दी गई है।

लेबनान में दहशत : कतर एयरवेज ने पेजर, वॉकी–टॉकी ले जाने पर लगाया बैन

बेरूत, 20 सितंबर (एजेंसियां)। लेबनान में पिछले दिनों पेजर में ब्लास्ट के बाद खास और आम सभी सहमे हुए हैं। सभी को डर सता रहे हैं कि कब और कहां पेजर फट जाए। इन धमाकों के बाद लेबनान में लोग मोबाइल फोन, पेजर समेत अन्य कम्युनिकेशन ?डिवाइस छूने से डर रहे हैं। इसको लेकर कतर एयरवेज ने लेबनान की फ्लाट्स में यात्रियों के पेजर और वॉकी–टॉकी ले जाने पर रोक लगा दी है। एयरलाइन ने यह कदम लेबनान में हुए विस्फोट के बाद उठाया है। इस घटना में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई थी और तीन हजार से ज्यादा घायल हुए हैं। इनमें से 450 के करीब गंभीर रूप से घायल हैं इनका इलाज जारी है।

कतर एयरवेज ने एक्स पर पोस्ट में लिखा–बेरूत रफीक हारीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाले सभी यात्रियों को फ्लाइट में पेजर और वॉकी–टॉकी ले जाने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। यह बैन अगली सूचना तक जारी रहेगा। लेबनान में 16 सितंबर को तीन हजार से ज्यादा पेजर, वॉकी–टॉकी और हैंडहेल्ड रेडियो में अचानक विस्फोट होने लगे। इस घटना में हिज्बुल्लाह के कई लड़ाकों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इस घटना में ईरान के दूत भी घायल हुए हैं। लेबनानी अधिकारियों ने कम्युनिकेशन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स में धमाकों के पीछे इजरायली साजिश का आरोप लगाया है।

लेबनान ने कहा है कि इजरायल ने दूसरे देशों से मंगाए गए इन उपकरणों के साथ छेड़छाड़ की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हर पेजर में बैटरी के बगल में करीब 1 से 2 औंस विस्फोटक लगाया गया था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में एक स्विच भी लगा हुआ था, जिसे दूर से बैठकर कंट्रोल किया जा रहा था। इस स्विच को एक्टिवेट करने पर पेजर में विस्फोट हुए। ताइवानी कंपनी गोल्ड अपोलो पर आरोप लगा कि पेजर्स की मैन्युफैक्चरिंग के समय ही इनके साथ छेड़छाड़ की गई है। हालांकि, गोल्ड अपोलो ने इन आरोपों से इनकार किया है उसने कहा कि जिन उपकरणों में विस्फोट हुए हैं, उन्हें हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट की एक फर्म ने तैयार किया था। हिज्बुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह ने पेजर, वॉकी–टॉकी और हैंडहेल्ड रेडियो ब्लास्ट को नरसंहार बताते हुए इसे जंग का आगाज करार दिया है और इसका बदला लेने की बात कही है। हसन ने कहा कि पिछले दो दिनों में हुए इन हमलों की कड़ी सजा दी जाएगी, चाहे इजरायल इसकी उम्मीद करे या न करे। हिज्बुल्लाह चीफ ने कहा कि लेबनान में हुए पेजर और वॉकी–टॉकी ब्लास्ट का उसकी तरफ से गाजा में जारी मदद पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इधर इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने भी युद्ध के नए चरण की शुरुआत का ऐलान किया है। हिज्बुल्लाह ने अपने लड़ाकों को हिदायत दी है कि वे अपने फोन, पेजर, वॉकी–टॉकी, हैंडहेल्ड रेडिया की बैटरी निकालकर फेंक दें।

नेपाल पर एयरटेल व टाटा का 7000 करोड़ बकाया, कंपनियों ने कनेक्शन बंद करने की दी चेतावनी

काठमांडू, 20 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में इंटरनेट सेवा देने वाली भारत की एयरटेल और टाटा टेलीकम्युनिकेशंस को पिछले डेढ़ साल से भुगतान नहीं मिला है। इसलिए अब तक कुल बकाया राशि 7000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। अब इन कंपनियों ने कभी भी इंटरनेट कनेक्शन बंद करने की चेतावनी दी है। नेपाल के इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों के संगठन के अध्यक्ष समेत रहे पराजुली ने कहा कि पिछले डेढ़ साल से लगातार ही सरकार को पत्र लिख कर एक्सचेंज की सुविधा देने का आग्रह किया जा रहा है जबकि नेपाल के सूचना एवं संचार मंत्रालय की प्रवक्ता ममता बस्तोला का कहना कि जब तक इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी के तरफ से सरकार की शर्तों का पालन नहीं किया जाता है, तब तक उन्हें सुविधा नहीं मिलने वाली है।

चल रहा आरोप-प्रत्यारोप का दौर

नेपाल में इस बकाया राशि को लेकर सरकार और इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। एक ओर जहां ये कंपनियां नेपाल सरकार पर नेपाली रुपये को अमेरिकी डॉलर में बदलने की सुविधा बंद करने का आरोप लगा रही हैं, वहीं सरकारी पक्ष का कहना है कि निजी कंपनियां अपने फायदे के लिए जरूरत से ज्यादा एक्सचेंज सुविधा की मांग कर रही हैं।

सरकार से एक्सचेंज की सुविधा देने का आग्रह किया जा रहा है

आईएसपी कंपनी की ओर से अपना पक्ष रखते हुए नेपाल की सबसे बड़ी इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी वर्ल्ड लिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुधीर पराजुली ने कहा कि सरकार की तरफ अब तक एक्सचेंज की सुविधा नहीं दी गई है। अगर देश में इंटरनेट का कनेक्शन काटा जाता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। नेपाल के इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों के संगठन के अध्यक्ष समेत रहे पराजुली ने कहा कि पिछले डेढ़ साल से लगातार ही सरकार को पत्र लिख कर एक्सचेंज की सुविधा देने का आग्रह किया जा रहा है।

सरकार की तरफ से रखी गई कुछ शर्तें

सरकारी पक्ष का तर्क है कि इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों के लिए कुछ नियम कानून बनाए गए हैं। सरकार की तरफ से कुछ शर्तें भी रखी गई है। सूचना एवं संचार मंत्रालय की प्रवक्ता ममता बस्तोला ने कहा कि जब तक इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी के तरफ से सरकार की शर्तों का पालन नहीं किया जाता है, तब तक उन्हें सुविधा नहीं मिलने वाली है। बस्तोला के मुताबिक देश के सभी इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी को ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य इंटरनेट पहुचाने और दुर्गम क्षेत्र में इंटरनेट की सेवा मुहैया कराने को कहा गया है।

नेपाल के कुल इंटरनेट खपत में एयरटेल की 70 प्रतिशत भागीदारी

एयरटेल और टाटा कम्युनिकेशन से बैंडविथ या अपस्ट्रीम सेवा खरीदने वाली नेपाली कंपनियों को 7000 करोड़ रुपये बकाया है। इसमें एयरटेल को करीब 4.38 करोड़ की देनदारी बाकी है, जबकि टाटा को 2.72 करोड़ रुपये देना बाकी है। नेपाल के कुल इंटरनेट खपत में एयरटेल की 70 प्रतिशत भागीदारी है, जबकि बाकी 20 प्रतिशत टाटा कम्युनिकेशन की हिस्सेदारी है। बकाया रकम न देने कारण 6 महीने पहले ही इन दोनों ही कंपनियों ने 6 घंटे तक इंटरनेट बंद कर दिया था।

इंडियन सुपर लीग : पंजाब एफसी पर जीत से वापसी की राह पकड़ने की कोशिश करेगी ओड़ीशा एफसी

नई दिल्ली , 20 सितंबर (एजेंसियां) । पंजाब एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन का अपना पहला घरेलू मैच खेलेगी, जब नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में उसका सामना ओडिशा एफसी से होगा। दोनों टीमें शुक्रवार रात खेले जाने वाले इस मुकाबले को जीतना चाहेंगी।

पंजाब एफसी ने अपने अभियान की शुरुआत केरला ब्लास्टर्स एफसी पर 2-1 की जीत के साथ की, जबकि ओडिशा एफसी को घरेलू मैदान पर चेन्नइयन एफसी से 2-3 की हार का सामना करना पड़ा। लेकिन पंजाब एफसी को झटका लगा जब स्ट्राइकर लुका माजसेन चोटिल हुए और उन्हें आगामी 6-8 सप्ताह तक मैदान से बाहर रहना पड़ेगा। पंजाब एफसी 2023-24 सीजन में ओडिशा एफसी के खिलाफ अपने दोनों मुकाबले हारी थी।

ओडिशा एफसी आईएसएल में अपने पिछले पांच मैचों में जीती नहीं है, जिसमें पिछले तीन मैचों में लगातार हार भी शामिल है। इस मैच में भी हारने की स्थिति में आईएसएल के इतिहास में उसका घर से बाहर सबसे लंबे समय तक जीत दर्ज न करने का रिकॉर्ड बन जाएगा।

पंजाब एफसी ने ईस्ट बंगाल एफसी पर 4-1 की शानदार जीत के साथ 2023-24 सीजन खत्म किया था और अब उसका लक्ष्य आईएसएल में पहली बार लगातार दो घरेलू जीत दर्ज करना है। वो जीत उसकी लीग में अपनी सबसे बड़ी जीत है।

पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच पैनागियोटिस दिलमपेरिस ने कोच्चि में बेंच से उतरे फॉरवर्ड लुका माजसेन की प्रभावशाली भूमिका की प्रशंसा की, जिसमें बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी उन्होंने एक गोल किया और एक में सहायता दी।

दिलमपेरिस ने कहा, 'लुका इस टीम के कप्तान हैं। वह बेहतरीन खिलाड़ी हैं, लेकिन मुझे उनके व्यक्तित्व के बारे में और भी कुछ कहना है। उन्होंने बेंच पर बैठने की शिकायत नहीं की, क्योंकि उन्हें एहसास था कि मैं (मुशागा) बाकेंगा के साथ मैच की शुरुआत कर सकता हूं। वह उन युवा खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन उदाहरण हैं, जो बेंच पर बैठने पर निराशा या फिर गुस्सा व्यक्त करते हैं।'

ओडिशा एफसी के स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा ने माना कि मरीना माचांस के हाथों हार से उबरने के लिए टीम को सुधार करने और अपने प्लेइंग स्टाइल पर बने रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस आईएसएल सीजन में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए कई पहलुओं पर सुधार जरूरी है।

लोबेरा ने कहा, 'हमें सीखने और सुधार करने की जरूरत है, जिसकी शुरुआत मुझे बतौर कोच खुद से करनी होगी। हमें कई बातों का विश्लेषण करने की जरूरत है, लेकिन खिलाड़ियों को अगले मैच पर अपना ध्यान लगाना होगा। अगर हम आईएसएल में शीर्ष स्थान हासिल करना चाहते हैं, तो हमें कई पहलुओं में सुधार करने की जरूरत है।'

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2025: राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच नियुक्त हुए विक्रम राठौर

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज विक्रम राठौर को टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। राठौर ने अपनी नियुक्ति के बाद कहा, रॉयल्स परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। राहुल के साथ फिर से काम करने का अवसर, और अब युवा क्रिकेटरों के एक प्रतिभाशाली समूह के साथ, बेहद रोमांचक है। मैं टीम के विज़न में योगदान देने और रॉयल्स और भारत के लिए शीर्ष श्रेणी के खिलाड़ियों को विकसित करने के हमारे लक्ष्य की दिशा में काम करने के लिए उत्सुक हूं, जो चैंपियनशिप जीतने में मदद कर सकते हैं। भारत के लिए छह टेस्ट खेलने वाले राठौर हाल ही में भारत के बल्लेबाजी कोच थे। उनका अनुबंध जून में बारबाडोस में भारत द्वारा टी20 विश्व कप जीतने के बाद समाप्त हो गया था और वह 2012 में राष्ट्रीय चयनकर्ता भी थे। इस महीने की शुरुआत में, भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को आधिकारिक तौर पर बहु-वर्षीय अनुबंध पर राजस्थान रॉयल्स का नया मुख्य कोच नामित किया गया था। उनकी नियुक्ति इस साल जून में टी20 विश्व कप में भारत को जीत दिलाने के बाद हुई थी। द्रविड़ की आईपीएल में वापसी 2019 के बाद से उनका पहला कार्यकाल है, जब उन्होंने बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी का कार्यभार संभाला था। 2021 में, उन्हें भारतीय पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया और उन्होंने 11 वर्षों में भारत का पहला आईसीसी खिताब हासिल करके अपने तीन साल के कार्यकाल का समापन किया। रॉयल्स आईपीएल 2024 क्वालीफायर 2 में सनराइजर्स हैदराबाद से हार गए थे।

चाइना ओपन 2024 : मालविका क्वार्टर फाइनल में अकाने यामागुची से हारीं

नई दिल्ली। भारत की मालविका बंसोड़ शुक्रवार को चाइना ओपन के क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से 10-21, 16-21 से हार गईं। विश्व में आठवें स्थान पर काबिज जापानी शटलर ने निचली रैंकिंग वाली भारतीय शटलर को केवल 35 मिनट में सीधे गेम शिकस्त दी। यह पूर्व विश्व नंबर 1 यामागुची के खिलाफ मालविका की लगातार तीसरी हार थी। नागपुर की शटलर शुरुआती गेम में यामागुची के सामने कोई चुनौती पेश नहीं कर पाईं। यामागुची ने 12-4 से आठ अंकों की बड़ी बढ़त हासिल की और फिर गेम को 21-10 से समाप्त किया। दूसरे गेम में मालविका ने कड़ी चुनौती दी और एक समय वह 15-15 की बराबरी पर थीं, लेकिन यामागुची ने अपना कौशल दिखाते हुए बंसोड़ को पीछे छोड़ दिया। 43वीं रैंकिंग वाली बंसोड़, पीवी सिंधु और साइना नेहवाल के बाद सुपर 1000 क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय महिला बनीं, जब उन्होंने गुरुवार को क्रिस्टी गिलमोर को 21-17, 19-21, 21-16 से हराया।

भारतीय जमीन पर टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बने हसन महमूद

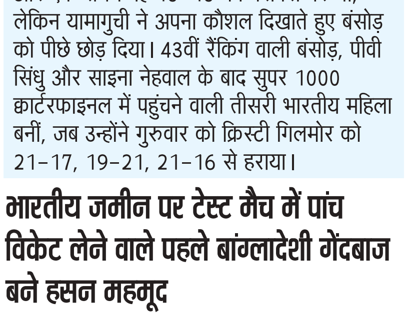

चेन्नई। युवा तेज गेंदबाज हसन महमूद भारत में टेस्ट मैचों में पांच विकेट लेने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ शुक्रवार को चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में पहले टेस्ट मैच के दौरान हासिल की। महमूद के 5/83 के प्रभावशाली आंकड़ों की बदौलत बांग्लादेश ने भारत को 376 रनों पर आउट किया।। भारत में बांग्लादेशी गेंदबाज द्वारा किया गया पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2019 में इंदौर में अबू जायद के 4/108 के नाम था। अपने चौथे टेस्ट में, 24 वर्षीय तेज गेंदबाज ने महत्वपूर्ण प्रभाव डाला, उन्होंने पहले दिन रोहित शर्मा (19 गेंदों पर 6), शुभमन गिल (8 गेंदों पर 0), विराट कोहली (6 गेंदों पर 6) और ऋषभ पंत (52 गेंदों पर 39) के महत्वपूर्ण विकेट लिए। दूसरे दिन उन्होंने जसप्रीत बुमराह को आउट करके अपना पांच विकेट पूरा किया। टेस्ट मैचों में महमूद का यह लगातार दूसरा पांच विकेट है। पिछले महीने रावलपिंडी में पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में उन्होंने 43 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

एंटरटेन क्रिकेट टी10 लीग-2024

हरयाणवी हंटर्स का विजय अभियान जारी, पंजाब की धमाकेदार जीत

नई दिल्ली , 20 सितंबर (एजेंसियां) । एंटरटेन क्रिकेट टी10 लीग-2024 (ईएसएल) के लीग चरण के अंतिम दिन जबरदस्त प्रदर्शन और नाटकीय मोड़ देखने को मिले और प्लेऑफ के लिए टीमों का निर्धारण हुआ। पंजाब वीर्स और हरयाणवी हंटर्स दोनों ने लीग चरण का समापन शानदार जीत के साथ किया, जिससे प्लेऑफ के लिए रोमांचक मुकाबलों का मंच तैयार हो गया।

पंजाब वीर्स बनाम मुंबई डिसरप्टर्स - अंकित नागर की 117 रनों की पारी ने पंजाब को प्लेऑफ में पहुंचाया- सातवें दिन के पहले मुकाबले में, पंजाब वीर्स के कप्तान हर्ष बेनीवाल ने टॉस जीतकर मुंबई डिसरप्टर्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पंजाब के ओपनर्स, अर्शद (22 रन 8 गेंदों में) और राहुल बिष्ट (18 रन 7 गेंदों में), ने टीम को तूफानी शुरुआत दी, और केवल 2 ओवर में 44 रन बना दिए। हालांकि, इस मैच का सितारा अंकित नागर बने, जिन्होंने अविस्मरणीय पारी खेली। उन्होंने सिर्फ 27 गेंदों पर नाबाद 117* रन बनाए, जिसमें 18 शानदार छक्के शामिल थे, और इसने पंजाब को 10 ओवरों में 209/5 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। पवन चेची ने भी 12 गेंदों पर 31 रनों का योगदान दिया।

जवाब में, मुंबई की पारी पहले ओवर से ही बिखर गई, क्योंकि अंकित नागर और अर्शद ने उनकी शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। दोनों ने 3-3 विकेट लिए और मुंबई की टीम 7 ओवरों में मात्र 65 रन पर ढेर हो गई। केवल समरथ जुरेल (15 रन 8 गेंदों में) और मुदस्सर भट (12 रन 5 गेंदों में) ही दोहरे अंक में पहुंच सके। पंजाब की 144 रनों की जबरदस्त जीत ने उन्हें प्लेऑफ में आखिरी स्थान दिलाया, जहां वे एलिमिनेटर मुकाबले में फिर से मुंबई से भिड़ेंगे।

हरयाणवी हंटर्स की अजेय लय बरकरार, लो-स्कोरिंग थ्रिलर में लखनऊ लायंस को मात- लीग चरण के अंतिम मैच में अजेय हरयाणवी हंटर्स, जिन्हें एल्विश यादव लीड कर रहे थे, का सामना दूसरे स्थान पर काबिज लखनऊ लायंस से हुआ। लखनऊ के ओपनर आकाश यादव ने दो छक्कों के साथ तूफानी शुरुआत की, लेकिन हरियाणा के रोहित लाम्बा ने उन्हें जल्दी आउट करके लखनऊ की गति पर रोक लगा दी। हरियाणा के गेंदबाजों, खासकर माही (4-36), कशिश पुंदिर (3-19), और रोहित लाम्बा (2-12), ने लखनऊ की पारी को बिखेर दिया और उन्हें मात्र 5.4 ओवरों में 87 रन पर ऑल आउट कर दिया। हरियाणा की पारी की शुरुआत भी लड़खड़ाई, जब लखनऊ के कप्तान अनुराग द्विवेदी ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए हरियाणा को 3 ओवर में 14-4 के स्कोर पर पहुंचा दिया। द्विवेदी ने 3 विकेट लेकर एक भी रन नहीं दिया। हालांकि, रोहित लाम्बा (40 रन 15 गेंदों में) और ललित यादव (18* रन 9 गेंदों में) की मैच-विनिंग साझेदारी ने हरियाणा को 4 विकेट से जीत दिलाई, जिससे हंटर्स ने लीग चरण को अजेय रहते हुए समाप्त किया। इस जीत के साथ, हरयाणवी हंटर्स ने 10 अंकों के साथ तालिका में पहला स्थान सुरक्षित किया। लखनऊ लायंस, हार के बावजूद, 6 अंकों और 4.095 के नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर रहे। मुंबई डिसरप्टर्स ने भी 6 अंकों के साथ लीग समाप्त किया, लेकिन -1.275 के कम नेट रन रेट के कारण वे तीसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि पंजाब वीर्स ने 4 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

कोपा लिबर्टाडोरेस: पेनारोल ने फ्लामेंगो को हराकर सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ाया

रियो डी जेनेरियो। उरुग्वे के पेनारोल ने ब्राजील के दिग्गज क्लब फ्लामेंगो पर 1-0 की जीत के साथ कोपा लिबर्टाडोरेस के सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर एक कदम बढ़ा दिया। विंगर जेवियर कैबरेरा ने 13वें मिनट में मैक्समिलियानो सिल्वेरा के वन-टच पास को 12-यार्ड वॉली से गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो बाएं पोस्ट से नेट में रिबाउंड हुई। फ्लामेंगो ने गेंद पर कब्ज़ा जमाया और अपने विरोधियों की तुलना में तीन गुना से ज्यादा पास पूरे किए, लेकिन उन्हें बेकार फिनिशिंग की कीमत चुकानी पड़ी। रियो डी जेनेरियो की टीम ने गोल पर 20 शॉट लगाए,

जिनमें से छह को गोलकीपर वाशिंगटन एगुएरे ने बचा लिया। पेनारोल के मैनेजर डिएगो एगुइरे ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने एक ऐसी टीम के साथ शानदार माहौल बनाया है जो बहुत मेहनत करती है और जीतने की इच्छा रखती है। मैं अपने खिलाड़ियों से इससे अधिक की उम्मीद नहीं कर सकता क्योंकि वे अपना सब कुछ देते हैं। यह परिणाम उनकी कड़ी मेहनत का नतीजा है। क्वार्टरफाइनल मैच का निर्णायक दूसरा चरण गुरुवार को मोंटेवीडियो के एस्टाडियो कैंपियन डेल सिग्लो में खेला जाएगा।

सरफराज खान ने की जसप्रीत बुमराह की तारीफ, उन्हें सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक बताया

नई दिल्ली , 20 सितंबर (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेटर सरफराज खान ने स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा की और उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ' गेंदबाजों में से एक कहा।

बुमराह बांग्लादेश के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा हैं, जिसका पहला टेस्ट गुरुवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में शुरु हुआ।

जियो सिनेमा से बात करते हुए सरफराज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में बुमराह के प्रदर्शन को याद किया और बताया कि कैसे इस स्टार तेज गेंदबाज ने विकेट लेकर भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन किया।

जियो सिनेमा की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में सरफराज के हवाले से कहा गया, 'आपने कुछ महीने पहले ही टी20 विश्व कप फाइनल में उनका जादू देखा था, जब खेल हमारे हाथ से फिसल रहा था और उन्होंने एक महत्वपूर्ण विकेट लेकर मैच पलट दिया। उन्होंने ऐसा कई बार किया है, जब टीम संघर्ष कर रही होती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं।'

37 टेस्ट में बुमराह ने 20.69 की औसत से 159 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/27 रहा है। नौ घरेलू टेस्ट में बुमराह ने 16.36 की औसत से 33 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/45 रहा है।

पहले टेस्ट मैच के पहले दिन की बात करें तो बांग्लादेश ने चेन्नई टेस्ट में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत का शीर्ष क्रम ध्वस्त हो गया और टीम 34 रनों पर 3 विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (118 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 56) और ऋषभ पंत (52 गेंदों में छह चौकों की मदद से 39) ने चौथे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी कर भारत को खेल में वापसी दिलाई, हालांकि भारतीय टीम 144 रनों पर 6 विकेट खोकर फिर से मुसीबत में आ गई, लेकिन यहां से अश्विन (नाबाद 102) और जडेजा (117 गेंदों में 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से 86* रन) ने नाबाद 195 रनों की साझेदारी कर दिन का अंत 339/6 पर किया। शतक बनाने के बाद अश्विन नाबाद हैं। पहले दिन स्टंप्स के समय अश्विन 91.07 की स्ट्राइक रेट से 112 गेंदों पर 102 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम का शुक्रवार को ऐलान कर दिया गया है। श्रीलंका क्रिकेट चयन समिति ने 3 अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाने वाले विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है। यह टूर्नामेंट 3 अक्टूबर से शुरू होकर 20 अक्टूबर तक खेला जाएगा।

टी20 विश्व कप में श्रीलंकाई टीम की कमान चमारी अथापट्टू संभालेंगी। श्रीलंका की टीम ने हाल ही में चमारी अथापट्टू की अगुआई में ही महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। टीम में बाएं हाथ की अनुभवी स्पिनर इनोका रनवीरा को भी मौका दिया गया है। उनके पास करीब 12 साल का अनुभव है, जिसका फायदा वो इस टूर्नामेंट में उठा सकती हैं।

श्रीलंका की घोषित 15 सदस्यीय टीम- चमारी अथापट्टू (कप्तान), अनुष्का संजीवनी, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षी डी सिल्वा, इनोका रनवीरा, हासिनी परेरा, कविशा दिलहारी, सचिनी निसानसाला, विशमी गुणरत्ने, उदेशिका प्रबोधनी, अचिनी कुलसुरिया, सुगंधिका कुमारी, इनोशी प्रियदर्शनी, शशिनी गिम्हानी और अमा कंचना। कौशिनी नुथ्यांगना को ट्रैवलिंग रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है।

श्रीलंका इस प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में है और वह अपना अभियान 3 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ शुरू करेगा।

चेन्नई टेस्ट : बांग्लादेश की पहली पारी 149 पर सिमटी, भारत को 227 रन की बढ़त

चेन्नई , 20 सितंबर (एजेंसियां) । भारतीय तेज गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन बांग्लादेश को 149 रनों पर समेट दिया। पहली पारी के आधार पर भारत को 227 रनों की बढ़त मिली है। भारत ने पहली पारी में 376 रन बनाए थे। भारतीय तेज गेंदबाजों की तिकड़ी जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और आकाशदीप ने 8 विकेट झटके, बुमराह के नाम 4 विकेट आए।

बांग्लादेश की पहली पारी में शुरुआत अच्छी नहीं रही। और केवल 40 रनों के स्कोर पर शादमान इस्लाम (02), जाकिर हसन (03), कप्तान नजमुल हसन शांतो (20), मोमिनुल (00) और मुश्फिकुर रहीम (08) पवेलियन लौट गए।

इसके बाद शाकिब अल हसन और लिटन दास ने छठे विकेट के लिए 51 रनों की साझेदारी कर टीम का स्कोर 91 रनों तक पहुंचाया। रवींद्र जडेजा ने इसके बाद पहले लिटन दास और फिर शाकिब को पवेलियन भेज बांग्लादेश को गहरे संकट में डाल दिया। लिटन ने 22 और शाकिब ने 32 रन बनाए। इन दोनों के बाद बांग्लादेश की पारी जल्दी ही 149 रनों पर सिमट गई। मेहदी हसन मिराज 27 रन बनाकर नाबाद रहे। तस्कीन अहमद और नाहिद राना ने 11-11 रनों का योगदान दिया।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए।

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 376 रन बनाए। रविंचद्रन अश्विन ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 113 रन बनाए, जबकि रवींद जडेजा ने भी अच्छी पारी खेली और बेहतरीन 86 रन बनाए, वहीं, यशस्वी जयसवाल ने भी अर्धशतक लगाते हुए 56 रन बनाए।

मैच में बांग्लादेश ने तेज गेंदबाजों की मददगागर पिच पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बांग्लादेश को इसका फायदा भी मिला, जब हसन महमूद ने कप्तान रोहित शर्मा (06), शुभमन गिल (00) और विराट कोहली (06) को केवल 34 रन के स्कोर पर पवेलियन भेज कर मेजबान टीम को मुश्किल में डाल दिया।

इसके बाद केएल से पहले 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए पंत ने जयसवाल के साथ भारतीय पारी को संभाला, हालांकि लंच से ठीक पहले शादमान ने उनका कैच छोड़ा, नहीं तो भारत की मुश्किलें और बढ़ सकती थीं। दूसरी ओर जयसवाल सतर्क रहे और खराब गेंद को दूर रखा।

पंत और जयसवाल ने संभलकर खेलते हुए चौथे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी कर भारत की स्थिति संभालने की कोशिश की। हालांकि 96 के कुल स्कोर पर पंत हसन महमूद का चौथा शिकार बने। एक तरफ से संभलकर खेल रहे यशस्वी जयसवाल ने अपना अर्धशतक पूरा किया। अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद जयसवाल 144 के कुल स्कोर पर नाहिद राना का शिकार बने।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2024 : कार्तिक, हरभजन, रैना और पठान प्रमुख कप्तानों में शामिल

नई दिल्ली , 20 सितंबर (एजेंसियां) । लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) का 2024 संस्करण भारत और दुनिया भर के प्रतिष्ठित सेवानिवृत्त क्रिकेटरों के साथ प्रशंसकों को लुभाने के लिए तैयार है। छह टीमों - सदर्न सुपरस्टार्स, अर्बनराइजर्स हैदराबाद, मणिपाल टाइगर्स, गुजरात जायंट्स, इंडिया कैपिटल्स और कोणार्क सूर्यास ओडिशा- के इस टूर्नामेंट में क्रिकेट इतिहास के कुछ सबसे बड़े नाम दिखाई देंगे।

20 सितंबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में 25 रोमांचक मैच होंगे और इन अनुभवी खिलाड़ियों के एक बार फिर मैदान पर उतरने से टी20 क्रिकेट में जबरदस्त रोमांच देखने को मिलेगा। इस टूर्नामेंट में शिखर धवन (गुजरात जायंट्स), दिनेश कार्तिक (साउथर्न सुपरस्टार्स) और सुरेश रैना (अर्बनराइजर्स हैदराबाद) जैसे दिग्गज अपनी टीमों का नेतृत्व करते हुए दिखेंगे।

गुजरात जायंट्स के लिए क्रिस गेल की धमाकेदार बल्लेबाजी, कोणार्क सूर्यास ओडिशा के लिए इरफान पठान का ऑलराउंड कौशल और मणिपाल टाइगर्स के लिए हरभजन सिंह की स्पिन महारत भी रोमांच को और बढ़ा देगी। इयान बेल (इंडिया कैपिटल्स) और केविन ओ%ब्रायन (कोणार्क सूर्यास ओडिशा) के साथ, एलएलसी क्रिकेट के दिग्गजों से रोमांचक एक्शन का वादा करता है।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट की टीमें इस प्रकार हैं

गुजरात जायंट्स- क्रिस गेल, लियाम प्लंकेट, मोर्ने वान विक, लेंडल सिमंस, असोहर अफोहान, जेरोम टेलर, पारस खाडा, सीकुगे प्रसन्ना, कमाउ लेवररॉक, साइब्रांड एनोएलब्रेक्ट, शैनन गेब्रियल, समर क्वाड्री, मोहम्मद कैफ, श्रीसंत, और शिखर धवन (कप्तान)।

कोणार्क सूर्या ओडिशा- इरफान पठान (कप्तान), यूसुफ पठान, केविन ओ'ब्रायन, रॉस टेलर, विनय कुमार, रिचर्ड लेवी, दिलशान मुनावीरा, शाहबाज़ नदीम, फिदेल एडवर्ड्स, बेन लाफलिन, राजेश बिश्नोई, प्रवीण तांबे, दिवेश पठानिया, केपी अपन्ना, अंबाती रायडू और नवीन स्टीवर्ट।

मणिपाल टाइगर्स - हरभजन सिंह (कप्तान), रॉबिन उथप्पा, थिसारा परेरा, शेल्डन कॉटरेल, डैन क्रिश्चियन, एंजेलो परेरा, मनोज तिवारी, असेला गुणारत्ने, सोलोमन मायर, अनुरीत सिंह, अबू नेचिम, अमित वर्मा, इमरान खान, राहुल शुक्ला, अमितोज सिंह, प्रवीण गुप्ता, और सौरभ तिवारी।

इंडिया कैपिटल्स- एशले नर्स, बेन डंक, ड्वेन स्मिथ, कॉलिन डी ओरांडहोम, नमन ओझा, धवल कुलकर्णी, क्रिस मपोफू, फैज फजल, इकबाल अब्दुल्ला, किर्क एडवर्ड्स, राहुल शर्मा, पंकज सिंह, ज्ञानेश्वर राव, भरत चिपली, परविंदर अवाना। पवन सुयाल, मुरली विजय और इयान बेल (कप्तान)।

सदर्न सुपरस्टार्स - दिनेश कार्तिक (कप्तान), एल्टन चिगुंबुरा, हैमिल्टन मसाकाद्जा, पवन नेगी, जीवन मेंडिस, सुरंगा लकमल, श्रीवत्स गोस्वामी, हामिद हसन, नाथन कूल्टर नाइल, चिराग गांधी, सुबोथ भाटी, रॉबिन बिस्ट, जेसल कारी, चतुरंगा डी सिल्वा और मोनू कुमार।

अर्बनराइजर्स हैदराबाद- सुरेश रैना (कप्तान), गुरकीरत सिंह, और पीटर ट्रेगो, समीउल्लाह शिनवारी, जॉर्ज वर्कर, इसुरु उदाना, रिक्की क्लार्क, स्टुअर्ट बिन्नी, जसकरन मल्होत्रा, चैडविक वाल्टन, बिपुल शर्मा, नुवान प्रदीप और योगेश नागर।

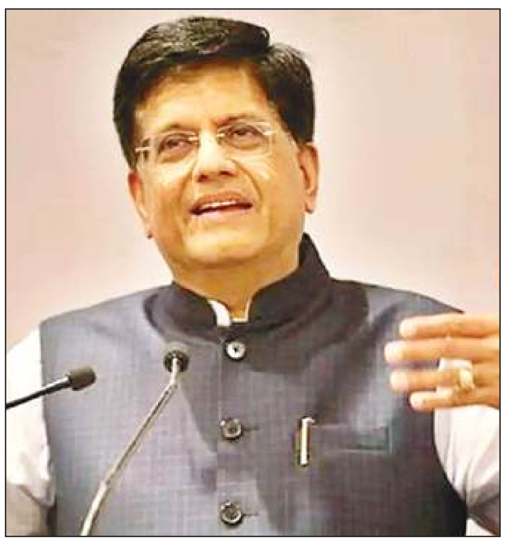

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 21वीं आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों की बैठक में लेंगे भाग

नई दिल्ली,20 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 21वीं आसियान-भारत आर्थिक मंत्रियों (एईएम-भारत) और 12वीं पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन आर्थिक मंत्रियों की बैठकों (ईएएस ईएमएम) में भाग लेंगे। वाणिज्य मंत्री इन दोनों बैठकों में शामिल होने के लिए 20-21 सितंबर 2024 को वियनतियाने, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक (लाओस) का दौरा करेंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि एईएम-भारत की बैठक में मंत्रीगण आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा के लिए वार्ता में प्रगति की समीक्षा करेंगे। इस दौरान पीयूष गोयल दो संस्थागत बैठकों के दौरान भाग लेने वाले देशों के अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इसके अलावा वाणिज्य मंत्री मेजबान देश लाओ पीडीआर के मंत्री और कोरिया, मलेशिया, स्विट्जरलैंड और म्यांमार के दौरे पर आए

वाणिज्य मंत्री वियनतियाने, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक का करेंगे दौरा

मंत्रियों के साथ बैठकें करेंगे। गोयल आसियान महासचिव और एशिया और प्रशांत के लिए एक प्रमुख शोध संस्थान ईआरआईए के अध्यक्ष से भी मिलेंगे। इसके साथ ही वाणिज्य मंत्री लाओ पीडीआर में भारतीय प्रवासियों के साथ भी बातचीत करेंगे और भारत के साथ-साथ आसियान के एक उद्योग प्रतिनिधिमंडल से भी मिलेंगे। मंत्रालय के मुताबिक आसियान की अपने संवाद भागीदारों के साथ ये सालाना बैठकें इस वर्ष लाओ पीडीआर के द्वारा आयोजित की जा रही हैं, जो वर्ष 2024 के लिए आसियान का अध्यक्ष है। ईएएस-ईएमएम में 10 आसियान देशों और 8 अन्य ईएएस भागीदारों में भारत, अमेरिका, रूस, चीन, जापान, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के आर्थिक मामलों के मंत्री भाग ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत 1992 में आसियान में शामिल हुआ और 2022 में इसका व्यापक रणनीतिक साझेदार बन गया। आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति के केंद्र में है, जिसकी घोषणा 2014 में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। आसियान भारत के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों में से एक है। पिछले दो लगातार वर्षों से आसियान भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एक्सिस बैंक बन सकता है सबसे बड़ा यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर

नई दिल्ली। यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइड करने के मामले में एक्सिस बैंक देश के सबसे बड़े यूपीआई पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर यस बैंक को पछाड़ने की स्थिति में आ गया है। नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर के महीने में ही एक्सिस बैंक इस मामले में यस बैंक वह पीछे छोड़ते हुए आगे निकल जाएगा। एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार यस बैंक ने अगस्त 2024 में पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर बैंक के रूप में कुल 5.14 अरब ट्रांजैक्शन किया, जबकि इसी अवधि में एक्सिस बैंक ने 5.13 अरब ट्रांजैक्शन किया। हालांकि दोनों बैंकों के बीच का ट्रांजैक्शन गैप पिछले साल अगस्त के महीने में 1.50 अरब का था। यानी 1 साल की अवधि में ट्रांजैक्शन गैप में काफी कमी आ गई है। यूपीआई पेमेंट सर्विस के लिए यस बैंक और देश के सबसे बड़े यूपीआई सर्विस प्रोवाइडर फोन-पे के बीच सर्विस पार्टनरशिप है। इसी सर्विस पार्टनरशिप की वजह से यस बैंक यूपीआई पेमेंट सर्विस के मामले में अभी तक सबसे बड़ा सर्विस प्रोवाइडर बना हुआ था। लेकिन यस बैंक में पिछले दिनों संकट होने पर फोन पे के ट्रांजैक्शन में भी अड़चन आने लगी थी। ऐसी स्थिति में एनपीसीआई में सभी यूपीआई एप्स को किसी खास बैंक पर अपने निर्भरता कम करने और कस्टमर के लिए मल्टीपल वर्चुअल पेमेंट ऐड्रेस (एमवीपीए) बनाने का निर्देश दिया था। ऐसा होने पर फोन-पे ने किसी भी संकट की स्थिति को टालने के लिए नई रणनीति बनाते हुए एक्सिस बैंक के साथ भी सर्विस पार्टनरशिप कर ली। बताया जा रहा है कि एक्सिस बैंक ने फोन-पे को यस बैंक की तुलना में ज्यादा पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर फीस देने की बात भी मंजूर कर ली है। ऐसी स्थिति में फोन-पे नए कस्टमर्स को एक्सिस बैंक के गेटवे के साथ जोड़ रहा है। इसके साथ ही धीरे-धीरे वो यस बैंक के मौजूदा कस्टमर को भी एक्सिस बैंक के प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट कर रहा है। एक्सिस बैंक के तेजी से आगे बढ़ने के पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि एक्सिस बैंक एक साथ कई यूपीआई एप्स के साथ काम कर रहा है।

फिजिक्सवाला ने वित्त पोषण चक्र में जुटाए 21 करोड़ डॉलर

PHYSICS WALLAH

नई दिल्ली। शिक्षण प्रौद्योगिकी फिजिक्सवाला ने हॉर्नबिल कैपिटल की अगुवाई में वित्त पोषण चक्र में 21 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। इसका मूल्यांकन 2.5 गुना बढ़कर 2.8 अरब डॉलर हो गया है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि मौजूदा निवेशकों जीएसवी और वेस्टब्रिज के साथ लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स ने भी इस वित्त पोषण चक्र में हिस्सा लिया। बयान के अनुसार फिजिक्सवाला प्राइवेट लिमिटेड (पीडब्ल्यू) ने अपने सीरीज बी वित्त पोषण चक्र को पूरा कर लिया है, जिसमें 21 करोड़ डॉलर जुटाए गए हैं। इस निवेश से कंपनी का मूल्यांकन 2.8 अरब डॉलर हो गया है, जो इसके पिछले मूल्यांकन 1.1 अरब डॉलर से 2.5 गुना अधिक है।

आईफोन-16 की बिक्री शुरू, दिल्ली और मुंबई के स्टोर पर लोगों की लंबी लाइन

नई दिल्ली। भारत में आईफोन-16 सीरीज के मोबाइल फोन की बिक्री होने लगी गई। एप्पल के नई दिल्ली और मुंबई दोनों के आधिकारिक स्टोर सुबह 8 बजे खुल गए। आईफोन-16 खरीदने के लिए लोग नई दिल्ली के साकेत स्थित सेलेक्ट सिटी वॉक में लंबी कतार में खड़े दिखे। एप्पल के स्टोर 11 बजे सुबह खुलते हैं। लेकिन, एप्पल के नए फोन खरीदने के लिए दोनों स्टोर के बाहर लोगों की लंबी लाइन लगी हुई है। कंपनी ने 9 सितंबर को अपने इस साल के सबसे बड़े इवेंट इट्स ग्लोटाइम में एआई फीचर्स के साथ आईफोन-16 सीरीज लॉन्च किया था। इसमें आईफोन-16, आईफोन-16 प्लस, आईफोन-16 प्रो और आईफोन-16 प्रो मैक्स शामिल हैं। एप्पल ने 13 सितंबर को इनकी बुकिंग की शुरुआत कर चुकी की है। इसके कस्टमर्स फोन को ऑफिशियल वेबसाइट और ई-कॉमर्स वेबसाइट फ्लिपकार्ट और अमेजन से बुक कर सकते हैं। भारत में आईफोन-16 की शुरुआती कीमत 79,900 रुपये है, जबकि प्रो मैक्स की कीमत 1,44,900 रुपये है। अमेरिका में यही आईफोन-16 मॉडल 799 डॉलर (67,100 रुपये) और प्रो मैक्स 1199 डॉलर (1,00,692 रुपये) में मिल रहा है। हालांकि, आईफोन-16 सीरीज के मॉडल्स भारत में भी असेंबल हो रहे हैं। लेकिन, प्रो मैक्स मॉडल भारत में अमेरिका के मुकाबले करीब 44 हजार रुपये और आईफोन-16 मॉडल करीब 13 हजार महंगा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

प्रसाद के...

मछली का तेल, गोमांस और सूअर की चर्बी मिली हुई थी। समूचा देश इस रिपोर्ट को देख कर सन्नाटे में आ गया। किसी को उम्मीद नहीं थी कि आस्था का इतना बड़ा केंद्र तिरुपति मंदिर ऐसे घृणित षडयंत्र का शिकार होगा। सवाल उठने शुरू हुए, लोगों ने विरोध करना शुरू किया। लेकिन इन सबमें सबसे ज्यादा सक्रिय हुआ लिबरल, वामपंथियों और इस्लामिक कट्टरपंथियों का गिरोह। इन तत्वों ने खुलेआम खुशी जताई कि आखिरकार हिंदुओं ने बीफ का सेवन कर ही लिया। कुछ लोग यह भी तर्क देते दिखे कि जो हो गया वो हो गया, अब मामले पर आगे नहीं बोला जाना चाहिए क्योंकि ये कोई बड़ी बात नहीं है। उनके मुताबिक कई मंदिरों में घटिया क्वालिटी के घी का प्रयोग होता है और तमाम हिंदू मांसाहारी भी हैं तो इसलिए इस खुलासे से इतना फर्क नहीं पड़ना चाहिए। बड़ी मक्कारी से इस मामले को हिंदुओं के खान-पान से जोड़कर हल्का दिखाने का प्रयास हो रहा है जबकि विवाद खान-पान का नहीं, बल्कि हिंदुओं की आस्था और विश्वास के खिलाफ सुनियोजित षडयंत्र का है।

भारत में विभिन्न वर्ग के लोग रहते हैं। सबका अपना खान-पान है। कोई शाकाहारी है कोई मांसाहारी। हिंदू भी ऐसे ही हैं। इनमें कुछ लोग हैं जो प्याज लहसुन को भी हाथ नहीं लगाते, लेकिन वही कुछ हैं जो मांसाहारी भी हैं। खान-पान के हिसाब से इन्हें दो वर्गों में रखा जा सकता है, लेकिन आस्था की बात आते ही ये एक होते हैं। हिंदू धर्म में गोमांस वर्जित है और सनातन मानने वाले इससे पूरा परहेज करते हैं। फिर आखिर किस तरीके से ये कहा जा सकता है कि जो मांसाहारी हैं वो इस मुद्दे का बवाल न मचाएं। खान-पान निजी मामला हो सकता है लेकिन उन्हें धोखे में रखकर ऐसी चीजें उन्हें खिलाना कहां तक उचित है? जांच रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि तिरुपति मंदिर में वितरित प्रसाद के लड्डू बनाने में बीफ चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल किया गया।

घर में भगवान की पूजा करते समय प्रयास किए जाते हैं कि भगवान को लगने वाला प्रसाद शुद्ध तरीके से निर्मित हो, फिर इतने बड़े मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद के साथ ऐसा खिलवाड़ बर्दाश्त योग्य कैसे योग्य हो सकता है? इतनी बड़ी घटना के बाद भी हिंदू शांत हैं। उनके लिए शायद विरोध का अर्थ केवल सोशल मीडिया पर पोस्ट-पोस्ट खेलना होता है। यदि ज्यादा गंभीर मामला है तो धड़ाधड़ पोस्ट करते हैं और अगर छोटा-मोटा मामला है तो एक दो ट्वीट के बाद भूल जाते हैं। लेकिन क्या यही षडयंत्र अगर किसी अन्य मजहब का उड़ता तो क्या आपको लगता है वो इस प्रकार नाराजगी व्यक्त करते?

एक समय ऐसा भी था जब गोमांस के सहारे ब्रिटिशों ने भी हिंदुओं की आस्था भंग करनी चाही थी। हालांकि उस समय गुलाम देश में होते हुए हिंदुओं का विरोध जमीनी था। नतीजा ये हुआ कि भारतीय हिंदुओं ने ब्रिटिशों के दिए गेहूं, आटे, रोटी किसी चीज को हाथ लगाना बंद कर दिया। घी में जानवरों की चर्बी की बात आई, दवाओं में गाय और सूअर के मांस के मिलावट की। हिंदुओं ने सब छोड़ दिया। इसी चर्बी कांड के कारण 1857 में अंग्रेजों के खिलाफ पहली क्रांति हुई जिसे सिपाही गदर कह कर निपटाने की कोशिश की गई थी।तिरुपति मंदिर की घटना के बाद भी देश में हिंदुओं का आक्रोश नजर नहीं आ रहा है। हिंदुओं को जगाने के लिए ही दक्षिण में सनातन धर्म रक्षा बोर्ड लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है। आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने इस बोर्ड की मांग करते हुए हिंदुओं को एकजुट होने की अपील की है। इससे यह उम्मीद की जा रही है कि शायद तिरुपति की इस घटना के बाद हिंदुओं के जागृत होने की लहर दक्षिण से उठे, ठीक वैसे जैसे 1200 साल पहले हुआ था। 8वीं सदी में जब भारत भूमि पर सनातन पर खतरा धर्म क्षीण होने लगा था, हिंदू पथ से भ्रमित होने लगे थे, तब धर्म की पुनर्स्थापना के लिए आदि शंकराचार्य अपनी यात्रा पर निकले। उन्होंने रणनीति बनाई और विभिन्न धर्म केंद्रों की यात्रा के दौरान उपस्थित धर्म गुरुओं को तर्क और शास्त्रार्थ की चुनौती देते रहे। यह आदि शंकराचार्य का चमत्कार ही था कि पूरे भारतवर्ष में उन्हें कोई भी नहीं हरा पाया। धीरे-धीरे धर्म छोड़कर गए धर्म गुरू वापस सनातन में लौटने लगे। उनके द्वारा स्थापित किए गए चार मठ (वर्धन पुरी मठ (जगन्नाथ पुरी), श्रंगेरी पीठ (रामेश्वरम्), शारदा मठ (द्वारका) और ज्योतिर्मठ (बद्रीनाथ धाम)) ही हैं जिन्हें आज चार धाम के नाम से जाना जाता है।

सनातन धर्म रक्षा ...

इस सन्दर्भ में हमारी सरकार हर संभव सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, यह प्रकरण मंदिरों के अपमान, भूमि संबंधी मुद्दों और अन्य धार्मिक प्रथाओं से जुड़े कई मुद्दों पर चिंतनीय प्रकाश डालता है। अब समय आ गया है कि पूरे भारत में मंदिरों से जुड़े सभी मुद्दों पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अविलंब सनातन धर्म रक्षा बोर्ड का गठन किया जाए। उन्होंने कहा, सभी नीति निर्माताओं, धार्मिक प्रमुखों, न्यायपालिका, आम नागरिकों, मीडिया और अपने-अपने क्षेत्रों के अन्य सभी दिग्गजों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर एक सार्थक बहस होनी चाहिए। मेरा मानना है कि हम सभी को किसी भी रूप में सनातन धर्म के अपमान को रोकने के लिए अविलंब एक साथ आना चाहिए।

बता दें कि तिरुपति के प्रसाद में हुई गड़बड़ी को लेकर तिरुमाला मंदिर के पूर्व पुजारी रमना दीक्षितुलु ने भी राय रखी है। उन्होंने कहा, प्रसाद बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले गाय के घी में बहुत सारी अशुद्धियां थीं और यह घटिया क्वालिटी का था। मैंने कई साल पहले इस पर ध्यान दिया था। मैंने इसे संबंधित अधिकारियों और ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष के सामने रखा था। लेकिन उन्होंने इसकी परवाह नहीं की। पूर्व पुजारी बोले, पहले ये मेरे लिए अकेले की लड़ाई थी, लेकिन अब, नई सरकार ने सत्ता संभाली है और उसने सारी अशुद्धियां साफ करने का वादा किया है। उन्होंने पहले ही सरकारी डेयरियों से शुद्ध गाय का घी खरीद लिया है और वे अब शुद्ध घी से खाद्य सामग्री तैयार कर रहे हैं। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि इस तरह के महान पाप मंदिर में न दोहराए जाएं, जो एक पवित्र मंदिर है जिसमें करोड़ों भक्तों की गहरी आस्था और भक्ति है।

कांग्रेस के...

पीएम मोदी ने कहा, आज देश की सबसे बेईमान और सबसे भ्रष्ट कोई पार्टी है, तो वह कांग्रेस पार्टी है। देश का सबसे भ्रष्ट परिवार कोई है, तो वह कांग्रेस का शाही परिवार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की कांग्रेस को गणपति पूजा से भी नफरत है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र की धरती गवाह है, आज़ादी की लड़ाई में लोकमान्य तिलक के नेतृत्व में गणपति उत्सव भारत की एकता का उत्सव बन गया था। गणेश उत्सव में हर समाज, हर वर्ग के लोग एक साथ जुड़ते थे। इसीलिए, कांग्रेस पार्टी को गणपति पूजा से भी चिढ़ है। मैं गणेश पूजन कार्यक्रम में चला गया, तो कांग्रेस का तुष्टिकरण का भूत जाग उठा, कांग्रेस गणपति पूजा का विरोध करने लगी।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस शासित कर्नाटक में गणपति शोभायात्रा पर हमले और विघ्न की घटना का भी जिक्र किया और कहा, तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस कुछ भी कर रही है। आपने देखा है, कर्नाटक में तो कांग्रेस सरकार ने गणपति बप्पा को ही सलाखों के पीछे डाल दिया। गणपति की जिस मूर्ति की लोग पूजा कर रहे थे, उसे पुलिस वैन में कैद करवा दिया। उन्होंने मराठी में कहा, महाराष्ट्र में गणपतीची आराधना करीत होता आणि कर्नाटकात गणपतीची मूर्ती पोलिस वैन मद्धे होती?

ऐसी घटनाओं पर कांग्रेस के सहयोगियों के मौन पर प्रधानमंत्री ने कहा, पूरा देश गणपति के इस अपमान को देखकर आक्रोशित है। मैं हैरान हूं, इस पर कांग्रेस के सहयोगियों के मुंह पर भी ताला लग गया है। उन पर भी कांग्रेस की संगत का ऐसा रंग चढ़ा है कि गणपति के अपमान का भी विरोध करने की उनमें हिम्मत नहीं बची है। पीएम मोदी ने लोगों को विकास के एजेंडे के साथ खड़ा होने का आह्वान करते हुए कहा, हमें एकजुट होकर कांग्रेस के इन पापों का जवाब देना है। हमें परंपरा और प्रगति के साथ खड़ा होना है। हमें सम्मान और विकास के एजेंडे के साथ खड़ा होना है। हम साथ मिलकर महाराष्ट्र की अस्मिता को बचाएंगे। हम सब साथ मिलकर महाराष्ट्र का गौरव और बढ़ाएंगे।

भगवान को...

उन्होंने कहा कि वे पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएंगे। पिछली सरकार का नेतृत्व सीएम जगन मोहन रेड्डी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2019 से 2024 तक जगनमोहन रेड्डी की सरकार में प्रसाद के लड्डू बनाने के लिए जिस घी का इस्तेमाल होता था वह गाय का शुद्ध घी नहीं था बल्कि मिलावटी थी। उन्होंने कहा कि बालाजी के दर्शन के बाद श्रद्धालु लड्डू प्रसाद लेते हैं। जगनमोहन रेड्डी की सरकार के दौरान रोज लड्डू बनाने के लिए 14 टन घी का इस्तेमाल होता था। दुर्भाग्य से यह मिलावटी था। रिपोर्ट में पता चला है कि इसमें जानवरों की चर्बी मिलाई गई थी।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को बड़ा दावा किया था जिसपर सियासत गर्म हो गई है। उन्होंने कहा था कि तिरुपति के लड्डुओं में जानवरों की चर्बी मिलाकर घृणित राजनीति की गई है। उन्होंने कहा कि पिछली वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू बनाने के लिए घटिया सामग्री और पशु चर्बी का इस्तेमाल किया। वहीं, टीडीबी के प्रवक्ता अनम वेंकट रमण ने कहा कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा उपलब्ध कराए गए घी के नमूनों में गुजरात स्थित पशुधन प्रयोगशाला द्वारा मिलावट की पुष्टि की गई है। उन्होंने प्रयोगशाला रिपोर्ट दिखाई, जिसमें दिए गए घी के नमूने में पशु की चर्बी और मछली के तेल की मौजूदगी का भी दावा किया गया है। नमूने लेने की तारीख नौ जुलाई 2024 थी और प्रयोगशाला रिपोर्ट 16 जुलाई की थी।

टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी श्यामला राव ने भी कहा कि प्रयोगशाला परीक्षणों में नमूनों में पशु चर्बी की मौजूदगी का पता चला है। उन्होंने कहा, टेस्टिंग के भेजे गए चारों नमूनों की रिपोर्ट में एक जैसे नतीजे आए। इसलिए हमने तुरंत घी की आपूर्ति को रोक दिया है। ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जुर्माना लगाने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। इसके अलावा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

आतंकी पन्नू की...

मैं केवल आपका ध्यान इस विशेष मामले के पीछे के व्यक्ति की ओर आकर्षित करना चाहूंगा, जिसका इतिहास सर्वविदित है। उन्होंने कहा, मैं इस तथ्य को भी रेखांकित करना चाहूंगा कि पन्नू जिस संगठन का प्रतिनिधित्व करता है, वह एक गैरकानूनी संगठन है, जिसे 1967 के गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकी संगठन घोषित किया गया है। ऐसा भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बाधित करने के उद्देश्य से राष्ट्र-विरोधी और विध्वंसक गतिविधियों में शामिल होने के कारण किया गया है। गुरपतवंत सिंह पन्नू सिख फॉर जस्टिस नाम का एक अलगाववादी संगठन चलाता है, जो हमेशा भारत के खिलाफ प्रोपगेंडा फैलाता है। पन्नू भारत द्वारा घोषित एक आतंकवादी भी है। उसके पास अमेरिका और कनाडा की नागरिकता है। उस पर भारत और उसके हितों के खिलाफ साजिश रचने के कई आरोप पर हैं।

इससे पहले नवंबर में अमेरिकी न्याय विभाग ने पन्नू की हत्या की साजिश में कथित संलिप्तता के लिए एक भारतीय नागरिक के खिलाफ अभियोग पत्र जारी किया था। न्याय विभाग ने दावा किया था कि मैनहट्टन में संघीय अदालत में दायर अभियोग पत्र में बिना पहचान वाले एक भारतीय सरकारी कर्मचारी ने हत्या के लिए एक हत्यारे को नियुक्त करने के लिए निखिल गुप्ता नामक एक भारतीय नागरिक की भर्ती की थी। न्याय विभाग ने कहा कि अभियोग में शामिल आरोप केवल आरोप हैं और जब तक दोषी साबित नहीं हो जाता, तब तक प्रतिवादी को निर्दोष माना जाता है। इस पर भारत ने अमेरिकी सरकार की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए एक उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया था। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत ऐसे इनपुट को गंभीरता से लेता है, क्योंकि ये राष्ट्रीय सुरक्षा हितों पर भी असर डालते हैं।

बांग्लादेशी-रोहिंग्या ...

मैं हेमंत सोरेन से पूछना चाहता हूं कि क्या वह राशि धीरज साहू की है? नहीं, यह संथाल परगना के गरीब युवाओं का पैसा था।

विपक्षी इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए लालू यादव की पार्टी राजद, हेमंत सोरेन की झामुमो और राहुल बाबा की कांग्रेस के वोट बैंक हैं। वे अपने वोट बैंक के डर से घुसपैठ नहीं रोकते, हमारे राज्य में, संथाल परगना में, घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है और वे आदिवासियों की संख्या से अधिक हैं। शाह ने पूछा, हेमंत सोरेन ने हर साल 5 लाख नौकरियां देने का वादा किया था, क्या उन्होंने वह दिया? साहिबगंज में जनसभा को संबोधित करने के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संथाल में ब्रिटिश शासन के खिलाफ आवाज उठाने वाले सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। सिद्धू-कान्हू ने ही संथाल विद्रोह का नेतृत्व किया था।

गिरिडीह में रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि झारखंड में जेएमएम के नेतृत्व वाली सरकार ने आदिवासियों, दलितों और महिलाओं के साथ अन्याय किया है। इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा झारखंड में दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। उन्होंने आगे कहा कि अगर घुसपैठ पर रोक नहीं लगी तो 25-30 साल में अवैध अप्रवासी बहुसंख्यक हो जाएंगे। गृहमंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में आगे कहा-केंद्र की यूपीए सरकार ने 10 साल में झारखंड को 84,000 करोड़ रुपए दिए, पीएम मोदी ने 3.81 लाख करोड़ रुपए मंजूर किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि खनिज संपदा से भरपूर झारखंड में देश का खजाना भरने की क्षमता है, लेकिन युवा नौकरी के लिए दूसरे राज्यों में जाते हैं।

इस्लामिक और ...

भारत के विभिन्न हिस्सों में फैले माओवादी या नक्सलवादी समूह, मुख्य रूप से झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार और ओड़ीशा जैसे राज्यों में सक्रिय हैं। इन समूहों का मुख्य उद्देश्य भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को गिराकर एक वैकल्पिक कम्युनिस्ट सरकार की स्थापना करना है। लेफ्ट विंग आतंकवाद का सबसे प्रमुख और चिंताजनक पहलू यह है कि यह न केवल सुरक्षा बलों के लिए खतरा बन रहा है, बल्कि आम नागरिकों और विकासात्मक परियोजनाओं को भी निशाना बना रहा है। इन उग्रवादी समूहों का मुख्य वित्तपोषण अवैध गतिविधियों जैसे कि मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स, और हथियारों के अवैध व्यापार से होता है। एफएटीएफ ने कहा है कि लेफ्ट विंग समूह भारत सरकार के खिलाफ साजिश रच रहे हैं और उन्हें उखाड़ फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। यह समूह न केवल हिंसा का सहारा ले रहे हैं, बल्कि आर्थिक रूप से भी मजबूत हो रहे हैं, जिसके चलते इनके खिलाफ लड़ाई और भी कठिन हो जाती है। रिपोर्ट में यह बताया गया है कि माओवादी और नक्सलवादी समूह न केवल आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं, बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी समर्थन प्राप्त कर रहे हैं। इन समूहों की मनी लॉन्ड्रिंग की गतिविधियों पर भी निगरानी की गई है और एफएटीएफ ने इस पर चिंता जताई है कि ये समूह किस तरह से अपने वित्तपोषण को छिपाने के लिए जटिल मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारत सरकार ने लेफ्ट विंग आतंकवाद से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। सरकार ने समाधान योजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देना और उग्रवादियों का आत्मसमर्पण कराना है। इसके तहत प्रभावित राज्यों में सुरक्षा बलों की तैनाती भी बढ़ाई गई है और इंटेलिजेंस नेटवर्क को मजबूत किया गया है। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है ताकि माओवादी हिंसा से निपटा जा सके।

विशेष रूप से प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों, स्कूलों और अस्पतालों का निर्माण करके वहां के नागरिकों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार ने न केवल सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ाई है, बल्कि उन्हें आधुनिक हथियारों और तकनीकों से लैस किया है ताकि वे उग्रवादियों का सामना कर सकें। साथ ही, भारत ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी बढ़ाया है ताकि आतंकवादी वित्तपोषण पर पूरी तरह से रोक लगाई जा सके।सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि एफएटीएफ की सिफारिशों का पालन करते हुए भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवादी संगठनों को मिलने वाला वित्तपोषण पूरी तरह से बंद हो सके। साथ ही, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को तेज करना भी जरूरी है, ताकि वहां के लोग उग्रवाद का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ सकें। भारत के लिए लेफ्ट विंग टेररिज्म को खत्म करना न केवल आंतरिक सुरक्षा का सवाल है, बल्कि यह देश के विकास और समृद्धि के लिए भी जरूरी है।

चुनावी दंगल में...

उनका मानना है कि जम्मू कश्मीर के मुद्दों का समाधान लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। डार ने कहा कि हम चुनावी प्रक्रिया के जरिए ही समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। सभी को अपना वोट देकर चुनावी प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। उन्होंने अपने पिछले रुख से अलग हटकर कहा। पूर्व आतंकवादी फारूक अहमद डार, जिन्हें सैफुल्लाह फारूक के नाम से भी जाना जाता है, हब्बा कदल निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। फारूक, जो 1989 में आतंकवाद में शामिल हुए और पाकिस्तान में हथियारों का प्रशिक्षण प्राप्त किया, अब अपने फैसले पर पछता रहे हैं।

पत्रकारों के साथ बात करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय सभी ने बंदूक उठा ली थी। कश्मीर में पाकिस्तानी एजेंटों ने हमें गुमराह किया। एक साल तक आतंकवाद में रहने के बाद, उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और करीब पांच साल जेल में बिताए। फारूक, जिन्होंने पहले 2019 में भाजपा के टिकट पर नगर निगम का चुनाव लड़ा था, अब मतदाताओं से समर्थन की अपील कर रहे हैं, जिसमें कश्मीर में पाकिस्तान के हस्तक्षेप का विरोध किया जा रहा है। प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी के सदस्य सयार अहमद ने बताया कि 1987 के चुनावों के बाद से चुनावी प्रक्रिया से उनकी अनुपस्थिति कथित धांधली के कारण थी।सयार कहते हैं कि हमने कभी भी चुनाव बहिष्कार का आह्वान नहीं किया। हम चुनावों से दूर रहे क्योंकि 1987 के विधानसभा चुनावों में धांधली हुई थी जिसमें जमात-ए-इस्लामी के उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनावों में भाग लेना अब क्षेत्र के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को हल करने का एकमात्र तरीका माना जाता है।

जानें क्यों मनाया जाता है जीवित्पुत्रिका व्रत, पूजा विधि और पारण का समय

हिंदू धर्म में जीवित्पुत्रिका व्रत एक महत्वपूर्ण त्योहार है। माताओं द्वारा अपने बच्चों की लंबी उम्र और स्वास्थ्य के लिए इस व्रत को रखा जाता है। इसे जितिया व्रत और जिउतिया व्रत भी कहा जाता है। बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में महिलाओं द्वारा व्यापक रूप से मनाया जाने वाला जितिया व्रत सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है। ऐसे में इस व्रत का अपना एक खास महत्व है। हर साल आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जितिया का निर्जला व्रत रखे जाने का विधान है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने बच्चों की भलाई और बेहतर जीवन के लिए 24 घंटे का निर्जला व्रत रखती हैं।

तीन दिनों तक चलने वाले जितिया व्रत के शुभ दिन पर भगवान सूर्य की पूजा करने का महत्व है। इस दौरान व्रत रखने वाली महिलाएं पूरे दिन न तो भोजन करती हैं न पानी पीती हैं। व्रत का समापन पारण के साथ किया जाता है। हर साल की तरह इस साल 24 सितंबर मंगलवार को जितिया व्रत का नहाय खाय किया जाएगा। वहीं बुधवार 25 सितंबर को व्रत रखा जाएगा। इसके बाद गुरुवार 26 सितंबर को पारण के साथ व्रत खत्म किया जाएगा।

जितिया के दिन भगवान विष्णु, शिव और भगवान सूर्य की पूजा की जाती है। उगते और डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इस व्रत में महिलाएं जीमूतवाहन भगवान की पूजा करती हैं। जीमूतवाहन की मूर्ति स्थापित कर पूजन सामग्री के साथ पूजा किया जाता है। घर की महिलाएं मिट्टी और गाय के गोबर से चील और सियारिन की छोटी-छोटी मूर्तियां बनाती हैं। उसके बाद इन मूर्तियों के माथे पर सिंदूर का टीका लगाकर जीवित्पुत्रिका व्रत की कथा सुनती हैं।

इस व्रत को लेकर कई तरह की किदवंतियां प्रचलित हैं। ऐसे में हम आपको बताने वाले हैं कि भगवान जीमूतवाहन कौन हैं और उनके साथ जितिया व्रत का विधान कैसे जुड़ा हुआ है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान जीमूतवाहन के पिता गंधर्व के शासक थे। लंबे समय तक शासन करने के बाद उन्होंने महल छोड़ दिया और अपने पुत्र को राजा बनाकर जंगल में चले गए। जीमूतवाहन उनके बाद राजा बने। जीमूतवाहन ने अपने पिता की उदारता और करुणा को अपने राजकाज के कामों में लागू किया। उन्होंने काफी समय तक शासन किया, उसके बाद उन्होंने भी राजमहल छोड़ दिया और अपने पिता के साथ जंगल में रहने लगे। जहां उनका विवाह मलयवती नाम की एक कन्या से हुआ। एक दिन जीमूतवाहन को जंगल में एक वयोवृद्ध महिला रोती हुई मिली। उसके चेहरे पर एक भयानक भाव था। जीमूतवाहन ने उससे उसकी परेशानी का वजह पूछा, तो उसने बताया कि गरुड़ पक्षी को नागों ने वचन दिया है कि वह पाताल लोक में न प्रवेश करें, वे हर रोज एक नाग उनके पास आहार के रूप में भेज दिया करेंगे।

उस वृद्ध महिला ने जीमूतवाहन को बताया कि इस बार गरुड़ के पास जाने की बारी उनके बेटे शंखचूड़ की है। अपने पिता की तरह दयालु हृदय वाले जीमूतवाहन ने कहा कि वह उनके बेटे को कुछ नहीं होने देंगे। इसके बजाय उन्होंने खुद को गरुड़ को भोजन के रूप में पेश करने का बात कही। जीमूतवाहन ने खुद को लाल कपड़े में लपेटा और गरुड़ के पास पहुंचे, गरुड़ पक्षी ने जीमूतवाहन को नाग समझकर अपने पंजों में उठा लिया। इसके बाद जीमूतवाहन ने गरुड़ को पूरी कहानी सुनाई कि कैसे उन्होंने किसी और के जीवन के लिए खुद को बलिदान कर दिया। जीमूतवाहन की दयालुता से प्रभावित होकर गरुड़ ने उसे जीवनदान दे दिया तथा भविष्य में कभी किसी का जीवन न लेने का वचन दिया।

पितृ पक्ष के चौथे दिन क्या करें, जानें शुभ मुहूर्त से लेकर नियम

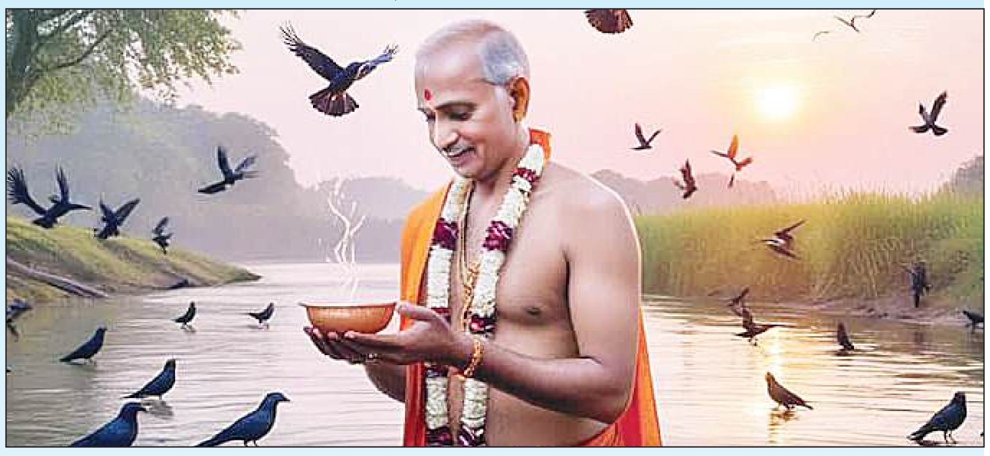

आश्विन मास की कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से अमावस्या तक पितृ पक्ष चलता है। पितृपक्ष के दौरान व्यक्ति अपने पितरों को याद करता है। पितृपक्ष के अवसर पर लोग पितरों का पिंडदान करते हैं। पितृपक्ष के दौरान खान-पान से लेकर आचार-विचार पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस मौके पर घर में कुछ भी खरीदना या किसी भी तरह का कोई शुभ काम नहीं किया जाता है। शनिवार 21 सितंबर को पितृ पक्ष का चौथा दिन है। आइए जानते हैं चौथे दिन के अवसर पर श्राद्ध के नियम और शुभ मुहूर्त के बारे में

चौथे दिन का श्राद्ध किसके लिए?

पितृ पक्ष के महीने में चौथे दिन का श्राद्ध उन मृत परिजनों के लिए किया जाता है, जिनकी मौत चतुर्थी तिथि को हुई थी। चतुर्थी तिथि को चौथ श्राद्ध भी कहा जाता है। पितृ पक्ष श्राद्ध को पार्वण श्राद्ध भी कहा जाता है। श्राद्ध को शुभ मुहूर्त में करने से पितर प्रसन्न होते हैं।

चतुर्थी श्राद्ध के लिए शुभ मुहूर्त

चतुर्थी श्राद्ध के दिन तीन शुभ मुहूर्त है। 21 सितंबर 2024, शनिवार के दिन कुतुप मुहूर्त का समय सुबह 11 बजकर 49 मिनट से लेकर दोपहर के 12 बजकर 38 मिनट तक है। इसके बाद रौहिण मुहूर्त का समय दोपहर 12 बजकर 38 मिनट से शुरू होकर दोपहर के 1 बजकर 27 मिनट तक चलने वाला है। वही अपराह्न काल का समय दोपहर के 1 बजकर 27 मिनट से लेकर 3 बजकर 53 मिनट तक चलने वाला है।

पितृ पक्ष के चौथे दिन के नियम

-श्राद्ध के चौथे दिन पितरों से जुड़े पूजा-अनुष्ठान को शुभ मुहूर्त में करें।

-जिस भी व्यक्ति की कुंडली में पितृ दोष है, वे अपने पितरों की मुक्ति के लिए पिंडदान कर सकता है।

-श्राद्ध के दौरान गंगा नदी में नहाना बेहद शुभ माना जाता है।

-चौथे दिन के श्राद्ध में गाय, कौऐ, कुत्ते, चींटी को गिरा देना चाहिए।

-श्राद्ध के मौके पर ब्राह्मणों को भोजन कराने के साथ दान-दक्षिणा देना चाहिए।

-पितरों की शांति के लिए घर में गायत्री मंत्र का पाठ करना चाहिए।

-इस दौरान घर में आए मेहमानों का अपमान करने से पितर नाराज हो जाते हैं।

-श्राद्ध के महीने में घर में सात्विक माहौल बनाए रखें।

-गौमाता के साथ प्यार से बर्ताव करें और गाय को रोटी बनाकर खिलाएं।

-पितृ पक्ष के दौरान अधिक से अधिक पूजा-पाठ करना चाहिए।

क्या आप भी विजयदशमी और दशहरा को समझते हैं एक, तो जानिए इनके बीच का अंतर

कई लोग विजयदशमी और दशहरा को एक ही समझने की भूल कर बैठते हैं, लेकिन इन दोनों में एक बड़ा अंतर है। जहां एक पर्व मां दुर्गा से जुड़ा है, तो वहीं दूसरे को भगवान राम से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में अगर आप भी इन्हें एक ही समझते हैं, तो आपको इसके बीच का अंतर जरूर जान लेना चाहिए। चलिए जानते हैं इस बारे में।

विजयादशमी का महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार, विजयादशमी हर साल यह पर्व आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मनाया जाता है। इस पर्व को मां दुर्गा से जोड़कर देखा जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, महिषासुर ने अपने कठिन तपस्या से ब्रह्मा जी को प्रसन्न कर लिया और यह आशीष मांगा कि किसी मानव द्वारा मेरी मृत्यु न हो।

तब ब्रह्मा जी ने उसे यह वरदान दे दिया, जिस कारण उसने तीनों लोकों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। इससे मुक्ति पाने के लिए सभी देवताओं ने एक दिव्य शक्ति को प्रकट किया, जिसके हाथ में अस्त्र-शस्त्र थे और वह सिंह पर सवार थीं। तब आदि शक्ति ने 09 दिनो के युद्ध के बाद 10वें दिन महिषासुर का वध किया। इसलिए इस दिन को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है।

इसलिए मनाया जाता है दशहरा

दशहरा हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है। इसे भी अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर ही मनाया जाता है। इस दिन को मुख्य रूप में भगवान श्रीराम जी से जोड़कर देखा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, त्रेतायुग में जब भगवान राम ने इसी तिथि पर दशानन रावण का वध किया, तो इस तिथि को दशहरे के रूप में मनाया जाने लगा। तभी से लोग हर साल इस दिन पर रावण का पुतला बनाकर उसका दहन करते हैं।

किस दिन मनाए जाएंगे ये पर्व

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि का प्रारम्भ 12 अक्टूबर, 2024 को सुबह 10 बजकर 58 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं इस तिथि का समापन 13 अक्टूबर को सुबह 09 बजकर 08 मिनट पर होगा। ऐसे में विजयदशमी और दशहरा का पर्व शनिवार, 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

शारदीय नवरात्र पर लौंग के साथ करें यह सरल उपाय

क्लेश के साथ दूर होगी पैसों की किल्लत

नवरात्र का त्योहार साल में चार बार मनाया जाता है। आश्विन माह में आने वाले नवरात्र को शारदीय नवरात्र के नाम से जाना जाता है। यह दो प्रमुख नवरात्र में से एक है, जिसे पूरे भारत में भव्य उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दौरान लोग मां दुर्गा की पूजा करते हैं और कठिन उपवास का पालन करते हैं। ऐसा कहा जाता कि इस दौरान अगर कुछ उपाय किया जाए, तो वे बहुत कारगर होते हैं। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसा उपाय बताएंगे, जिसे करने से आपको ग्रह क्लेश में राहत मिलेगा।

लौंग के साथ करें यह एक आसान महाउपाय

जिन लोगों के घरों में रोजाना लड़ाई होती है, या किसी न किसी वजह से आपस में मनमुटाव की स्थिति बनी रहती है। उन्हें शारदीय नवरात्र के शुभ अवसर पर एक पीले कपड़े में लौंग का एक जोड़ा बांधकर घर के किसी कोने में टांग देना चाहिए। इस उपाय को करने से घर में विवाद समाप्त होता है। साथ ही पैसों से जुड़ी दिक्कत भी दूर होती है। वहीं, इस उपाय को करते समय इस बात का ध्यान रखें कि उपाय बेहद ही गुप्त तरीके से किया गया हो।

कब से शुरू हो रहे हैं शारदीय नवरात्र?

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 2 अक्टूबर, 2024 को देर रात 12 बजकर 18 पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 4 अक्टूबर को भोर 02 बजकर 58 मिनट पर होगा। उदयातिथि को देखते हुए इस साल शारदीय नवरात्र की शुरुआत 3 अक्टूबर दिन गुरुवार से हो रही है।

विश्व का एकमात्र मंदिर जहां गिलहरी के रूप में विराजमान हैं बजरंगबली

41 दिन पूजा से दूर होते हैं कष्ट!

भारत में श्री राम भक्त हनुमान के मंदिर अनेक हैं। जिनकी अपनी-अपनी अलग मान्यताएं और आस्था है। इन मंदिरों में हनुमान जी की विभिन्न रूपों में पूजा की जाती है। लेकिन अलीगढ़ में एक मात्र ऐसा मंदिर है, जो विश्व में प्रसिद्ध है। यहां पर हनुमान जी की गिलहरी के रूप में पूजा की जाती है। अचल सरोवर के किनारे हनुमान जी का श्री गिलहराज महाराज मंदिर विश्वभर में प्रसिद्ध है। बजरंगबली यहां पर गिलहरी के रूप में पूजे जाते हैं। यहां आसपास करीब 50 से ज्यादा मंदिर हैं, लेकिन गिलहराज जी मंदिर की मान्यता सबसे ज्यादा है।

मंदिर के महंत कैलाश नाथ बताते हैं कि श्री गिलहराज जी महाराज के इस प्रतीक की खोज सबसे पहले पवित्र धनुर्धर 'श्री महेंद्रनाथ योगी जी महाराज' ने की थी, जो एक सिद्ध संत थे। जिनके बारे में माना जाता है कि वह हनुमान जी से सपने में मिले थे। वह अकेले थे जिन्हें पता था कि भगवान श्री कृष्ण के भाई दाऊजी महाराज ने पहली बार हनुमान को गिलहरी के रूप में पूजा था। यह पूरे विश्व में अचल ताल के मंदिर में खोजा जाने वाला एकमात्र प्रतीक है, जहां भगवान हनुमान जी की आंख दिखाई देती है।

मंदिर के महंत योगी कौशल नाथ बताते हैं कि इस मंदिर का निर्माण नाथ संप्रदाय के एक महंत ने करवाया था। बताया जाता है कि हनुमान जी ने सपने में उन्हें दर्शन दिए और कहा कि मैं अचल ताल पर निवास करता हूं। वहां मेरी पूजा करो। जब उस महंत ने अपने शिष्य को खोज करने के लिए वहां भेजा तो उन्हें वहां मिट्टी के ढेर पर बहुत गिलहरियां मिलीं। उन्हें हटाकर जब उन्होंने उस जगह को खोदा तो वहां से मूर्ति निकली। यह मूर्ति गिलहरी के रूप में हनुमान जी की थी। जब महंत जी को इस बारे में बताया गया तो वह अचल ताल पर आ गए। इस मंदिर को बहुत प्राचीन बताया जाता है। लेकिन उस समय का क्या आंकलन है ये पुजारी आज तक नहीं बता पाए। लेकिन इस मंदिर की प्राचीनता का अनुमान इससे लगाया जाता है कि महाभारत काल में भगवान श्री कृष्ण के भाई दाऊ जी ने यहां अचल ताल पर पूजा की थी।

पितृ पक्ष के आखिरी दिन सर्वपितृ अमावस्या पर लगेगा सूर्य ग्रहण

जानें श्राद्ध कर्म करें या नहीं

पितृ पक्ष की अमावस्या पर सूर्य ग्रहण लगने वाला है। अब ये ग्रहण भारत में दिखेगा या नहीं इसे लेकर इन दिनों खूब चर्चा चल रही है। हालांकि सूर्य ग्रहण एक दुर्लभ खगोलीय घटना होती है लेकिन हिंदू धर्म में इसे महत्वपूर्ण माना जाता है। पितृ पक्ष का अंतिम दिन, सर्वपितृ अमावस्या पूर्वजों को श्रद्धांजलि देने का दिन होता है। लेकिन इस साल अमावस्या के दिन ग्रहण आने के कारण इसका महत्व कई गुना बढ़ गया है। सूर्य ग्रहण तब होता है जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच से गुजरता है और सूर्य को पूरी तरह या आंशिक रूप से ढक लेता है। यह एक अद्भुत खगोलीय घटना होती है जिसका धार्मिक दृष्टिकोण से भी विशेष महत्व होता है।

यह जानने के लिए कि यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई देगा या नहीं, हमें ग्रहण के प्रकार और इसकी दृश्यता के क्षेत्र के बारे में जानना होगा। अगर चंद्रमा सूर्य को पूरी तरह ढक लेता है तो इसे पूर्ण सूर्य ग्रहण कहते हैं। अगर चंद्रमा सूर्य को आंशिक रूप से ढक लेता है, तो इसे आंशिक सूर्य ग्रहण कहते हैं। सूर्य ग्रहण हमेशा पृथ्वी के एक निश्चित क्षेत्र में ही दिखाई देता है। ग्रहण का मार्ग चंद्रमा की छाया के पथ पर निर्भर करता है।

2 अक्तूबर 2024 को पितृ पक्ष का आखिरी दिन है, जिसे सर्वपितृ अमावस्या भी कहा जाता है। इस साल श्राद्ध के आखिरी दिन सूर्य ग्रहण भी लग रहा है। लेकिन, ये ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा। सूतक काल इस बार मान्य नहीं होगा। भारतीय समय के अनुसार, 2 अक्तूबर को रात 9 बजकर 13 मिनट पर ग्रहण शुरू होगा जो देर रात 3 बजकर 17 मिनट पर रहेगा। भारत में इस ग्रहण का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हिंदू धर्म में सूर्य ग्रहण को एक अशुभ घटना माना जाता है। इस दौरान कई धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। पितृ पक्ष के दौरान सूर्य ग्रहण का विशेष महत्व होता है क्योंकि इस दौरान पितरों को श्रद्धांजलि दी जाती है। सूर्य ग्रहण के दौरान श्राद्ध कर्म करना शुभ माना जाता है। ग्रहण के दौरान दान करना भी पुण्य का काम माना जाता है। ग्रहण के दौरान भगवान सूर्य और अन्य देवताओं के मंत्रों का जाप किया जाता है।

ध्यान रखें कि सूर्य ग्रहण को नंगी आंखों से देखना हानिकारक हो सकता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार ग्रहण के समय गर्भवती महिलाओं को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। हिंदू धर्म में इस समय खाना-पीना भी वर्जित होता है। पितृ पक्ष की अमावस्या पर लगने वाला सूर्य ग्रहण एक दुर्लभ खगोलीय घटना है।

कार्थी, अरविंद स्वामी स्टारर मेयाझागन का टीज़र रिलीज़

कार्थी और अरविंद स्वामी अभिनीत आगामी तमिल फिल्म मेयाझागन का टीज़र जारी किया गया। प्रेम कुमार द्वारा निर्देशित यह फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में आने वाली है। टीज़र में दो मुख्य किरदारों, चचेरे भाई-बहनों के बीच जटिल संबंधों को दिखाया गया है, जो अपने व्यक्तित्व के मामले में एक-दूसरे से बिल्कुल विपरीत हैं। कार्थी का किरदार जहां खुशमिजाज है, वहीं अरविंद स्वामी का किरदार शांत और चिंतित है, जिसमें तनाव की झलक भी है।मेयाझागन, प्रेम कुमार की दूसरी निर्देशित फिल्म है, जो समीक्षकों द्वारा प्रशंसित 96 के बाद आई है, जिसमें विजय सेतुपति और त्रिशा ने अभिनय किया है। फिल्म में श्री दिव्या, करुणाकरण, राजकिरण, जयप्रकाश और स्वाति कोंडे जैसे प्रभावशाली कलाकार हैं। तकनीकी दल में छायाकार महेंद्रन जयराजू, संगीतकार गोविंद वसंता और संपादक गोविंदराज शामिल हैं।फिल्म का निर्माण कार्थी के भाई सूर्या और उनकी भाभी ज्योतिका ने अपने बैनर 2डी एंटरटेनमेंट के तहत किया है। तमिलनाडु के कराइकुडी, कुंभकोणम और अन्य स्थानों पर मेयाझगन की शूटिंग पूरी हो चुकी है।

उल्लेखनीय रूप से, फिल्म को सिंक साउंड विधि का उपयोग करके शूट किया गया था, जिससे यह कात्रू वेलियिदाई के बाद इस प्रारूप में कार्थी की दूसरी फिल्म बन गई।

मेयाझगन को एक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म माना जा रहा है, लेकिन इसकी कहानी अभी तक सामने नहीं आई है। टीज़र ने काफी चर्चा बटोरी है और प्रशंसक फिल्म की रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। यह फिल्म 27 सितंबर को एशियन सुरेश एंटरटेनमेंट के माध्यम से तेलुगु में सत्यम सुंदरम के रूप में भी रिलीज़ हो रही है। एनटीआर की बहुप्रतीक्षित देवरा पार्ट 1 भी उसी दिन रिलीज़ हो रही है।

आईफा से मिलने वाला प्यार और ऊर्जा बेजोड़ है : अनन्या पांडेय

फिल्म अभिनेत्री अनन्या पांडेय अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आइफा) पुरस्कार के 24वें संस्करण में शामिल होने को लेकर जोरदार तैयारियां कर रही हैं।आईफा अवार्ड्स में अपने प्रदर्शन को लेकर खुशी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, इस साल आईफा अवार्ड्स में प्रदर्शन करने के लिए मैं पूरी तरह से उत्साहित हूं। आईफा जो ऊर्जा, उत्सव और भारतीय सिनेमा के प्रति प्यार लाता है, उसका कोई मुकाबला नहीं है। मैं वैश्विक दर्शकों के लिए कुछ खास और रोमांच लाने के लिए तत्पर हूं।उन्होंने आगे कहा, यह एक अद्वितीय मंच है जो हमारे भारतीय सिनेमा प्रेमियों को पूरे विश्व से जोड़ता है, और मैं एक बार फिर से यास आइलैंड, अबू धाबी में इस अविस्मरणीय रात का हिस्सा बनने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकती।बता दें कि आईफा समारोह 27 से 29 सितंबर तक यास आइलैंड, अबू धाबी में आयोजित किया जाएगा। यह महोत्सव आईफा पुरस्कारों के साथ शुरू होगा। इसे शाहरुख़ ख़ान, करण जौहर और विक्की कौशल द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

आईफा अवार्ड्स में प्रदर्शन करने वाले कलाकारों में रेखा, शाहिद कपूर, विक्की कौशल, कृति सेनन और जाह्नवी कपूर शामिल हैं।इस पुरस्कार समारोह में हिंदी सिनेमा की चमक, दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग की गतिशीलता, ओटीटी प्लेटफॉर्म, वैश्विक सितारे, अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्ति और सिनेमा प्रेमी शामिल होंगे।गौरतलब है कि अनन्या ने 2019 में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उनकी पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 थी।

यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म पुनित मल्होत्रा द्वारा निर्देशित और नोकिया स्टूडियो और करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित थी, जो 2012 की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर का सीक्वल थी।इसके बाद उन्होंने पति पत्नी और वो में तपस्या की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन और भूमि पेडनेकर भी थे। फिर वे खाली पीली में पूजा, गहराइयां में तिया के रूप में भी अभिनय कर चुकी हैं।अनन्या ने 2022 की स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म लाइगर से अपने तेलुगू फिल्म करियर की शुरुआत की।इस फिल्म को पुरी जगन्नाथ द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया था। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु दोनों में एक साथ शूट की गई थी। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस और पुरी कनेक्ट्स ने बनाया था। इस फिल्म में विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिका में थे। राम्या कृष्णा, रोनित रॉय महत्वपूर्ण भूमिकाओं में थे, और अमेरिकी मुक्केबाज माइक टायसन ने एक कैमियो भूमिका निभाई।

हर्षवर्धन राणे की रोमांटिक फिल्म सनम तेरी कसम के सीक्वल का ऐलान

सिनेमाघरों में फिर रिलीज होगा पहला भाग

हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन की जोड़ी को 2016 की हिट फिल्म सनम तेरी कसम में देखा गया था। मेकर्स ने फिल्म के सीक्वल का अनाउंसमेंट किया है। इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे मुख्य भूमिका में वापसी करेंगे। वहीं, टीम को इस प्रोजेक्ट के लिए बेहतरीन डायरेक्टर की की तलाश है।हर्षवर्धन राणे ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम ने सनम तेरी कसम 2 के मेकर दीपक मुकुट के साथ एक तस्वीर पोस्ट की है और कैप्शन में लिखा है, सनम तेरी कसम 2 आधिकारिक तौर पर बन रही है। पहली फिल्म की शानदार प्रेम कहानी के बाद, हम और भी कुछ लेकर आए हैं। अपडेट के लिए बने रहें। सनम तेरी कसम 2। तस्वीर में हर्षवर्धन के हाथ में स्क्रिप्ट देखी जा सकती है। व्हाइट शर्ट और ब्लैक डेनिम जैकेट में इंदर काफी स्मार्ट लग रहे हैं। वह दीपक मुकुट के साथ कैमरे के लिए पोज देते दिख रहे है। दीपक मुकुट ने हर्षवर्धन राणे के साथ सनम तेरी कसम 2ळ की घोषणा की।फिल्म का एलान होने के बाद फैंस कयास लगा रहे हैं कि क्या मेकर्स सीक्वल में पाकिस्तानी एक्ट्रेस मावरा को कास्ट करेंगे या नहीं। पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है, सनम तेरी कसम मावरा के बिना नामुमकिन है। एक दूसरे यूजर ने लिखा है, हम मावरा को हीरोइन के रूप में चाहते हैं। जबकि एक ने लिखा है, मावरा के बिना? इसे नहीं देखूंगा। एक ने कमेंट किया है, दिन की सबसे अच्छी खबर लेकिन मावरा (सरु) के बिना दुखद हिस्सा है।दीपक मुकुट (सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट) ने सनम तेरी कसम के दूसरे भाग की घोषणा की। हर्षवर्धन राणे दूसरे भाग में भी अभिनय करेंगे।

इस बीच, पहला भाग इस अक्टूबर में सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होगा।फिल्म के अपडेट के बारे में जानकारी देते हुए टीम के स्पोकपर्सन ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि सनम तेरी कसम 2 की पुष्टि हो गई है, जिसमें हर्षवर्धन राणे एक बार फिर लीड एक्टर के रूप में नजर आएंगे। सीक्वल की कहानी तय हो गई है। निर्देशक का चयन अभी बाकी है। इस बीच, सनम तेरी कसम के निर्देशक राधिका राव और विनय सप्रू एक और प्रेम कहानी किसी अन्य प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसमें हिमेश रेशमिया मुख्य भूमिका में होंगे।

श्वेता तिवारी ने लेटेस्ट लुक से मचाया धमाल

चेहरे पर क्यूट सी स्माइल ने फैंस के बीच लूटी लाइमलाइट

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी का जादू फैंस के बीच इस कदर चलाया है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की थी। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।श्वेता तिवारी बढ़ती हुई उम्र में और भी ज्यादा खूबसूरत होती जा रही हैं। उम्र के साथ उनकी हॉटनेस भी बढ़ती जा रही है। बता दें कि एक्ट्रेस किसी भी आउटफिट में अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं तो फैंस उन पर से नजरें नहीं हटा पाते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड और हॉट अवतार देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जितनी खूबसूरत पहले हुआ करती थी आज भी उतनी ही सुंदर है। वहीं, फिटनेस के मामले में भी उनका कोई जवाब नहीं है। श्वेता तिवारी 43 साल की हो गई हैं, लेकिन आज भी उनके चेहरे का नूर बिल्कुल पहले जैसा ही है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने फ्लोरल व्हाइट प्रिंट लुक में थाई स्लिट आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बाल, नो मेकअप लुक और चेहरे पर प्यारी सी स्माइल ने श्वेता तिवारी के इस लुक पर चार चांद लगा दिया है। उनका ये हॉट अवतरा इंटरनेट पर शेयर होते ही बवाल मचाने लग गया है।

इंडियन हो या वेस्टर्न लुक एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही छा जाता है।

अनुभा अरोरा ने अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म युध्रा में अपने किरदार के बारे में किया खुलासा

अनुभा अरोरा, जो तेरा क्या होगा लवली में अपने प्रमुख किरदार के लिए जानी जाती हैं, अभिनेत्री ने इलियाना डिक्रूज, रणदीप हुड्डा, वरुण शर्मा और कई अन्य कलाकारों के साथ काम किया था। यह फिल्म इस साल मार्च में रिलीज हुई थी। अनुराधा को जनहित में जारी में नुसरत भरूचा के साथ और सैटेलाइट शंकर जैसी फिल्मों में भी देखा गया था। अब वह अपनी आगामी फिल्म युध्रा में हमें फिर से प्रभावित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म में अनुभा बॉलीवुड के प्रतिभाशाली कलाकार मालविका मोहनन और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर है जिसे रवि उदयावर ने निर्देशित किया है।अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए अनुभा ने कहा, मैं फिल्म में शिल्पी का किरदार निभा रही हूं। हालांकि मैं ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन इतना कह सकती हूं कि यह एक प्यारा किरदार है जो फिल्म में एक क्यूपिड का काम करता है। मैं इस विशाल प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए आभारी हूं क्योंकि इससे मुझे खुद को एक अभिनेता के रूप में नए तरीकों से खोजने का मौका मिला, खासकर सिद्धांत और मालविका जैसे कलाकारों के साथ काम करने का भी मौका मिला। मैं दर्शकों के रिस्पांस को देखने के लिए उत्साहित हूं, लेकिन इतना जरूर कह सकती हूं कि यह अनुभव अद्भुत रहा और फिल्म निश्चित रूप से दर्शकों को रोमांचित कर देगी।

अनुभा ने जनहित में जारी, प्लीज फाइंड अटैच्ड (अमेजऩ मिनी सीरीज), तेरा क्या होगा लवली, और निषेध जैसे कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। इस नए अवसर के बारे में बात करते हुए, उन्होंने युध्रा को अपने करियर का बड़ा प्रोजेक्ट माना है, और अभिनेत्री ने अपने आने वाले और भी रोमांचक प्रोजेक्ट्स के बारे में संकेत दिया।फिल्म युध्रा के एक्शन से भरपूर फिल्म होने के साथ, अनुभा अरोड़ा के फैंस उन्हें इस रोमांचक नए किरदार में देखने के लिए उत्सुक हैं, जो उनकी प्रतिभा को और भी निखारने वाला है।

देवरा का नया पोस्टर जारी, पहली बार दिखी जूनियर एनटीआर

सैफ अली खान और जाह्नवी की तिकड़ी

अभिनेता जूनियर एनटीआर को पिछली बार फिल्म आरआरआर (2022) में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई।अब प्रशंसक उनकी आगामी फिल्म देवरा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए जाह्नवी कपूर दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखने वाली हैं। दिग्गज अभिनेता सैफ अली खान भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।अब देवरा का पहला पोस्टर सामने आ गया है।

देवरा के नए पोस्टर में पहली बार एनटीआर, सैफ और जाह्नवी की तिकड़ी देखने को मिल रही है। इसमें एनटीआर की जोड़ी जाह्नवी के साथ बनी है, वहीं फिल्म में सैफ और एनटीआर का सामना देखने को मिलने वाला है।यह फिल्म 27 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। इसके निर्देशन की कमान कोराताला शिवा ने संभाली है।यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसका इंतजार न सिर्फ साउथ, बल्कि हिंदी भाषी दर्शकों को भी है।एनटीआर स्टारर देवरा पार्ट 1 अपनी रिलीज से पहले कई रिकॉर्ड अपने नाम कर रही है। वह अपने खाते में एक और रिकॉर्ड दर्ज कर लेंगी। यूके में डॉल्बी एटमॉस पर प्रदर्शित होने वाली पहली तेलुगू फिल्म बनने जा रही है।

देवरा पार्ट 1 को चार मॉडरेशन के बाद सीबीएफसी ने यू/ए सर्टिफिकेट दिया है। इस पैन इंडिया फिल्म का प्री-रिलीज इवेंट 22 सितंबर, 2024 को होने की उम्मीद है। इस बीच, टीम देश के अलग-अलग राज्यों में फिल्म का प्रमोशन करने में जुटी हुई है। एनटीआर आर्ट्स और युवासुधा आर्ट्स की निर्मित फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए उतरेगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। प्रेमी को वक्त देने की कोशिश करेंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आ जाने के कारण आप उनको समय दे पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपकी उपलब्धी परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी क़ामयाबी की फ़ेहरिस्त में एक नया मोती जड़ेंगे। दूसरों के सामने आदर्श स्थापित करने के लिए ख़ुद को बेहतर बनाने की कोशिश जारी रखें।काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं।
आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

हृदय-रोगियों के लिए सतर्कता के साथ योगा प्राणायाम करना चाहिए आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। विवाद, मतभेद और दूसरों की आपमें कमियाँ निकालने की आदत को नज़रअन्दाज़ करें। नयी परियोजनाओं और ख़र्चों को टाल दें। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की कामकाज को लेकर व्यस्तता आपकी उदासी का कारण बन सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सबकी मदद करने की आपकी इच्छा आपको आज बुरी तरह थकाएगी। आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढाएंगे। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में ज़्यादा तनाव न लें और आराम करें। कामकाज के मोर्चे पर आज का दिन काफ़ी अच्छा रहने वाला है। ज़रूरत के वक़्त आपका जीवनसाथी आपके परिवार की अपेक्षा अपने परिवार को ज़्यादा तरजीह देता हुआ नज़र आ सकता है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। इस राशि के कारोबारियों को आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। यात्राओं से व्यावसायिक संबंधों में सुधार होगा। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आज प्यार के मामले में सामाजिक बंधन तोड़ने से बचें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती हैं

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 21 सितंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी सायं 06:15 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 12:36 तक
योग : व्याघात प्रातः 11:35 तक
करण : बव प्रातः 07:43 तक
चन्द्रराशि :
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:12 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:16 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:08 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56 सूर्यास्त 06:04 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 08:43 , चतुर्थी श्राद्ध

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का कांग्रेस पर हमला

कुमारी सैलजा के अपमान से आहत है अनुसूचित जाति समाज

करनाल, 20 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल में शुक्रवार को आयोजित प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने भाजपा के चुनावी संकल्प पत्र को परिभाषित करते हुए आने वाले विकास कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने करनाल की तीन प्रमुख परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि यहां औद्योगिक टाउनशिप (आईएमटी) बनाई जाएगी, जिससे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके साथ ही, करनाल-यमुनानगर रेलवे लाइन के माध्यम से पूरे क्षेत्र को लाभ मिलेगा और करनाल में फार्मा पार्क बनाने की मांग को भी पूरा किया जाएगा, जिससे फार्मा इंडस्ट्री को नई दिशा मिलेगी और नए उद्योग स्थापित होंगे।

मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा में 10 आईएमटी स्थापित किए जाएंगे, जो प्रदेश में लगभग पांच लाख लोगों को रोजगार प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि ये परियोजनाएं न केवल करनाल बल्कि पूरे राज्य के औद्योगिक और आर्थिक विकास को गति देंगी। कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस के 10 साल के शासनकाल में भ्रष्टाचार चरम पर था। नौकरियां खर्ची-पर्ची के आधार पर मिलती थीं, और थाने-चौकियां तक बिकती थीं। उन्होंने प्रबुद्ध नागरिकों से अपील की कि वे नए लोगों को कांग्रेस और भाजपा के 10 साल के कार्यकाल की तुलना समझाएं और कांग्रेस की विफलताओं से अवगत कराएं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश के विकास को प्राथमिकता दी है और आने वाले समय में हरियाणा को औद्योगिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बड़े कदम उठाए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा की नाराजगी पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अनुसूचित जाति की महिला नेता का अपमान किया है, जिससे सिर्फ कुमारी शैलजा ही नहीं, बल्कि पूरा अनुसूचित जाति समाज आहत है। इसका खामियाजा कांग्रेस को आगामी चुनावों में भुगतना पड़ेगा। मनोहर लाल ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए स्मार्ट सिटी परियोजना में भ्रष्टाचार के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि करनाल में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 1000 करोड़ रुपए के विकास कार्य किए जा चुके हैं, और कुछ परियोजनाएं अभी भी प्रगति पर हैं, जो आचार संहिता के बाद पूरी की जाएंगी। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस केवल आरोप लगाती है, लेकिन खुद कुछ नहीं करती। जब उनसे अनिल विज द्वारा मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पेश किए जाने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह अच्छी बात है। सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों के लोग दावेदारी पेश कर सकते हैं।

जब हम करनाल से चुनाव लड़ने आए थे, तो हमें भी नहीं पता था कि मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके साथ ही, केंद्रीय मंत्री ने बताया कि हरियाणा में प्रधानमंत्री की तीन और रैलियां आयोजित की जाएंगी, और कई बड़े नेताओं के लगातार कार्यक्रम होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी।

भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र बबली ने किसानों से मांगी माफी

फतेहाबाद, 20 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में फतेहाबाद जिले के टोहाना विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी देवेंद्र बबली ने शुक्रवार को जाखल में किसानों से माफी मांगकर अपना पुराना विवाद सुलझा लिया।

किसानों के साथ हुई पंचायत में देवेंद्र बबली ने किसानों से माफी मांगी और किसानों पर दर्ज करवाए गए पर्चों को रद्द करवाने के लिये अपनी सहमति दे दी। उधर, किसान नेताओं ने कहा कि देवेंद्र बबली द्वारा किसानों को जो धक्के मारे गए और उन पर पर्चे दर्ज करवाये गए, केवल उस मामले में उन्हें माफी दी गयी है, उनका कोई समर्थन नहीं किया गया, बल्कि भाजपा का जो विरोध था, वह आगे भी जारी रहेगा। किसान नेता मनदीप नथवान ने बताया कि भाजपा किसान विरोधी है और उसे हराने को एड़ी चोटी का जोर लगायेंगे। बबली ने 12 मार्च को जाखल में सवाल पूछ रहे किसानों को धक्के मारे और उन पर मुकदमे बनवाये, इस मामले में आज बबली ने पंचायत में माफी मांगी है। पंचायत में बड़े-बड़े मसले सुलझ जाते हैं, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि बबली को समर्थन होगा। किसान अपना विरोध जारी रखेंगे।

गौरतलब है कि 12 मार्च वही दिन था, जब भाजपा और जननायक जनता पार्टी (जजपा) का गठबंधन टूट गया था और बतौर पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली जाखल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लाइव कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिये पहुंचे थे। यहां पहुंचने से पहले किसानों ने उनका घेराव कर उनसे किसान आंदोलन और बाढ़ मुआवजे संबंधी संबंधित सवाल पूछने जारी किये तो वहां किसानों और बबली में धक्का-मुक्की शुरू हो गयी थी। जिस समय बबली कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे, तो दूसरी तरफ उनकी मंत्री की कुर्सी जा रही थी। उसी दिन भाजपा जजपा गठबंधन टूटने के बाद नये मुख्यमंत्री नायब सैनी चुने गये थे।

पैंथर के हमले से बुजुर्ग की मौत

उदयपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उदयपुर जिले के गोगुन्दा थाना क्षेत्र के भेवडिया गांव में आदमखोर पैंथर के हमला करने से एक बुजुर्ग की मौत होने का मामला सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोगुन्दा थाना क्षेत्र के भेवडिया निवासी खुमराम भील (45) गुरुवार शाम को खेत से घर आ रहा था कि रास्ते में घात लगाकर बैठे पैंथर ने उस पर हमला कर दिया। पैंथर खुमाराम को झपटा मारकर घसीटता हुआ दूर जंगल में ले गया। घटना में खुमाराम की मौके पर ही मौत हो गयी।

घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग एवं पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर खुमाराम के शव को गोगुन्दा सामुदायिक चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने शुक्रवार को मृतक के शव को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। गौरतलब है कि भेवडिया गांव से सटे उण्डीथल में एक दिन पूर्व जंगल में मवेशी चराने गयी एक किशोरी पर भी पैंथर ने हमलाकर अपना शिकार बना लिया था।

समाज और देश हित के सेवा कार्यों में बनाएं अग्रणी पहचान : बागडे

बांसवाड़ा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकारों तथा सेवा एवं संस्कार से जुड़े आयामों को सुदृढ़ बनाने के लिए सेवा तथा परोपकार की भावना से आगे आने का आह्वान करते हुए कहा है कि समाज और देश हित के सेवा कार्यों में अग्रणी पहचान बनाई जानी चाहिए। श्री बागडे ने बांसवाड़ा के निकट लोधा में शुक्रवार को राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड द्वारा एकलव्य छात्रावास में आयोजित पांचवें राज्यस्तरीय जनजाति महोत्सव का शुभारंभ किया और इसे मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव आगामी 23 सितम्बर तक चलेगा। इस अवसर पर अपने प्रेरक उद्बोधन में स्काउट गाइड संगठन की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि यह समाज और देश के नवनिर्माण, सेवा और सौहार्द से लेकर समाज हित के कार्यों में हमेशा अग्रणी पहचान रखता है और राजस्थान में स्काउट गाइड द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्य गौरव की बात है।

राज्यपाल ने पांचवें जनजाति महोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि स्काउट गाइड संगठन के सेवा कार्य और समाज तथा देश के कामों के प्रति तत्परता से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने जनजाति क्षेत्रों में सामाजिक एवं आर्थिक विकास की दृष्टि से आत्मनिर्भरतापरक गतिविधियों पर जोर दिया और कहा कि इस दिशा में विशेष प्रयास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में उत्पादित शुद्ध उत्पादों के शहरी क्षेत्र में विपणन की दृष्टि से बेहतर अवसरों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। समाजोन्मुखी कार्यों से अधिकाधिक जुड़ाव और संस्कारों के माध्यम से ही तरक्की लायी जा सकती है। इसी से देश का भविष्य उज्ज्वल होगा।

उन्होंने कहा कि सभी का यही उद्देश्य है कि जनजाति उत्थान के लक्ष्य पूरे हों तथा विकास की मुख्य धारा से जुड़ें, इसके लिए मिलजुलकर समर्पित प्रयासों में जुटना होगा। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने बिरसा मुण्डा का स्मरण करते हुए आयोजन की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से अपनी बहुरंगी संस्कृति और परम्पराओं को देखने तथा जानने का अवसर मिलता है।

जहरीले जंतु के काटने से किसान की मौत, दो डूबे

भीलवाड़ा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में शाहपुरा जिले के पारोली थाना क्षेत्र में शुक्रवार को जहरीले जंतु के काटने से एक बुजुर्ग किसान की मौत हो गयी, जबकि उनके अंतिम संस्कार में गये दो ग्रामीण नदी में डूब गये।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कांटी गांव में रामसुवा (58) सुबह खेत पर चारा काटने गये थे, जहां जहरीले जंतु ने उन्हें काट लिया। इससे उनकी तबीयत बिगड़ गयी। रामसुवा को परिजन कोटड़ी अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि उनका बनास नदी के पास दाह-संस्कार किया गया। दाह-संस्कार के बाद कुछ लोग बनास नदी में नहाने चले गये। इस दौरान कांटी गांव के ही सीताराम (40) और बाबूलाल (36) गहराई में जाने से डूब गये। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरु की, लेकिन अब तक दोनों का पता नहीं चला है।

कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप चौधरी के काफिले पर फायरिंग, दो कार्यकर्ताओं को लगी गोलियां

चंडीगढ़, 20 सितंबर (एजेंसियां)। पंचकूला की कालका विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप चौधरी के काफिले पर हमला हुआ है। बताया जा रहा है कि तीन हमलावरों ने उनके काफिले पर फायरिंग कर दी। इस घटना में पार्टी के कार्यकर्ता को गोली लगी है। घटना में घायल कार्यकर्ता की पहचान गोल्डी के तौर पर हुई है। उसे पंचकूला के सेक्टर-6 सिविल अस्पताल लाया गया है। घटना शुक्रवार दोपहर की है।

जानकारी के मुताबिक पंचकूला के रायपुररानी में कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप चौधरी कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव प्रचार के लिए गए थे। रायपुररानी के गांव भरौली में यह घटना हुई है। यहां बाइक सवार तीन हमलावरों ने उनके काफिले पर 5 से 6 राउंड फायर किए हैं। प्रदीप चौधरी गांव भरौली से ही हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची है और मामले की जांच की जा रही है। वहीं, बाइक सवार हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि शूटर स्प्लेंडर बाइक पर सवार थे, जिसमें से दो ने फायरिंग की। इस हमले में गाड़ी में बैठे एक और कार्यकर्ता के हाथ में भी गोली लगी है। पुलिस और सीआईए की टीम तुरंत रायपुररानी अस्पताल पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रदीप चौधरी के काफिले में कुल 50 से 60 गाड़ियां शामिल थीं। जब काफिला गांव मुरादनगर से आगे बढ़ा तो कार्यकर्ताओं की एक गाड़ी रुककर वीडियो बनाने लगी। गाड़ी सवार कार्यकर्ता काफिले से पिछे रह गए, तभी बाइक पर आए तीन हमलावरों ने उसी कार पर फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने 5 से 6 राउंड फायर किए हैं।

काफिले की जिस गाड़ी पर हमला हुआ है उसमें कुल 5 कार्यकर्ता सवार थे। हमले में घायल हुआ गोल्डी ड्राइवर सीट पर बैठा था।

एसएसटी और पुलिस ने सोनीपत में पकड़ी 50 लाख की नकदी

कार सवार युवक ले जा रहा था कैश, नहीं थे दस्तावेज

सोनीपत, 20 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस विभाग की तरफ से सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। चुनाव आयोग की तरफ से जारी की गई हिदायतों के अनुसार पुलिस नाकेबंदी कर हर संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर बनाए हुए है। इसके के तहत पुलिस ने सोनीपत में नाकाबंदी के दौरान स्टेटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) ने गोहाना रोड बाईपास से एक वाहन की चेकिंग के दौरान 50 लाख रुपये की नकदी पकड़ी है। एसएसटी के ड्यूटी मजिस्ट्रेट दिलबाग सिंह व सिटी थाना के एएसआई बिजेंद्र ने एक गाड़ी को रुकवाया,

बैग की जांच करने पर गाड़ी सवार आनाकानी करने लगा। इस पर पुलिस को शक हुआ और बैग खोलने पर कैश बरामद हुआ। 50 लाख रुपये राशि के 500-500 नोटों के 250-250 लाख रुपये की गड्डी के 20 बंडल मिले हैं।

कार सवार जींद के रहने वाले युवक ने उत्तर प्रदेश के नोएडा से नकदी लेकर आने की बात कही। युवक ने कहा कि वह प्लॉट की रजिस्ट्री के लिए रकम लेकर आया था। हालांकि जब एसएसटी ने उससे कागजात दिखाने के लिए कहा तो वह किसी तरह का दस्तावेज नहीं दिखा पाया।

इस पर पूरी रकम को जब्त कर लिया गया। एसएसटी ने नकदी का कब्जे में लेकर ट्रेजरी में जमा कराया है। वहीं मामले की सूचना आयकर विभाग को भी दी गई है। अब मामले की जांच पुलिस और आयकर विभाग की टीम करेगी।

इनेलो नेता नंबरदार भाजपा में शामिल

फतेहाबाद, 20 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी बदलने के सिलसिले को जारी रखते हुए जींद जिले के नरवाना से दो बार विधायक रह चुके इंडियन नैशनल लोक दल के पिरथी नंबरदार भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। श्री नंबरदार रोहतक में पार्टी कार्यालय में प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मोहन बड़ौली और केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर आदि की उपस्थिति में अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए।

डिंपल हत्याकांड : मुख्यमंत्री से मिलकर की जाएगी सीबीआई जांच की मांग

जयपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में करौली के हिंडौन सिटी में मूक बधिर बालिका डिंपल हत्याकांड के मामले की मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से मिलकर केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराये जाने की मांग की जायेगी। इस प्रकरण को लेकर अनुसूचित जाति एवं जनजाति समाज के कुछ सांसद एवं विधायक शुक्रवार को समाज के नेता एवं कृषि मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा से मिले और इस मामले की मुख्यमंत्री से मिलकर सीबीआई जांच कराये जाने मांग की।

इसके बाद डा. किरोड़ी लाल मीणा ने मीडिया को बताया कि डिंपल मीणा हत्या मामले में पुलिस की जांच को समाज के लोग और जनप्रतिनिधि पूरी नहीं मान रहे हैं और किसी प्रकार का कोई असंतोष नहीं फैले। ऐसे में मुख्यमंत्री से मिलकर हम मामले को उनके सामने रखेंगे और समाज चाहता है, इसलिए सभी कोशिश करेंगे कि इस मामले को सीबीआई को दे दिया जाए। इस मामले को लेकर डा. किरोड़ी से मिलने आए विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीना ने मीडिया से कहा डिंपल मीना हत्याकांड को लेकर जयपुर के शहीद स्मारक पर धरना चल रहा है और आज हम समाज के लोगों के साथ राजनीति से

ऊपर उठकर डॉ. किरोड़ी लाल मीना से मिले हैं और बच्ची को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले की पुलिस जांच से समाज संतुष्ट नहीं है और जनप्रतिनिधि को भी संदेह है। समाज के पंच-पटेल को भी पुलिस की जांच को लेकर संदेह है। ऐसे में मांग है कि इस प्रकरण की जांच में जो संदेह प्रकट किया जा रहा है उसे लेकर सही स्थिति और वास्तविकता समाज के सामने आए ताकि समाज में जो आक्रोश है वह समाप्त हो।

उन्होंने बताया कि किरोड़ी लाल मीणा ने मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा हैं और अब जब समय मिलेगा तब समाज के हम लोग मुख्यमंत्री से मिलकर इस मामले की सीबीआई जांच की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि सीबीआई जांच के लिए समाज की भी एक राय है।

जदयू नेत्री के घर 20 घंटे तक एनआईए ने की कार्रवाई

फिर सुर्खियों में है बिंदेश्वरी यादव का परिवार

पटना (एजेंसियां)। गया की पूर्व एमएलसी सह जदयू नेत्री मनोरमा देवी के घर 20 घंटे तक एनआईए टीम की कार्रवाई करती रही। करीब 12 बजे रात्रि एनआईए टीम कार्रवाई कर घर से बाहर निकली। इस दौरान एनआईए की टीम ने जदयू नेत्री के तीन ठिकानों पर छापेमारी की।

उक्त कार्रवाई में चार करोड़ तीस लाख कैश, दस हथियार और कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद हुआ है। काफी संख्या में रुपयों का बंडल मिलने के बाद एनआईए की टीम ने नोट गिनने वाला मशीन और दो बड़ी-बड़ी पेटियां मंगवाई और सभी नोटों को अपने साथ ले गए। वहीं एनआईए की कार्रवाई समाप्त होने के बाद जदयू नेत्री मनोरमा देवी घर से बाहर निकली और पत्रकारों से रूबरू हुई। उन्होंने कहा कि अचानक 6:00 बजे सुबह में एनआईए के टीम के अधिकारी आ पहुंचे और तलाशी लेने लगे। हमलोगों ने उनका पूरा सहयोग किया। उन्होंने कहा कि जो रुपये छापामारी के दौरान जप्त किए गए हैं, वे बैंक से लोन लिए गए थे, उसका पूरा हिसाब किताब है, जिसका डिटेल हमारे चार्टर्ड अकाउंटेंट दे देंगे। वही हथियार के बारे में उन्होंने कहा कि ये हथियार हमारे गार्डों के हैं, उसके भी कागजात हमारे पास मौजूद हैं। उन्होंने किसी भी प्रकार की गिरफ्तारी से इंकार किया। उन्होंने कहा कि एनआईए के टीम की जांच में हमलोगों ने उनका पूरा सहयोग किया है।

एनआईए की कार्रवाई के दौरान रॉकी यादव के समर्थकों की भीड़ लगी हुई थी। समर्थकों ने बताया कि बेलागंज विधानसभा के उप-चुनाव में जदयू नेत्री मनोरमा देवी के पुत्र रॉकी यादव चुनाव लड़ने की योजना बन रही है। गुरुवार को बेलागंज विधानसभा क्षेत्र में जाना था। उससे पहले एनआईए की कार्रवाई शुरू हो गई।

भाकपा माओवादी संगठन से सांठ-गांठ, फंडिंग और हथियार सप्लाई को लेकर गुरुवार को एनआईए ने गया शहर के एपी कॉलनी में स्थित जदयू नेत्री मनोरमा देवी के घर पर कार्रवाई की है। वहीं उक्त टीम ने जदयू नेत्री के तीन ठिकानों पर भी छापेमारी की।

हालांकि जिला परिषद के पूर्व चेयरमैन स्व. बिंदेश्वरी यादव उर्फ बिंदी यादव का परिवार फिर चर्चा में आया है। यह नाम सबसे पहले उस समय चर्चा में आया था, जब बिंदी यादव को गया पुलिस ने नक्सलियों को कारतूस सप्लाई के लिए जाते समय गिरफ्तार किया था। उस वक्त भारी मात्रा में कारतूस बरामद हुआ था। उस मामले में उस वक्त बिंदी यादव पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया था। वहीं दूसरी बार बिंदी यादव के बड़े बेटे रॉकी यादव ने गया शहर के स्वराजपुरी रोड के रहने वाले आदित्य सचदेवा को गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस बार जदयू नेत्री मनोरमा देवी के घर पर एनआईए की कार्रवाई से फिर तीसरी बार बिंदी यादव का परिवार चर्चा में आया है।

मिली जानकारी के मुताबिक बीते साल 2023 में जदयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के नजदीकी राजू जाट के घर एनआईए की टीम ने छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान उनके घर से एक मोबाइल बरामद हुआ था। एनआईए ने दिल्ली में एक एफआईआर दर्ज किया था। बरामद मोबाइल के आधार पर एनआईए की टीम कार्रवाई की थी।

सामान हटाने के दौरान करंट लगने से शिक्षक की हुई मौत

घर में घुसा था बाढ़ का पानी

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय में करंट लगने से एक सरकारी स्कूल के शिक्षक की दर्दनाक मौत हो गई है। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के रामदीरी नकटी टोला वार्ड नंबर 8 की है। मृतक शिक्षक की पहचान रामदीरी नकटी टोला वार्ड नंबर 8 निवासी हरेराम सिंह के पुत्र राजेश कुमार सिंह के रूप में की गई है। मौत की खबर मिलते ही स्कूल के सभी शिक्षकों के बीच को हड़कंप मच गया।

घटना के संबंध में परिजनों ने बताया है कि पिछले कई दिनों से गांव में बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है। उन्होंने बताया कि उनके चाचा का देहांत हुआ था। घर में श्राद्धकर्म का भोज चल रहा था। पानी में ही बिजली का तार टूट कर गिरा हुआ था। घर में पानी प्रवेश करने के बाद घर का सामान इधर से उधर कर रहे थे। तभी पानी में उतरते ही , वह करंट की चपेट में आ गये, जिससे शिक्षक राजेश कुमार की दर्दनाक मौत हो गई। मौत के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। परिजन उन्हें आननफानन में अस्पताल लेकर गये, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिर ग्रामीणों ने घटना की सूचना मटिहानी थाना के पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मटिहानी थाने की पुलिस पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

परिजनों ने बताया कि राजेश कुमार उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरदिया डंडारी में शिक्षक के रूप में पदस्थापित थे। घटना के संबंध में मटिहानी थाना अध्यक्ष ने बताया कि रामदीरी नकटी टोला बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र है। उनके चाचा का देहांत हुआ था। रात में वह बोरा उठाकर ऊँचे स्थान पर रख रहे थे। इसी दौरान करंट लगने से शिक्षक की मौत हुई है, फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

राजद नेत्री बीमा भारती के घर पर पुलिस ने की कुर्की

हत्या के मामले में पति और पुत्र हैं नामजद

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया के रुपौली विधानसभा से पांच बार विधायक रहीं बीमा भारती की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पुलिस ने उनके रूपौली विधानसभा के भिट्ठा स्थित घर पर कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी है। पूर्णिया के चर्चित गोपाल यादुका हत्याकांड में बीमा भारती के पति अवधेश मंडल और बेटे राजा पर आरोप है।

इस मामले में पुलिस का कहना है कि हत्याकांड में नाम आने के बाद से बीमा भारती का बेटा राजा फरार है, जबकि पति अवधेश मंडल ने बीते 5 अगस्त को ही सिविल कोर्ट पहुंचकर सरेंडर कर दिया था। इसके बाद से ही कुख्यात अवधेश मंडल जेल में बंद हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से राजद नेतृत्व में भी खलबली मची हुई है। बीमा भारती के समर्थकों में आक्रोश है, और वह पुलिस की कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बता रहे हैं।

पुलिस का कहना है कि आरोपी राजा की गिरफ्तारी के लिए रूपौली पुलिस पहले गिरफ्तारी वारंट हासिल कर चुकी थी, पर वो फरार था। इसलिए पुलिस ने कोर्ट से कुर्की के इश्तेहार के लिए आदेश मांगा था। कोर्ट से कुर्की का आदेश मिलते ही पुलिस ने 3 जुलाई की शाम बीमा भारती के आवास पर इश्तेहार चिपकाया था। इस मामले में गिरफ्तार चारों आरोपी विकास कुमार, ब्रजेश यादव, संजय भगत और विशाल राय को 48 घंटे के रिमांड पर लिया था।

नगर निगम की 75 टीम लोगों को करेगी जागरूक

स्वच्छता को विचार और व्यवहार में भी लाना है : नितिन नवीन

पटना (एजेंसियां)। पटना में मिशन टोटल सेग्रीगेशन अभियान का शुभारंभ हो चुका है। स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन और शहर को कचरा मुक्त बनाने के लिए इसकी शुरुआत की गई है। अब से लोगों को सूखा और गीला कचरा को अलग करके देना होगा। लोगों को जागरूक करने के लिए नगर निगम की हर गाड़ी पर महिला कर्मी तैनात रहेंगी। उक्त बातें नगर आवास एवं विकास मंत्री नितिन नवीन ने कहीं। गुरुवार को पटना के बापू सभागार में 'मिशन टोटल सेग्रीगेशन' अभियान का शुभारंभ राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर की अध्यक्षता में नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नितिन नवीन द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने 'सेलफी विथ डस्टबिन' अभियान की भी शुरुआत की। उन्होंने लोगों को कचरा अलग-अलग कर रखने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि बिहार के शिक्षा विभाग द्वारा सभी स्कूलों में दो डस्टबिन रखने को लेकर मंजूरी मिल गयी है। इसके साथ ही जल्द ही हर स्कूल में बच्चों द्वारा स्वच्छता प्लेज भी लिया जाएगा। इसके लिए शिक्षा मंत्री ने मंजूरी भी दे दी है।

राज्यपाल ने कहा कि ये कार्यक्रम आपका है, हम सब साथ देने आये है। हम सभी 'सेल्फी विथ डस्टबिन' में भाग लेंगे। साथ ही संकल्प लेते है कि स्वच्छता स्वभाव को सिर्फ महीने दो महीने नहीं बल्कि जीवन भर के लिए अपना लेते हैं। इसके अलावा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि देश तभी बदलेगा जब हम बदलेंगे। मैं मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि छठ के वक़्त आप एक स्वच्छता कार्यक्रम रखिये जहां हम सभी लोग आएंगे। साथ ही शहर के सबसे गंदे स्पॉट पर जाकर सफाई कर लोगों को जागरूक करेंगे। मंत्री जी आप आगे-आगे बढिय हम आपके साथ है। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाने के लिए सिर्फ बोलना नहीं कर के भी दिखाना होगा।

मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि हम सब आज एक बड़े उद्देश्य के साथ आए है। जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पंचायती राज्य की व्यवस्था को मजबूत किया, इसका सीधा फायदा पंचायत और नगर निकायों को मिलने लगा है। उन्होंने कहा कि पटना में डोर टू डोर स्वच्छता से हम सभी जुड़ गए है।

लेकिन अब हमे दूसरे पैदान पर जाना है, जो कि सेग्रीगेशन है। बिना कचरा को अलग-अलग किये हम उसका इस्तेमाल नहीं कर सकते है। ये मिशन इस उद्देश्य के साथ शुरू हुआ है कि हमारे संस्कार में जो स्वच्छता है, उसे व्यवहार और विचार में भी लाना है। उन्होंने कहा कि मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है कि पटना नगर निगम की 75 टीम घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने का काम करने वाली है। इसके लिए 2000 लोगों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि हमलोग पटना के 500 स्कूलों में जाकर बच्चों को 'एक पत्र अभिभावक के नाम' लिखने के लिए भी प्रेरित करेंगे।

इधर, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी ने कहा कि बिहार के लिए मिशन टोटल सेग्रीगेशन और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट दोनों ही बेहद अहम प्रोजेक्ट है। मंत्री नितिन नवीन इसके लिए बेहतर काम कर रहे है। ऐसे में मैं मंत्री जी को सीधे कहना चाहता हूं कि राज्य को अगर कचरा प्रबंधन करने में 5000 करोड़ का भी खर्च आएगा तो मैं वित्त मंत्री के नाते उसे दूंगा। वहीं, उन्होंने कहा कि यूएनओ की टीम अगर छठ पर्व में बिहार आएगी तो उन्हें देश भर के मुकाबले बिहार से ज्यादा स्वच्छ शहर नहीं मिलेगा।

सरकारी गाड़ी ने तीन लोगों को रौंदा एक महिला समेत दो लोगों की मौत

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद में श्रम विभाग की गाड़ी से हुए एक भयानक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना तब हुई जब श्रम विभाग के अधिकारी प्रवीण कुमार की गाड़ी ने बेकाबू होकर तीन लोगों को रौंद दिया।

जानकारी के मुताबिक, श्रम विभाग के अधिकारी प्रवीण कुमार अपनी गाड़ी से जहानाबाद से अरवल के कुर्था जा रहे थे। तभी आलमपुर गांव के पास उनके ड्राइवर का गाड़ी पर से नियंत्रण हट गया। गाड़ी ने पहले दो बाइक सवार युवकों विक्रम और कर्ण को टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों घायल हो गए, लेकिन इलाज के दौरान कर्ण की मौत हो गई। इस घटना के बाद ड्राइवर ने गाड़ी को तेज गति से भगाने की कोशिश की।

लेकिन कुछ दूरी पर चैनपुरा गांव के पास घर के बाहर खड़ी एक महिला धमंती देवी को रौंद दिया।

इस दुर्घटना में महिला को गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान उसकी भी मृत्यु हो गई।

उसके बाद गाड़ी अंततः बिजली के एक पोल से टकरा गई। इस हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने चालक धर्मेंद्र कुमार को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर पेड़ से बांध दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बड़ी मशक्कत से चालक को ग्रामीणों के चंगुल से मुक्त कराया और उसे हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया है और चालक से पूछताछ कर रही है। फिलहाल पूरे मामले की छानबीन चल रही है। इस घटना के बाद इलाके में काफी अफरा-तफरी का माहौल बन गया और घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए थे।

दो लाख में बन गया आईपीएस अधिकारी, बैच और वर्दी के साथ गिरफ्तार

मुंगेर (एजेंसियां)। जमुई में पुलिस ने एक फर्जी आइपीएस को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार फर्जी आईपीएस के पास से पुलिस ने एक आरएस 200 पल्सर बाइक और खिलौने के एक पिस्टल तथा कई दस्तावेज भी बरामद किया है। गिरफ्तार फर्जी आईपीएस की पहचान लखीसराय जिले के हलसी थाना अंतर्गत गोवर्धन बीघा निवासी बबलू मांझी के पुत्र मिथिलेश कुमार के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस फर्जी आइपीएस से सख्ती से पूछताछ कर रही है। यह गिरफ्तारी सिकंदरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिकंदरा चौक के पास की है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए एसडीपीओ सतीश सुमन ने बताया कि शुक्रवार को सिकंदरा-जमुई रोड स्थित जिला परिषद अध्यक्ष आवास के आगे से सिकंदरा पुलिस ने संदिग्ध रूप से घूम रहे एक फर्जी आईपीएस को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक से पूछताछ के क्रम में पता चला कि वह लखीसराय जिले के हलसी थाना क्षेत्र अंतर्गत गोवर्धन बीघा गांव निवासी भगलु मांझी का पुत्र मिथलेश मांझी है। इस दौरान पुलिस ने उसके पास से एक आरएस 200 पल्सर बाइक भी जब्त किया है। साथ ही युवक के पास से 2 लाख का फर्जी चेक, पैन कार्ड, आधार कार्ड एवं एक मोबाइल सहित एक खिलौने वाला पिस्टल को जब्त किया है। फिलहाल सिकंदरा पुलिस के द्वारा जांच पड़ताल की जा रही है।

जमुई पुलिस से पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार आईपीएस ने बताया कि जमुई जिले के खैरा निवासी मनोज सिंह नाम के व्यक्ति ने दो लाख रुपया लेकर वर्दी और नकली पिस्टल उपलब्ध कराया है। बाइक के संबंध में आईपीएस ने बताया कि कुछ महीने पहले उसकी शादी हुई थी, जिसमें उसे दहेज के रूप में बाइक मिला था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि अब मनोज सिंह के बारे में जानकारी ली जा रही है, बहुत जल्द उसकी भी गिरफ्तारियो की जाएगी।

सोनपुर नाव हादसे में बड़ा अपडेट आया सामने

नदी से तीन शव निकाले गए, एक की खोज चल रही

पटना (एजेंसियां)। सोनपुर में हुए नाव हादसा में लापता चार लोगों में से तीन लोगों का शव एसडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भेज दिया है। मृतक के परिवार वालों का कहना है कि सभी लोग राशन का सामान लेकर अपने घर लौट रहे थे इसी दौरान बिजली के हाई टेंशन तार की चपेट में आने से नाव पर सवार 16 लोगों ने नाव से कुद कर अपनी जान बचाने की कोशिश की। इस आपाधापी में 10 लोग ही बाहर सुरक्षित निकल पाए। इस घटना में दो लोग बुरी तरीके से झुलस गए, जबकि चार लोग लापता हो गए थे। एसडीआरएफ टीम ने चार लोगों में से तीन लोगों का शव सोनपुर थाना क्षेत्र के जैतिपुर के पास से एसडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया है। बरामद शव को सोनपुर थाने की पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है, जहां पर पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार वालों को सौंप दिया जाएगा।

ग्रामीणों ने बताया कि मृतकों में सोनपुर थाना क्षेत्र के बबुरवनी गांव निवासी मृतक स्व देवशरण राय के पुत्र नागेन्द्र राय, विरेन्द्र राय के पुत्र मृत्युंजय कुमार राय और उमाशंकर राय के पुत्र भीषण कुमार राय शामिल हैं। ग्रामीणों ने बताया कि भीषण कुमार की शादी होने वाली थी। चौथे शव को खोजने के लिए एसडीआरएफ की टीम सर्च अभियान कर रही है।

घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि पानी का लेवल ऊपर होने तथा हाई टेंशन विद्युत तार का झुका हुआ होने के कारण नाव पर सवार दो व्यक्तियों का सिर उस झुके हुए बिजली के तार में सट गया। तार सटते ही पूरे नाव में करंट प्रवाहित हो गई। इस दौरान नाव में सवार लोगों में अफरातफरी का माहौल हो गया। नाव में अचानक हुए अफरातफरी के कारण नाव डगमगाने लगी और फिर नदी की तेज धारा में असंतुलित होकर नाव नदी में पलट गई। वहीं इस घटना में बबुरबनी के कॉलेज कर्मी भूषण राय तथा रेलकर्मी कामेश्वर राय बुरी तरीके से झुलस गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें इलाज के लिए सोनपुर के अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com